www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

■ वर्ष 31 अंक 236 ■ जबलपुर मंगलवार 17 फरवरी 2026 ■ पृष्ठ 12 ■ मूल्य रु. 3.00

7 प्रियंका चोपड़ा के इंटरव्यू ...

11 सायबर पंजीयन कार्यालय...

आगामी 25 वर्ष में प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय 22.50 लाख रुपए करने का है लक्ष्य : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री अभ्युदय इंडस्ट्री लीडरशिप कॉन्क्लेव 2026 में हुए शामिल

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आगे बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाएं विद्यमान हैं। औद्योगिक निवेश प्राप्त करने, सोलर एनर्जी उत्पादन, कृषि उत्पादन सहित अनेक मामलों में मध्यप्रदेश, देश का अग्रणी राज्य है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत 2047 में मध्यप्रदेश की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। हमारी सरकार ने मध्यप्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए सभी क्षेत्रों के लिए 25 वर्षों का दृष्टिपत्र तैयार किया गया है। प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय अभी 1 लाख 55 हजार रुपए है। अगले 25 साल में इसे 22 लाख 50 हजार करने का लक्ष्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम कृषि क्षेत्र में लंबे समय से अग्रणी है, लेकिन एमएसएमई प्रदेश के औद्योगिक विकास की रीढ़ (बैक बोन) है। राज्य सरकार एमएसएमई और लघु-कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित अभ्युदय इंडस्ट्री लीडरशिप कॉन्क्लेव 2026 में एक निजी मीडिया संस्थान के संपादक प्रफुल्ल केटकर के साथ चर्चा में यह विचार व्यक्त किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चर्चा के दौरान प्रदेश की प्रगति, औद्योगिक विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन से संबंधित प्रश्नों का बेबाकी से उत्तर दिया। प्रदेश में लागू की 18 नई औद्योगिक नीतियों की विशेषताओं पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य में औद्योगिक विकास बड़े शहरों के साथ छोटे

शहरों तक भी पहुंचे, इसके लिए संभागीय स्तर पर अलग-अलग सेक्टर्स पर केंद्रित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित की गई हैं। माइनिंग, टेक्सटाइल, टूरिज्म सहित अनेक क्षेत्रों में विकास की अपार संभावनाएं हैं। कटनी और शहडोल में माइनिंग सेक्टर में निवेश के लिए देश के शीर्ष उद्योगपति आगे आए हैं। नर्मदापुरम के बाबई-मोहासा में इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट्स तैयार करने के लिए औद्योगिक क्षेत्र विकसित हो रहा है, जहां उद्योग शुरू करने के लिए तेजी से निवेशक आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश का युवा रोजगार देने वाले बनें, इसलिए स्वरोजगार और युवा उद्यमियों को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्रोत्साहन दिया जा रहा है। प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को भी नई गति मिली है। होम-स्टे से पर्यटकों को सुविधा मिलने के साथ ग्रामीणों को रोजगार के अवसर भी मिल रहे हैं। यही कारण है कि प्रदेश में बेरोजगारी दर तेजी से घट रही है। अब मध्यप्रदेश मात्र 1 से डेढ़ प्रतिशत बेरोजगारी दर वाला राज्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में एमएसएमई सेक्टर को प्रोत्साहन देने के साथ ही रोजगार आधारित उद्योग स्थापित करने पर निवेशकों को विशेष अनुदान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों की समृद्धि के लिए कृषि उत्पादन के साथ फूड प्रोसेसिंग और पशुपालन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। कृषक कल्याण वर्ष में हमारा संकल्प है कि प्रदेश के किसान आत्मनिर्भर और समृद्ध हों। पशुपालन और दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए नई योजनाओं को लागू कर रहे हैं। राज्य सरकार ने प्रदेश में दूध उत्पादन 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक करने का लक्ष्य रखा है। राज्य का सिंचाई रकबा तेजी से बढ़ रहा है। पिछले डेढ़ साल में ही 7.5 लाख हैक्टेयर सिंचाई का रकबा बढ़ा है, इसे 100 लाख हैक्टेयर तक पहुंचाने का लक्ष्य है। नर्मदा का जल क्षिप्रा नदी में पहुंचने से मालवा अंचल के किसानों को भी लाभ मिला है।

दिल्ली में 'एआई' का महाकुंभ

प्रधानमंत्री मोदी ने एआई इम्पैक्ट समिट का उद्घाटन किया

नई दिल्ली

भारत में आज 16 फरवरी से दुनिया के सबसे बड़े टेक्नोलॉजी इवेंट में से एक 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' शुरू हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका औपचारिक उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने इवेंट में शामिल हुए स्टार्टअप्स के पवेलियंस में जाकर उनके इनोवेशंस की जानकारी ली। ये इवेंट 20 फरवरी तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में चलेगा। समिट के साथ-साथ 'इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026' का भी आयोजन किया जा रहा है। यहां दुनियाभर की कंपनियां अपने लेटेस्ट एआई सॉल्यूशंस को दुनिया के सामने पेश करेंगे। यहां आम लोग देख सकेंगे कि एआई असल जिंदगी में कैसे काम करता है और भविष्य में एआई से खेती, सेहत और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में क्या बदलाव लाने वाला है। इससे पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा कि आज से दिल्ली के भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट शुरू हो रही है। मैं इस समिट में हिस्सा लेने आए दुनिया भर के नेताओं, बड़े बिजनेसमैन, इनोवेटर्स, पॉलिसी बनाने वालों, रिसर्चर्स और टेक्नोलॉजी के जानकारों का दिल से स्वागत करता हूं। इस समिट की थीम सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय यानी सबका भला और सबकी खुशी है। यह इंसानियत की तरक्की के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करने के हमारे साझा संकल्प को दिखाती है।

3 सूत्रों पर आधारित है पूरी समिट

इस बार की चर्चाओं को 7 चक्रों में बांटा गया है, जिनमें ह्यूमन कैपिटल, सोशल एम्पावरमेंट के लिए समावेश, सुरक्षित और भरोसेमंद एआई, इनोवेशन, साइंस, एआई रिसोर्सेज का लोकतंत्रीकरण और आर्थिक विकास शामिल हैं। समिट की पूरी रूपरेखा तीन 'सूत्रों' पर टिकी है। पहला पीपल यानि एआई को मानवीय प्रगति और सांस्कृतिक विविधता के सम्मान के लिए इस्तेमाल करना। दूसरा प्लैनेट यानि जिम्मेदारी के साथ इनोवेशन को बढ़ावा देना और तीसरा प्रोग्रेस यानि एआई को समावेशी विकास का इंजन बनाना ताकि सभी को समान अवसर मिलें।

ये भी हो रहे शामिल

समिट में 100 से ज्यादा देश हिस्सा ले रहे हैं। इसमें फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और ब्राजील के राष्ट्रपति लुला डी सिल्वा सहित 15-20 देशों के राष्ट्राध्यक्ष और 50 से ज्यादा मंत्री शामिल हैं। दुनिया की दिग्गज ग्लोबल और भारतीय टेक कंपनियों के 40 से ज्यादा सीईओ के भी समिट में हिस्सा ले रहे हैं। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई, ओपनएआई के सैम ऑल्टमैन, एनवीडिया के जेन्सेन हुआंग और माइक्रोसॉफ्ट-गूगल के अन्य बड़े नाम शामिल हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी, टाटा संस के एन. चंद्रशेखरन, इंफोसिस के नंदन नीलेकणि, भारती एंटरप्राइजेज के सुनील भारती मित्तल, टीसीएस के सीईओ के. कृतिवासन और एचसीएल टेक की रोशनी नादर मल्होत्रा भी शामिल हैं।

समिट में क्या बोले एक्सपर्ट

सैम ऑल्टमैन-

अमेरिका के बाद भारत चैटजीपीटी का दूसरा सबसे बड़ा उपयोगकर्ता आधार है। ऑल्टमैन ने यह भी कहा कि अन्य किसी भी देश की तुलना में भारत में चैटजीपीटी के छात्र उपयोगकर्ताओं की संख्या सबसे अधिक है।

संजीव बिखचंदानी

एआई नौकरियां खत्म नहीं कर रहा है, बल्कि काम करने की क्षमता (प्रोडक्टिविटी) को बढ़ा रहा है। उन्होंने युवाओं को सलाह दी कि वे एआई टूल्स को अपनाएं, वरना वे पीछे छूट सकते हैं।

हरीश कृष्णन

एआई आने वाली पीढ़ियों के लिए समाज में सुधार कर रहा है और इंसानी क्षमताओं को बेहतर बनाने में मदद कर रहा है।

विनीत नायर

एआई का असर 50 प्रतिशत नौकरियों पर पड़ेगा, लेकिन साथ ही यह 50 प्रतिशत नए रोजगार के मौके भी पैदा करेगा।

तेजप्रीत चोपड़ा

एआई तेजी से दुनिया को बदल रहा है और हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनता जा रहा है। हेल्थकेयर और खेती से लेकर शिक्षा और गवर्नेंस तक, एआई हर काम को आसान बना रहा है। एआई नौकरियां छीनने के बजाय नए रोल पैदा करेगा, एंटरप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देगा और भविष्य के वर्कफोर्स को तैयार करेगा।

पुनीत चंडोक

एआई नौकरियों को पूरी तरह खत्म नहीं करेगा, बल्कि उनके काम करने के तरीके को बदल देगा। एआई किसी भी काम को छोटे-छोटे हिस्सों (टास्क) में बांट देगा जिससे काम करना आसान होगा। आपकी नौकरी कई सारे कामों का एक बंडल है। एआई बस उस बंडल को खोलकर कामों को अलग-अलग कर देगा।

मप्र विधानसभा बजट सत्र की हंगामेदार शुरुआत

राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान विपक्ष का हंगामा

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा के बजट सत्र की सोमवार से हंगामेदार शुरुआत हुई। कार्यवाही के प्रारंभ में संपूर्ण छह छंदों में वंदे मातरम् का गायन हुआ, जिसके बाद राज्यपाल मंगु भाई पटेल ने अपना अभिभाषण दिया। राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान विपक्ष ने हंगामा किया, जिसके बाद कार्यवाही अगले दिन तक के लिए स्थगित कर दी गई। राज्यपाल मंगु भाई पटेल ने अपने संबोधन में सरकार की विकास उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं से आए बदलावों का उल्लेख किया। साथ ही संकल्प पत्र 2023 में किए गए वादों पर अब तक हुए कार्य और आगामी लक्ष्यों की जानकारी भी दी। सदन में विभिन्न हस्तियों और नेताओं के निधन पर पक्ष-विपक्ष के सदस्यों द्वारा श्रद्धांजलि दी गई। इससे पहले विधानसभा पहुंचने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने राज्यपाल का स्वागत किया। राज्यपाल ने अभिभाषण की शुरुआत करते हुए कहा कि देश ऐसी दहलीज पर खड़ा है, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमृत काल की संज्ञा दी है। उन्होंने उद्योगों के अनुकूल वातावरण, भोपाल में हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट, वर्ष 2047 तक मध्यप्रदेश को 2 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य, 2026 को कृषि वर्ष के रूप में मनाने, पीएम जनमन योजना के तहत 1.35 लाख आवास निर्माण, उज्जैन में शिप्रा नदी को प्रदूषण मुक्त करने और नई शिक्षा नीति के तहत किए गए कार्यों का उल्लेख किया। इसी दौरान नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने बीच में हस्तक्षेप करते हुए आरोप लगाया कि नल-जल योजना और इंदौर में दूषित पानी से हुई मौतों का मुद्दा भाषण में शामिल नहीं किया गया। इसके बाद विपक्ष ने नारेबाजी शुरू कर दी, हालांकि हंगामे के बीच राज्यपाल ने अपना अभिभाषण जारी रखा।

जेईई मेन 2026 का परिणाम घोषित 12 छात्र 100 परसेंटाइल पर

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जॉइंट एंट्रेंस एग्जाम मेन के पहले सेशन के पहले पेपर बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग और बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी का परिणाम एनटीए ने जारी कर दिया है। देश भर में पहले सेशन में 12 स्टूडेंट्स ऐसे हैं, जो 100 परसेंटाइल लेकर आए हैं। इनमें सबसे ज्यादा राजस्थान के तीन छात्र हैं। वहीं, दूसरे नंबर पर आंध्र प्रदेश से दो स्टूडेंट हैं। इसके बाद दिल्ली, बिहार, ओडिशा, हरियाणा, महाराष्ट्र, गुजरात और तेलंगाना से एक-एक छात्र टॉपर्स में शामिल हैं। राजस्थान के तीनों टॉपर्स कोटा के हैं। इनमें कबीर छिल्लर मूल रूप से गुड़गांव के हैं, लेकिन वह 2 साल से कोटा में रहकर कोचिंग कर रहे थे और परफेक्ट स्कोर लेकर टॉपर रहे। इसी तरह चिरंजीब खार भी राजस्थान के टॉपर हैं, वह मूल रूप से बिहार के निवासी हैं। राजस्थान के तीसरे टॉपर अर्णव गौतम कोटा के ही निवासी हैं, जबकि बिहार से परीक्षा देने वाले शुभम कुमार ने भी कोटा से ही तैयारी की है और वह भी कोटा में कोचिंग कर रहे हैं। एसएमएस कोटा से चार विद्यार्थी 100 परसेंटाइल के क्लब में हैं। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार पहले सेशन में 13,55,293 स्टूडेंट्स ने रजिस्ट्रेशन करवाया था। इनमें से परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों की संख्या 13,04,653 है। साल 2026 में जहां 12 विद्यार्थी 100 परसेंटाइल लेकर आए हैं, इनमें 3 विद्यार्थी राजस्थान के हैं। जबकि बीते साल 2025 में 14 स्टूडेंट 100 परसेंटाइल में थे, इनमें से पांच विद्यार्थी राजस्थान से थे। राजस्थान टॉप पर भी था। वहीं साल 2024 में 23 स्टूडेंट 100 परसेंटाइल के क्लब में थे, इनमें तेलंगाना टॉप पर था और राजस्थान दूसरे नंबर पर तीन स्टूडेंट के साथ आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र के साथ संयुक्त रूप से था।

महिला गिग वर्कर्स के सम्मान पर ध्यान देना जरूरी : राहुल

नयी दिल्ली (वार्ता)

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गिग इकोनॉमी में काम कर रही महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सामाजिक सुरक्षा को सबसे संवेदनशील श्रम और महिला गरिमा से जुड़ा अहम मुद्दा बताते हुए कहा है कि यह केवल रोजगार का नहीं, बल्कि महिलाओं की अस्मिता, समानता और सामाजिक न्याय का सबसे बड़ा प्रश्न है। श्री गांधी ने अपने सोशल मीडिया पेज फेसबुक पर सोमवार को एक पोस्ट में आरोप लगाया कि लाखों महिला श्रमिक बिना स्थिर आय, बीमा, मातृत्व सुरक्षा और कानूनी संरक्षण के

काम करने को मजबूर हैं और यह आधुनिक अर्थव्यवस्था में गहरी असमानता को उजागर करता है। जनसंसद में गिग वर्कर्स के प्रतिनिधिमंडल से मुलाक़ात के बाद श्री गांधी ने कहा कि देश की डिलीवरी, राइड-शेयरिंग और अन्य प्लेटफ़ॉर्म आधारित सेवाओं में बड़ी संख्या में महिलाएँ काम कर रही हैं, लेकिन उनके पास न सामाजिक सुरक्षा है, न स्वास्थ्य सुविधाएँ और न ही आय की गारंटी है1

पूरे देश में चर्चित हो गया जबलपुर का अथर्व

12वीं के छात्र ने बिना वकील सुप्रीम कोर्ट में खुद लड़ी लड़ाई,10 मिनट में पलटा दिया फैसला

जबलपुर। मध्य प्रदेश के एक युवा ने वो कर दिखाया है जो चर्चा का विषय बन गया है। 12वीं के छात्र ने सुप्रीम कोर्ट में ऐसी दलीलें दीं कि सारा मामला ही पलट गया और फैसला 12वीं के छात्र के हक में आया। खास बात ये है कि छात्र अथर्व ने बिना वकील के अपना केस लड़ा और सुप्रीम कोर्ट के पास अपना ऐसे रखा कि कोर्ट 12वीं के छात्र के पक्ष में फैसला सुनाने को मजबूर हो गया। मामला एमबीबीएस के एडमिशन के जुड़ा है। छात्र ने बिना वकील के ये केस जीता है,इसलिए पूरे देश में चर्चा का विषय बन गया है। 12वीं के

छात्र ने 10 मिनट में बिना वकील खुद ही कोर्ट में जो फैक्टस रखे,सुप्रीम कोर्ट उसके हक में फैसला सुनाने को तैयार हो गया। दरअसल जबलपुर में रहने वाले 12वीं कक्षा के 19 वर्षीय छात्र अथर्व चतुर्वेदी ने पिछले दिनों देश के सर्वोच्च कोर्ट में सिर्फ 10 मिनट ऐसी दलीलें दी कि फैसला ही उसके हक मे आ गया। खास बात है कि अथर्व ने बिना किसी वकालत डिग्री और वकील के ही अपना केस लड़ा। जानकारी के मुताबिक छात्र के पास वकील को फीस देने के पैसे नहीं थे। उसने सिर्फ कानूनी आधिकारों की किताबों से जानकारी लेकर कोर्ट में केस लड़ा।

खैरथल की फैक्ट्री में जोरदार धमाके के बाद लगी आग, 8 लोग जिंदा जले

खैरथल । राजस्थान के खैरथल जिले के खुशखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र में सोमवार एक बड़ा हादसा हो गया। यहां एक फैक्ट्री में भीषण धमाके के बाद लगी आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, जिसकी चपेट में आने से 8 लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे औद्योगिक क्षेत्र में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल व्याप्त है। भिवाड़ी एडीएम सुमित्रा मिश्र ने बताया की सुबह साढ़े नौ बजे के करीब भिवाड़ी पुलिस गश्त कर रही थी तभी औद्योगिक क्षेत्र स्थित प्लॉट संख्या जी-1-118 बी में संचालित एक निजी फैक्ट्री में आग लगी हुई दिखाई दी। जिस पर सूचना पुलिस नियंत्रण कक्ष से रीको फायर ब्रिगेड को दी गई। मामले में जिला कलेक्टर को भी सूचित कर दिया गया है। सभी मृतक बिहार और यूपी के रहने वाले बताए जा रहे हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार इस फैक्ट्री में लगभग 9 मजदूर काम कर रहे थे। जिनमें 8 लोगों की जलने से मौत हो गई। आठ मृतक के शव बरामद किए जा चुके हैं। दो की तलाश जारी है। सभी मजदूर उत्तर प्रदेश और बिहार के रहने वाले है। दमकल इंचार्ज राजू खान ने बताया कि सूचना मिलते ही आधा दर्जन से अधिक दमकल की गाड़ियां मौके पर भेजी गईं।

समाज के लिए कुछ अच्छा न करने पर दी 25 साल की सजा

सुप्रीम कोर्ट ने गैंगस्टर अबू सलेम की याचिका ठुकराई

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को गैंगस्टर अबू सलेम की याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया, जिसमें दावा किया गया था कि वह 10 महीने से अधिक समय से अवैध हिरासत में था। अबू सलेम का कहना है कि, वह 1993 के मुंबई विस्फोट मामले में दी गई 25 साल की सजा पहले ही काट चुका था। सुप्रीम कोर्ट ने अबू सलेम के वकील से कहा कि उनके मुवक्किल को समाज के लिए कुछ अच्छा नहीं करने के लिए 25 साल की सजा सुनाई गई थी और उसे टाडा (आतंकवादी और विघटनकारी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम) के तहत दोषी ठहराया गया था। यह मामला जस्टिस विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की बेंच के समक्ष सुनवाई के लिए आया। बेंच बॉम्बे हाई कोर्ट के जुलाई 2025 के आदेश को चुनौती देने वाली सलेम की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि 25 साल की अवधि अभी पूरी नहीं हुई है। सोमवार को सुनवाई के दौरान, बेंच ने सलेम के वकील से कहा कि बॉम्बे हाई कोर्ट ने अबू सलेम को केवल अंतरिम राहत देने

से इनकार कर दिया था। अदालत ने वकील को हाई कोर्ट के समक्ष जाने और मामले पर अंतिम रूप से बहस करने के लिए कहा। सलेम के वकील ने महाराष्ट्र जेल (छूट प्रणाली) नियम, 1962 का हवाला देते हुए बेंच के समक्ष कहा कि उनके मुवक्किल की अवैध हिरासत पहले ही 10 महीने से अधिक हो चुकी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सलेम को 25 साल की सजा सुनाई गई है जिसकी सजा इस अदालत ने उसे दी थी। इस पर बेंच ने वकील से कहा कि वह हाई कोर्ट के समक्ष अपने मामले पर बहस करें। वकील ने कहा कि संबंधित पक्षों ने पहले ही हाई कोर्ट के समक्ष उनकी याचिका पर अपने हलफनामे दाखिल कर दिए हैं। बेंच ने कहा कि हलफनामे पर विचार करने के बाद हाई कोर्ट इस मामले पर फैसला करेगा। वकील ने हाई कोर्ट के समक्ष जेल महानिरीक्षक द्वारा पिछले साल दायर एक हलफनामे का हवाला दिया और तर्क दिया कि एक अंकगणितीय त्रुटि थी। बेंच ने कहा कि हलफनामे के अनुसार सलेम 19 साल की सजा काट चुका है। वकील ने जोर देकर कहा कि वह 10 महीने से अधिक की अवैध हिरासत से गुजर चुका है। बेंच ने वकील से कहा, आपको (सलेम) समाज के लिए कुछ अच्छा नहीं करने के लिए 25 साल (सजा) दी गई है। आपको टाडा (आतंकवादी और विघटनकारी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम) के तहत दोषी ठहराया जाता है। दलीलें सुनने के बाद, बेंच ने याचिका को वापस लेते हुए खारिज कर दिया और सलेम को लंबित मामले को शीघ्र सूचीबद्ध करने और निपटाने के लिए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाने की छूट दी।

कलेक्टर ने लापरवाही पूर्वक कामर्शियल वाहन चलाने वाले चालकों के ड्रायविंग लाइसेंस निरस्त करने के दिये निर्देश

टू-व्हीलर वाहन डीलर क्रेता को हेलमेट अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायें

शहडोल (स्वतंत्र मत)

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने को लेकर कलेक्टर द्वारा विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में पुलिस, परिवहन, लोक निर्माण विभाग, नगरीय निकाय तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि लापरवाहीपूर्वक कमर्शियल वाहन चलाने, ओवरस्पीडिंग, शराब पीकर वाहन चलाने तथा बार-बार यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त करने की कार्यवाही की जाए। उन्होंने परिवहन एवं पुलिस विभाग को संयुक्त रूप से विशेष अभियान चलाकर ऐसे वाहन चालकों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने को कहा।

बैठक में दोपहिया वाहन दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कलेक्टर ने सभी टू-व्हीलर वाहन डीलरों को निर्देशित किया कि वाहन विक्रय के समय क्रेता को अनिवार्य रूप से हेलमेट उपलब्ध कराया जाए तथा बिना हेलमेट वाहन सुपुर्द न किया जाए। कलेक्टर ने गोल्डन ऑवर में दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाकर जीवन रक्षा करने वाले लोगों को राहवीर योजना अंतर्गत 25 हजार रूपए के नगद पुरूस्कार हेतु प्रस्ताव भेजने तथा दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को कैशलेस उपचार की सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव ने बताया कि जिले में सुरक्षित यातायात के प्रति आमजन को जागरूक करने हेतु यातायात पुलिस द्वारा लगातार जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने ब्लैक स्पॉट चिन्हित कर सुधार कार्य कराने, प्रमुख चौराहों पर संकेतक बोर्ड एवं स्पीड ब्रेकर लगाने और रात्रि में रिफ्लेक्टर व रोड मार्किंग सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि दुर्घनाग्रस्त व्यक्ति को मौत से बचाने प्रशासन की पहली प्राथमिकता है। आपने जिले के उच्च धनत्व वाले मार्गों, क्रिटिकल जंक्सन एवं हाई रिस्क जोन में जिले के सड़कों को विभाजित कर संयुक्त दल द्वारा भ्रमण करते हुए दुर्घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक उपाय करने के निर्देश दिए। आपने कहा कि जिले में ब्यौहारी जयसिंहनगर, खन्नौधी, गोहपारू, शहडोल एवं बुढ़ार में नगर से मार्ग गुजरते हैं। जहां यातायात का अत्याधिक दबाव रहता है। इन स्थानों में जेब्रा क्रासिंग बनाए जाएं। यातायात प्रभारी श्री संजय जायसवाल ने बताया कि जिले में कुछ स्पॉट ऐसे है। जहां दुर्घटना होने पर सीरियश एन्जुरी होती है को चिन्हित कर आवश्यक सुधार एवं ऐतिहात बरतने की कार्यवाही की जाएगी। शहडोल नगर के गांधी चौराहा को स्क्वायर चौराहा के रूप में विकसित कर यातायात व्यवस्थित किए जाने का निर्णय लिया गया है।

कलेक्टर ने कहा कि सड़क सुरक्षा प्रशासन एवं समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। आमजन यातायात नियमों का पालन करें, सीट बेल्ट एवं हेलमेट का उपयोग करें तथा सुरक्षित वाहन संचालन को अपनी आदत बनाएं, तभी सड़क दुर्घटनाओं में प्रभावी कमी लाई जा सकेगी।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री शिवम प्रजापति, एसडीएम सोहागपुर श्रीमती अमृता गर्ग, कार्यलान यंत्री लोक निर्माण विभाग, केएस, इनवाती, कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, आरटीओ श्रीमती अनपा खान, मुख्य नगरपालिका अधिकारी शहडोल श्रीमती आशा भण्डारी, यातायात प्रभारी संजय जायसवाल तथा एनआईसी से ओम जायसवाल उपस्थित रहे।

अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन पर अमलाई पुलिस की कार्यवाही

शहडोल। जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध सतत् कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में थाना अमलाई क्षेत्रांतर्गत गश्त भ्रमण के दौरान 15 फरवरी 2026 को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम चाका कोयलहरी घाट नदी में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा अवैध रूप से रेत उत्खनन कर डग्गी वाहनों में लोड कर परिवहन किया जा रहा है। सूचना की तस्दीक हेतु थाना प्रभारी भूपेन्द्रमणि पाण्डेय के नेतृत्व में अमलाई पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुँची। पुलिस दल को देखकर डग्गी वाहन चालक भागने का प्रयास करने लगे, जिन्हें हमराह स्टाफ की सहायता से घेराबंदी कर पकड़ा गया। मौके से दो डग्गी वाहन क्रमांक स्क्क-18-ब्र-5033 एवं स्क्क-18-ब्र-5101 को अवैध रूप से रेत परिवहन करते हुए जप्त किया गया। दोनों डग्गी वाहनों की अनुमानित कीमत लगभग 7,00,000/-(सात-सात लाख रुपये) प्रति वाहन, कुल ?14,00,000/- (चौदह लाख रुपये) आंकी गई है वाहन चालकों के नाम इस प्रकार हैं 1 अंजनी उपाध्याय पिता स्व. दादूराम उपाध्याय, उम्र 32 वर्ष, निवासी विक्रमपुर थाना अमलाई, जिला शहडोल (म.प्र.) वाहन क्रमांक स्क्क-18-ब्र-5033, जो बृजेश यादव द्वारा चलवाया जाना बताया। महिपाल सिंह पिता नयन सिंह, उम्र 28 वर्ष, निवासी ग्राम नेमूहा थाना बुढ़ार, जिला शहडोल (म.प्र.)- वाहन क्रमांक स्क्क-18-ब्र-5101, जो रामदयाल साहू उर्फ मुन्ना साहू द्वारा चलवाया जाना बताया।जप्तशुदा डग्गी वाहनों को थाना परिसर में सुरक्षित खड़ा कराया गया एवं उक्त कृत्य पर अमलाई पुलिस द्वारा बी.एन.एस. एवं खनिज अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।सराहनीय भूमिका उक्त संपूर्ण कार्यवाही थाना प्रभारी भूपेन्द्रमणि पाण्डेय के नेतृत्व में सउनि. शिवनारायण प्रजापति, प्र.आर. गणेश पाण्डेय, आर. तीरथ सिंह, आर. सनत गौतम एवं आर. मिखायल परस्ते की सराहनीय भूमिका रही।

विवेकानन्द पैरामेडिकल कालेज मे एंटीबायोटिक दवा के सम्बंध में कार्यशाला का हुआ आयोजन

शहडोल (स्वतंत्र मत)

विवेकानन्द पैरामेडिकल कॉलेज शहडोल में एंटीबायोटिक का अधिक उपयोग करना खतरनाक हो सकता है एंटीबायोटिक का गलत उपयोग के विषय में चर्चा की गई इस कार्यक्रम में डॉक्टर मिहिर जीएमसी मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर ने कहा कि एंटीबायोटिक का दुरुपयोग कैसे हो सकता है, हमारे शरीर के लिए कितना खतरनाक है और एंटीबायोटिक का गलत उपयोग से मरीज की जान भी जा सकती है।एंटीबायोटिक का गलत इस्तेमाल के विषय पर कॉलेज के संचालक डॉक्टर हरीश गुप्ता ने बताया कि काई बार मरीज़ दवा की दुकान से एंटीबायोटिक लेकर उसका उपयोग करता है उसके कारण मरीज अपने शरीर को नुक्सान पहुंचाता है काई प्रकार के नुक्सान को सहन करना पड़ता है इसलीये कभी भी मरीज को दवा की दुकान से एंटीबायोटिक या कोई अन्य दवा ना खरीद कर हमेशा डॉक्टर की सलाह पर ही एंटीबायोटिक या अन्य दवा का उपयोग मे लेना चाहिए इस कार्यक्रम में कॉलेज के सभी कर्मचारी सभी स्टाफ डॉक्टर नम्रता पटेल, राजकिशोर दुबे, मनीष गुप्ता, उमेश सोंधिया ,शिवानी सिंह राजपूत, सरिता जयसवाल, प्रीति विश्वकर्मा, हर्षिता मिश्रा, सुधा राठौड़, अंगद कुशवाह, प्रियंका तिवारी आदी उपस्थित रहे

अधिवक्ताओं ने शिवपुरी के अधिवक्ता संजय सक्सेना की हत्या की घटना का तीव्र विरोध करते हुये किया प्रदर्शन, नहीं की वकालत

अभिभाषक संघ बुढार ने प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देकर प्रोटेक्शन एक्ट तत्काल लागू करने की पुरजोर मांग की

बुढार (स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश के शिवपुरी में अधिवक्ता - संजय कुमार सक्सेना की अपराधियों द्वारा गोली मारकर की गई नृशंस हत्या की तीव्र निंदा करते हुये अधिवक्ताओं ने सोमवार को प्रतिवाद दिवस मनाते हुये सड़कों पर उतरकर जबरदस्त विरोध प्रदर्शित किया और एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू किये जानें की पुरजोर मांग करते हुये प्रधानमंत्री एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री के नामें अभिभाषक संघ बुढार द्वारा तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया। म.प्र. के करेरा जिला शिवपुरी निवासी अधिवक्ता संजय कुमार सक्सेना की हत्या के विरोध में बुढार न्यायालय प्रांगण से अभिभाषण संघ बुढार के अध्यक्ष जयकान्त मिश्रा (एड.) के अगुवाई में अधिवक्ताओं ने अपनी एकजुटता का जबरदस्त उदाहरण प्रस्तुत करते हुये नारेबाजी करते हुये बुढार तहसील पहुंचकर प्रधानमंत्री एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री के नामें ज्ञापन दिया। अभिभाषक संघ बुढार ने प्रधानमंत्री एवं म.प्र. के मुख्यमंत्री के नामें दिये ज्ञापन में उल्लेखित किया कि - प्रदेश में अधिवक्ताओं के ऊपर आये दिन प्राणघातक हमले हो रहे हैं और हत्या की जा रही है, जिसका उदाहरण संजय कुमार सक्सेना जैसे प्रिय अधिवक्ता का ताजा उदाहरण है, जो अति दुःखद व निंदनीय है, इस तरह की घटित हो रही घटना से अधिवक्ता समाज अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रहा है और विधि व्यवसाय करना कठिन हो गया है। अधिवक्ता व्यवसाय में कुछ अधिवक्ता प्रकरण के पक्ष में होते हैं वहीं कुछ विपक्ष में होते हैं, जिस कारण से प्रकरण का निराकरण जब होता है, वह दोनों पक्ष के हित का नहीं होता है और एक पक्ष दूसरे पक्ष के अधिवक्ता को अपना दुश्मन मानने लगता है। ज्ञापन में यह भी उल्लेखित रहा कि - भूमि संबंधी विवादों में भू माफिया व दबंग किस्म के लोग अधिवक्ताओं को निरंतर धमकाते हैं जिससे विधि व्यवसाय स्वतंत्र पूर्वक करना कठिन होता जा रहा है, जिससे अधिवक्ता व्यवसाय न्याय हित में कर पाना संभव नजर नहीं आता इस कारण एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट की नितान्त आवश्यकता है जिसे अधिवक्ता हित में तत्काल लागू कराया जाये जो न्याय संगत मांग है। बुढ़ार में अधिवक्ताओं ने न्याय संगत मांग को लेकर तथा अधिवक्ता संजय कुमार सक्सेना की हत्या की तीव्र निन्दा करते हुये मांग पत्र तहसीलदार को सौंपते समय लगभग दो सौ पचास अधिवक्ताओं की उपस्थिति रही जिन्होंने अपनी एकजुटता का परिचय देते हुये घटना को लेकर जबरदस्त विरोध प्रदर्शित किये।

दुर्गम वनांचल में बेहतर स्वास्थ्य की ओर कदम आयुष्मान आरोग्य मंदिर जल्दा का नेशनल असेसमेंट

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

कलेक्टर के निर्देशन एवं एसडीएम रामबाबू देवांगन के कुशल मार्गदर्शन में आकांक्षी विकासखंड बजाग के सुदूर वनांचल और आदिवासी बाहुल्य ग्राम जल्दा में स्वास्थ्य सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर तय किया गया। यहाँ स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर में भारत सरकार की टीम द्वारा राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक का नेशनल असेसमेंट संपन्न हुआ। चुनौतियों के बीच स्वास्थ्य क्रांति ग्राम जल्दा एक ऐसा दुर्गम क्षेत्र है जहाँ आज भी इंटरनेट और मोबाइल कनेक्टिविटी जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। ऐसी भौगोलिक चुनौतियों के बावजूद, जिला प्रशासन यहाँ स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। नेशनल असेसर डॉ. परम हंस मिश्रा और डॉ. सी. किशोर कुमार ने चेकलिस्ट के आधार पर केंद्र की सुविधाओं और सेवाओं का सूक्ष्म मूल्यांकन किया।

प्रशासनिक उपस्थिति और टीम का सहयोग निरीक्षण के दौरान जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज पांडे और नोडल अधिकारी डॉ. मनोज उरैती उपस्थित रहे। उनके मार्गदर्शन में बीएमओ डॉ. चंद्रशेखर धुर्वे, मेडिकल ऑफिसर डॉ. अर्जुन विश्वास, डॉ विकास जैन, बीपीएम श्री लल्ला यादव और बीईई कांति राव ने व्यवस्थाओं का मोर्चा संभाला।

जमीनी स्तर पर समर्पण इस मूल्यांकन को सफल बनाने में स्थानीय स्वास्थ्य अमले की भूमिका सराहनीय रही। बीसीएम साधना यादव, फार्मासिस्ट शैलेंद्र ठाकुर, सीएचओ सुश्री कुसुम लोधी, एएनएम लक्ष्मी राजपूत और आशा कार्यकर्ताओं के समर्पण ने यह साबित किया कि सीमित संसाधनों और कनेक्टिविटी की कमी के बाद भी वनांचल के आदिवासियों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाई जा सकती हैं।

आकांक्षी विकासखंड बजाग के ग्राम झिंझरी में पशु टीकाकरण शिविर संपन्न, 150 से अधिक मवेशियों का हुआ उपचार

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

कलेक्टर के दिशा-निर्देशों एवं एसडीएम श्री रामबाबू देवांगन के कुशल मार्गदर्शन में शासन के 'संपूर्ण अभियान' अंतर्गत आकांक्षी विकासखंड बजाग के ग्राम झिंझरी में पशु टीकाकरण एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीण अंचलों में पशुधन को संक्रामक रोगों से सुरक्षित रखना तथा पशुपालकों को आधुनिक पशुपालन प्रबंधन के प्रति जागरूक करना था। शिविर में पशुपालन विभाग की टीम द्वारा 150 से अधिक मवेशियों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार किया गया। खंड पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. कृष्णकांत मरावी, श्री नरेंद्र सिंह कुलेश एवं तारा सिंह पट्टा (सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी) सहित विभागीय अमले ने सक्रिय सहभागिता निभाई। टीकाकरण एवं उपचार कार्य शिविर के दौरान मवेशियों को गलघोंटू (।।स्) एवं एकटंगिया (ब्क्क्) जैसे जानलेवा रोगों से बचाव हेतु टीकाकरण किया गया। साथ ही कृमि मुक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत कृमिनाशक दवाओं का वितरण कर पशुओं के पोषण स्तर में सुधार हेतु आवश्यक सलाह दी गई। पशुपालकों को दिया गया मार्गदर्शन डॉक्टरों द्वारा पशुपालकों को दुग्ध उत्पादन बढ़ाने, संतुलित आहार प्रबंधन, साफ-सफाई एवं मौसमी बीमारियों से बचाव के उपायों की जानकारी प्रदान की गई। पशुपालकों की जिज्ञासाओं का समाधान कर उन्हें नियमित टीकाकरण के महत्व से अवगत कराया गया। इस अवसर पर एसडीएम श्री देवांगन ने कहा कि आकांक्षी विकासखंड बजाग में पशुपालन ग्रामीण आजीविका का प्रमुख आधार है। पशुओं का स्वस्थ रहना किसानों की आर्थिक स्थिरता के लिए आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि ग्राम स्तर पर शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित कर संभावित महामारी की स्थिति को रोका जाए। शिविर में स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में पशुपालकों की उपस्थिति रही। ग्रामीणों ने शासन की इस पहल की सराहना करते हुए इसे आर्थिक सुदृढ़ीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

कैरियर काउंसलिंग के विद्यार्थियों को मिला जैविक खेती का प्रशिक्षण

गौवंश आधारित प्राकृतिक खेती से भूमि, पर्यावरण व स्वास्थ्य में होगा सुधार

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

पीएमश्री शासकीय हाई स्कूल बिलगांव, विकासखंड शहपुरा में कैरियर काउंसलिंग के कार्यक्रम का आयोजित अंतर्गत अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को गौवंश आधारित जैविक एवं प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य विद्यार्थियों को पारंपरिक कृषि के साथ आधुनिक, टिकाऊ एवं पर्यावरण-सम्मत खेती पद्धतियों से परिचित कराना रहा। कार्यक्रम में नर्मदांचल गौ सेवा समिति के अध्यक्ष एवं जैविक कृषि विशेषज्ञ श्री बिहारी लाल साहू ने रासायनिक, जैविक एवं प्राकृतिक खेती के बीच अंतर को सरल भाषा में समझाया। प्रशिक्षण के दौरान केंचुआ खाद निर्माण, बीजोपचार की वैज्ञानिक प्रक्रिया, बीज को उक्ठा जैसे रोग से बचाने के उपाय, जीवामृत, अग्नि अस्त्र के माध्यम से कीट नियंत्रण तथा मृदा परीक्षण की विस्तृत जानकारी दी गई। श्री साहू ने कहा कि गौवंश आधारित प्राकृतिक खेती से मृदा की उर्वरता बढ़ती है, पर्यावरण संरक्षण होता है और मानव स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। आदिवासी बहुल्य जिला डिण्डौरी जैसे क्षेत्रों में यह खेती स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार बन सकती है। प्रशिक्षण कार्यक्रम मे विद्यालय के प्राचार्य कन्हैया लाल साहू, शिक्षक ओमप्रकाश साहू, शांति राम साहू, राहुल पाठक,अमित साहू, डिया साहू,आशा साहू तथा विद्यालय के समस्त स्टाफ की उपस्थिति में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कैरियर काउंसलिंग के 40 छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे, जिन्होंने प्रशिक्षण में गहरी रुचि लेते हुए भविष्य में प्राकृतिक खेती अपनाने की इच्छा व्यक्त की। यह पहल विद्यार्थियों को कृषि क्षेत्र में दक्ष बनाने के साथ-साथ उन्हें रोजगारोन्मुखी एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

पारंपरिक खेल कबड्डी की 52 टीमें ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता में लेंगी भाग

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

कलेक्टर के निर्देशन में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत डिंडौरी द्वारा जारी आदेशानुसार भारत शासन की राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (ऋन्नङ्ग) योजना के अंतर्गत जिले में पारंपरिक खेलों के प्रोत्साहन हेतु नवाचार के रूप में विभिन्न स्तरों पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए डिप्टी कलेक्टर सुश्री प्रियांशी जैन को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, जबकि सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग, जिला शिक्षा अधिकारी तथा जिला परियोजना समन्वयक (सर्व शिक्षा अभियान) को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। प्रतियोगिता 12-15 आयु वर्ग के बालक वर्ग के लिए आयोजित की जा रही है। जिले में क्लस्टर स्तरीय प्रतियोगिताएं 16 फरवरी 2026 से 20 फरवरी 2026 तक तथा विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिताएं 21 फरवरी से 22 फरवरी 2026 तक आयोजित होंगी। प्रत्येक विकासखंड से एक टीम का चयन कर जिला स्तरीय प्रतियोगिता में सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार ?21,000, द्वितीय पुरस्कार ?11,000, तृतीय पुरस्कार ?5,100 तथा सांत्वना पुरस्कार ?1,100 निर्धारित किया गया है। क्लस्टर स्तर से चयनित टीमें विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेंगी। विकासखंडवार टीमों का चयन, आयोजन तिथि एवं स्थल निर्धारित कर दिए गए हैं।

विकासखंडवार कार्यक्रम इस प्रकार है-

विकासखंड शहपुरा ङ्क कुल 08 टीमें (शहपुरा, बिछिया, अमेरा, मानिकपुर, कोहनी देवरी ढह, कछारी, बड़गांव, कस्तूरी पिपरिया)। विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिता 17 फरवरी 2026 को रानी दुर्गावती स्टेडियम, शहपुरा में आयोजित होगी।

विकासखंड करंजिया ङ्क कुल 07 टीमें (करंजिया, मुसामुंडी, रुसा, मेढ़ाखार, गोरखपुर, झांकी, गोपालपुर)। प्रतियोगिता 18 फरवरी 2026 को उत्कृष्ट विद्यालय खेल मैदान, करंजिया में आयोजित होगी।

विकासखंड डिंडौरी ङ्क कुल 10 टीमें (प्राचीन डिंडौरी, कूड़ा, धूर्रा, नेवसा, शाहपुर, अझवार-जमगांव, विक्रमपुर, कन्या विक्रमपुर, रयपुरा)। प्रतियोगिता 18 फरवरी 2026 को कन्या शिक्षा परिसर, डिंडौरी में आयोजित होगी। विकासखंड बजाग ङ्क कुल 07 टीमें (खरहगना, सागरटोला, बजाग, गाड़ासरई, कन्या बजाग, चाड़ा, लालपुर)। प्रतियोगिता 18 फरवरी 2026 को उत्कृष्ट विद्यालय, बजाग में आयोजित होगी। विकासखंड समनापुर ङ्क कुल 06 टीमें (खुड़िया, मझगांव, समनापुर, गौरा कन्हरी, कुकर्रामठ, बम्हनी)। प्रतियोगिता 17 फरवरी 2026 को उत्कृष्ट विद्यालय मैदान, समनापुर में आयोजित होगी। विकासखंड अमरपुर ङ्क कुल 07 टीमें (अमरपुर, कमको-मोहनिया, निघोरी, सिधौली, कमरासोड़ा, कन्या अमरपुर)। प्रतियोगिता 18 फरवरी 2026 को संदीपनी विद्यालय, अमरपुर में आयोजित होगी। विकासखंड मेहंदवानी ङ्क कुल 06 टीमें (मेहंदवानी, सागरटोला, कनेरी, चौबीसा, राई, कठौतिया)। प्रतियोगिता 18 फरवरी 2026 को उत्कृष्ट विद्यालय, मेहंदवानी में आयोजित होगी। विकासखंड नोडल अधिकारियों द्वारा प्रतियोगिता के सफल संचालन हेतु कबड्डी खेल के विशेषज्ञों सहित आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित कर दी गई है।

1 मार्च से लागू होगी नई सफाई व्यवस्था

महापौर ने की 3 घंटे की मैराथन बैठक, नागरिक हित में लिये कई निर्णय

जबलपुर।

शहर विकास को लेकर महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू' ने 16 फरवरी को जल, स्वास्थ्य एवं लोककर्म विभाग के अधिकारियों के साथ 3 घंटे की मैराथन बैठक की। जिसमें सड़कों के कायाकल्प, जलसंकट और जलप्लावन से मुक्ति के लिए मास्टर प्लान तैयार कर नगर निगम के संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये। उन्होंने नालियों के अंदर से गुजरने वाली पाइप लाइन को शिफ्ट करने के लिए अलग से 10 करोड़ की विशेष राशि की स्वीकृति प्रदान की और अधिकारियों को निर्देशित किया कि शहर में कहीं भी कोई पाइप लाइन नालियों से न गुजरे इस बात का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने बताया कि 28 फरवरी तक सभी विकास कार्यों के लिए टेंडर जारी किये जायेंगे।

1 मार्च से नई व्यवस्था और अतिरिक्त संसाधनों के साथ शहर में सफाई होगी, जिसमें अमूलचूल परिवर्तन दिखेगा। सफाई व्यवस्था को हाई-टेक बनाने के लिए अतिरिक्त मशीनों और सफाई मित्रों की संख्या में वृद्धि की जा रही है। महापौर श्री अन्नू ने आश्वस्त किया है कि आने वाले सभी त्योहारों पर शहर की सफाई व्यवस्था चाक-चौबंद रहेगी, जिससे नागरिकों को एक स्वच्छ और सुंदर वातावरण मिल सके।

महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू' ने बताया कि पिछले 2 वर्षों के सफल प्रयासों से शहर में जल संकट और जलप्लावन की समस्याओं में भारी कमी आई है। महापौर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि ग्रीष्म ऋतु के आगमन से पूर्व ही पाइप लाइन विस्तार, बोरिंग मरम्मत और पानी की टंकियों को पूर्ण क्षमता से भरने का कार्य पूरा कर लिया जाए। बैठक में सबसे महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए महापौर ने 10 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि स्वीकृत की है, जिससे नालियों के भीतर फंसी पाइप लाइनों को ऊपर शिफ्ट किया जाएगा।

शहर के नागरिकों को सुगम यातायात का अनुभव देने के लिए प्रमुख सड़कों को और बेहतर बनाने पर जोर दिया गया है। विकास कार्यों की गति बढ़ाने के लिए, महापौर ने 'डेडलाइन' तय कर दी है। 28 फरवरी तक पार्षद, अध्यक्ष और महापौर मद के सभी कार्यों के टेंडर अनिवार्य रूप से जारी करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि निर्माण कार्यों में कोई देरी न हो। बैठक में एम.आई.सी. सदस्य दामोदर सोनी, श्रीमती अंशुल राघवेन्द्र यादव, श्रीमती रजनी कैलाश साहू, निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार, अपर आयुक्त अरविन्द शाह, व्ही.एन. बाजपेयी के साथ उपायुक्त, सहायक आयुक्त, अधीक्षण यंत्री एवं सभी कार्यपालन यंत्री, विभागीय प्रमुख आदि उपस्थित रहे।

दान में दे दी नगर निगम की भूमि

नगर निगम लीज प्लाट क्रमांक 51, राइट आउन एक्सटेंशन, क्षेत्रफल - 25047 वर्गफुट पर पट्टेधारी डॉ. महेश कुमार श्रीवास्तव पिता स्व. डॉ. भैया लाल श्रीवास्तव, श्रीमती हेमलता श्रीवास्तव पति डॉ. महेश कुमार श्रीवास्तव एवं रचित श्रीवास्तव पिता डॉ. महेश कुमार श्रीवास्तव का नाम दर्ज है। आज इस प्रकरण की वास्तविकता जानने और समझने के संबंध में निगमायुक्त रामपकाश अहिरवार के निर्देशानुसार सहायक आयुक्त श्रीमती शिवांगी महाजन के द्वारा मौके का निरीक्षण किया गया। जहां पर पाया गया कि उक्त भूखण्ड पट्टेधारी द्वारा नगर निगम के स्वामित्व की भूमि को निगम की बिना अनुमति के दान कर दिया गया है एवं उक्त भूखण्ड पर मौके पर बिना अनुमति व्यापारिक उपयोग की गतिविधियाँ की जा रहीं है।

सहायक आयुक्त श्रीमती महाजन ने बताया कि पट्टेधारी द्वारा वर्ष 2020-21 से लीज भू-भाड़ा जमा नहीं किया गया है। पट्टेधारी द्वारा लीज शर्त क्रमांक 3, 6, 7 एवं 8 का उल्लंघन किया गया है। उन्होंने यह भी बताया है कि नगर निगम के पास शर्त क्रमांक 6 के तहत् पुन: प्रवेश का अधिकार सुरक्षित है।

श्रीमती महाजन ने संबंधितों को सूचना के माध्यम से जानकारी दी है कि 24 घंटे के अंदर वैधानिक दस्तावेज/जानकारियाँ नगर निगम के सम्पदा शाखा में प्रस्तुत करें अन्यथा निगम की ओर से वैधानिक कार्रवाई की जायेगी। इस आशय की जानकारी की सूचना चस्पा भी कराई गयी है।

जंगल में मिले बिजली विभाग के दस्तावेज

लोगों ने अधिकारियों को सौंपे

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मध्यप्रदेश बिजली विभाग के मुख्यालय से लगे जंगल में सोमवार की दोपहर को जंगल में कई अहम दस्तावेज पड़े हुए मिले हैं। लोगों ने बिजली विभाग को जानकारी दी तो अधिकारी मौके पर पहुंचे, और दस्तावेजों को उठाकर अपने कार्यालय में रखा। बताया जा रहा है कि पावर जनरेटिंग कंपनी के सिविल परियोजना से जुड़े ये दस्तावेज है, जिसका ऑफिस वर्ष 2000 में बंद हो गया है। सोमवार को नयागांव से ऑटो में पुराने दस्तावेज शक्ति भवन लाए जा रहे थे, संभवत: उसी दौरान कागजात गिरे हैं। इस बीच नयागांव के पास रहने वाले कुछ लोग जब गुजर रहे थे, तभी देखा कि रोड से थोड़ी दूर जंगल में कुछ दस्तावेज पड़े हुए थे। पास जाकर देखा तो उसमें पॉल्यूशन एंड इकोलॉजी कंट्रोल सर्विसेज, कुछ दस्तावेजों में प्रोजेक्ट रिपोर्ट जो कि मध्य प्रदेश इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड रामपुर जबलपुर की थी, ऑपरेशन मेंटेनेंस एंड ड्राइंग मैन्युअल की भी इसमें कुछ प्रोजेक्ट रिपोर्ट है। लोगों ने इन्हें बिजली विभाग के कर्मचारियों को बुलाकर सौंपा है।

रामपुर में रहने वाले एडवोकेट दिनेश बर्मन और पूर्व पार्षद ठाणेश्वर महावर जब वहां से गुजर रहे थे, तभी उन्होंने देखा कि रोड से दूर कुछ कागजात पड़े हुए हैं। नजदीक में जाकर फाइल पलटकर देखा तो सर्विस स्टेशन और मैप के नक्शे के कागजात पड़े हुए थे। उन्होंने कहा कि ये दस्तावेज बहुत महत्वपूर्ण हैं, जिसे कचरा समझकर फेंक दिया है।

अगर ये दस्तावेज खराब हो चुके हैं तो इसे शासन को नष्ट कर देना था, पर ऐसा नहीं हुआ। दिनेश बर्मन का कहना है कि अगर ये दस्तावेज किसी के हाथ लग जाते तो निश्चत रूप से अहित हो सकता था।

यह विद्युत विभाग की लापरवाही

पूर्व पार्षद ठाणेश्वर महावर का कहना है कि महानदी डैम से लेकर कई अहम दस्तावेज हैं, ये अगर देश के विरोधी गतिविधियों में लिप्त रहने वालों के हाथ लग जाए तो निश्चित रूप से देश का अहित भी हो सकता है। देश को नुकसान भी हो सकता है। यह मध्यप्रदेश विद्युत विभाग की लापरवाही है। उनकी अनदेखी के कारण यह घटना हुई है।

एक दाता बचा सकता है अनेक जीवन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। राष्ट्रीय दाता दिवस के अवसर पर जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज एंड रिसर्च द्वारा 'दान के माध्यम से प्रेम व्यक्त करें' विषय पर एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य अंगदान एवं रक्तदान के महत्व के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना, जनसामान्य को दान हेतु संकल्प लेने और जीवन बचाने के लिए प्रेरित करना, दान से संबंधित भ्रांतियों एवं तथ्यों के विषय में समुदाय को शिक्षित करना तथा विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व एवं करुणा की भावना को प्रोत्साहित करना था।

सीएचसी मनमोहन नगर, जबलपुर में आयोजित यह रैली बी.एससी. (नर्सिंग) चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा प्रभारी प्रधानाचार्य प्रो. डॉ. प्रिंसी शाजी एवं संकाय समन्वयकों के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने पोस्टर, नारे एवं जागरूकता संदेशों के माध्यम से सक्रिय सहभागिता निभाई और दान के महत्व को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। रैली का मुख्य उद्देश्य समुदाय को प्रेरित करना था कि एक दाता अनेक जीवन बचा सकता है। इस कार्यक्रम को समुदाय एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के स्वास्थ्यकर्मियों से सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई।

रासेयो छात्रा इकाई ने लगाया सात दिवसीय विशेष शिविर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पीडी अंजुमन इस्लामिया महिला महाविद्यालय गोहलपुर जबलपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना छात्रा इकाई द्वारा ग्राम खजरी खिरिया बायपास चौक में 10 फरवरी से 16 फरवरी तक 7 दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर प्राचार्य डॉ. शबाना अंजुम के निर्देशन तथा राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी रेशमा शेख के मार्गदर्शन में तथा सहायक प्राध्यापक राशिदा तबस्सुम के सहयोग से आयोजित किया गया। शिविर को रवानगी प्राचार्य डॉ. शबाना अंजुम के द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया।

संस्कारधानी की अतिथि स्वागत की परंपरा अद्वितीय: ओमप्रकाश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

संस्कारधानी की अतिथि स्वागत की परंपरा की प्रशंसा करते हुए म.प्र. तैलिक साहू महासभा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष ओमप्रकाश साहू ने जबलपुर प्रथम नगर आगमन पर कहा कि अतिथि देवो भव की परंपरा पूरे समाज को एक सूत्र में पिरोकर रखती है। संस्कारधानी का साहू समाज धार्मिक, सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक रूप से सुदृण होकर समूचे साहू समाज के विकास के लिए तत्पर है। आगामी समय में साहू समाज माँ कर्मा देवी के आशीर्वाद से फलीभूत होकर समाज कल्याण की दिशा में कार्यशील रहेगा और समाज को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में सफल होगा।

उन्होंने उक्त उदगार आभा साहू राष्ट्रीय अध्यक्ष तैलिक साहू महासभा (महिला विंग) के यादव कालोनी स्थित निवास में अपने स्वागत कार्यक्रम में व्यक्त किये। इस अवसर पर समाज के प्रबुद्ध और गणमान्य नागरिकों ने शॉल, श्रीफल, पुष्पमाला और पुष्प गुच्छ प्रदान कर उनका आत्मीय अभिनंदन किया। आभा साहू ने बताया कि साहू समाज महिलाओं के सभी संगठन आपके कुशल नेतृत्व में साहू समाज को संगठित करने में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। इस अवसर पर दीपक साहू, उदयभान साहू, उमेश साहू, ओज, प्रकाश साहू, प्रदीप साहू इंजीनियर, सुधीर साहू, धीरज साहू, सतीश साहू, अशोक साहू, दिलीप साहू, अनिल साहू, सुरेश साहू, आशीष साहू, रंजीत साहू, भानू साहू, श्रीमति नीतू साहू, शिल्पा साहू, विमला साहू, रंजना साहू, सरिता साहू, विमला दीदी, आराधना साहू, निधी साहू, मंजू साहू, सविता साहू, रेखा साहू, आकांक्षा साहू, पूर्वा साहू सहित सभी साहू संस्थाओं के पदाधिकारी और महिला नेत्रियां उपस्थित रहीं।

इटारसी, जबलपुर, कटनी एवं सतना स्टेशनों पर रुकेगी पुणे-दानापुर ट्रेन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रेलवे द्वारा आगामी त्यौहारों होली पर यात्रियों की सुविधा हेतु एवं उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से विभिन्न गंतव्यों के लिए विशेष किराये पर स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है। इसी कड़ी में मध्य रेल से प्रारंभ या टर्मिनेट होने वाली स्पेशल ट्रेन गाड़ी संख्या 01481/01482 पुणे-दानापुर-पुणे स्पेशल ट्रेन पश्चिम मध्य रेल से होकर अपने गंतव्य को जाएगी। पुणे से दानापुर स्पेशल ट्रेन 23 एवं 27 फरवरी 2026 एवं होली के अवसर पर 02 एवं 06 मार्च 2026 को पुणे स्टेशन से रात 19:55 बजे प्रस्थान कर इटारसी सुबह 11:15 बजे, जबलपुर 15:30 बजे, कटनी 16:50 बजे, सतना सायं 18:50 बजे पहुँचकर तीसरे दिन सुबह 08 बजे दानापुर पहुँचेगी। 01482 दानापुर से पुणे स्पेशल ट्रेन 25 फरवरी एवं 01 मार्च 2026 एवं होली पर 04 एवं 08 मार्च 2026 को दानापुर स्टेशन से प्रस्थान कर सतना 21:00 बजे, कटनी 22:35 बजे, पहुँचकर जबलपुर मध्यरात्रि 00:20 बजे, इटारसी 04:05 बजे और सायं 18:15 बजे पुणे स्टेशन पहुँचेगी।

अधिवक्ता की हत्या के विरोध में सौंपा ज्ञापन

सिहोरा (स्वतंत्र मत)।

शिवपुरी के अधिवक्ता संजय सक्सेना की कोर्ट जाते समय की गई जघन्य हत्या के विरोध में सिहोरा के समस्त अधिवक्ताओं ने ज्ञापन सौंपा। अधिवक्ताओं ने कहा कि दिन-दहाड़े हुई इस घटना ने प्रदेश की कानून व्यवस्था और अधिवक्ताओं की सुरक्षा पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है। न्याय प्रक्रिया में अपनी भूमिका निभाने वाले अधिवक्ता आज स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। इस घटना के विरोध में समस्त अधिवक्ताओं ने ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि प्रदेश में अधिवक्ताओं के विरुद्ध बढ़ती हिंसा और धमकियों को रोकने के लिए एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट को बिना किसी विलंब के लागू किया जाए। संजय सक्सेना के हत्यारों को चिह्नित कर उनके विरुद्ध फास्ट ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलाया जाए और उन्हें फांसी जैसी कठोरतम सजा दी जाए। मृतक के शोकाकुल परिवार को एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता एवं परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी प्रदान की जाए। अधिवक्ता समाज न्याय का प्रहरी है। यदि प्रहरियों पर ही हमले होंगे, तो आम नागरिक का कानून पर से विश्वास उठ जाएगा। ज्ञापन में कहा गया है कि इस विषय की गंभीरता को देखते हुए ठोस कदम उठाते हुए अतिशीघ्र एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू किया जावे यदि शीघ्र ही ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो अधिवक्ता वर्ग चरणबद्ध आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

छात्राओं को सिखाए आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के गुर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज एंड रिसर्च द्वारा 13 फरवरी को तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों हेतु आपदा प्रबंधन, विभिन्न प्रकार के खतरों एवं सर्पदंश से बचाव को लेकर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजित प्रथम प्रशिक्षण सत्र में कुल 20 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। सत्र के दौरान विद्यार्थियों को आपदा प्रबंधन, विभिन्न प्रकार की प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं, संभावित खतरों तथा सर्पदंश (स्नेक बाइट) के प्राथमिक उपचार एवं प्रबंधन के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। विषयों को सरल एवं व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से समझाया गया, जिससे विद्यार्थियों को अवधारणाएँ स्पष्ट रूप से समझ में आईं। सत्र में संवादात्मक चर्चा भी शामिल रही, जिससे विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हुई। यह प्रशिक्षण श्री क्रिस्टोफर, संतोष शर्मा एवं कैलाश सिंगर द्वारा संचालित किया गया। उनकी प्रभावी एवं प्रेरणादायक शिक्षण शैली ने विद्यार्थियों को विषय के प्रति जागरूक एवं संवेदनशील बनाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डिप्टी कलेक्टर रहे, जिनकी गरिमामयी उपस्थिति ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित एवं प्रेरित किया। यह सत्र विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ। विद्यार्थियों ने अपने अनुभव को सकारात्मक बताते हुए संतोष व्यक्त किया। प्रशिक्षण में छात्रा अंजली लालपुरी, वैश्नवी, वर्षा, सिमरन, मंजू, अक्षिता, प्रज्ञा, दीपशिखा, रागिनी, पूजा यादव, आदिति, निहार, पूर्वी, सूरज, बलवीर, सुहाना, पूजा कुशवाहा, प्रिया, संध्या, दीपा कोल उपस्थित रहीं।

छात्रों ने किया निर्माण परियोजनाओं का प्रदर्शन

आईआईआईटीडीएम में उद्यमिता और शिक्षाशास्त्र पर सीबीडीई बीपीसी कार्यशाला का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

डिजाइन और उद्यमिता पर क्षमता निर्माण (सीबीडीई), भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की एक विशिष्ट पहल है जो देश में उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच स्टार्टअप, नवाचार और इन्क्यूबेशन की संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ-साथ भारत में बौद्धिक संपदा अधिकार के पदचिह्न को बढ़ाने के लिए है। संस्थान ने कार्यक्रम की उपलब्धियों और चुनौतियों को समझने के लिए पहली राष्ट्रीय कार्यशाला की मेजबानी की। संस्थान ने 16 फरवरी 2026 को देश में अपनी तरह की पहली, दो दिवसीय व्यापक सर्वोत्तम प्रथाओं के समेकन (बीपीसी) कार्यशाला की मेजबानी की, जिसमें भारतीय प्रबंधन संस्थान, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान और भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान सहित भारत के प्रमुख संस्थानों के विभिन्न संकाय सदस्यों की सक्रिय भागीदारी देखी गई। नौ संस्थानों के प्रतिनिधियों ने इसमें भाग लिया। कार्यशाला में आईआईआईटीडीएम कांचीपुरम से कार्यक्रम समन्वयक डॉ. सुधीर वरदराजन, कार्यक्रम सलाहकार समिति के सदस्य डॉ. शंकर रमन, और विभिन्न संस्थानों से मार्गदर्शक जैसे डॉ. कैलाश गुप्ता, डॉ. राम सुब्रमण्यन और डॉ. निरंजना महाबलपा की उपस्थिति रही। 16-17 फरवरी के लिए निर्धारित कार्यशाला की शुरुआत प्रो. पुनीत टंडन, मुख्य अन्वेषक, सीबीडीई और कार्यशाला के समन्वयक के संबोधन से हुई, जिन्होंने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और संकाय सदस्यों के बीच खुले संवाद को प्रोत्साहित किया। प्रत्येक प्रतिभागी ने अपना परिचय दिया, सीबीडीई केंद्रों में मुख्य अन्वेषक या सह-मुख्य अन्वेषक के रूप में अपनी भूमिकाओं को उजागर किया, और कई ने अपने संबंधित संस्थानों में इन्क्यूबेशन केंद्रों का नेतृत्व करने और उद्यमिता पहलों का समर्थन करने के अपने अनुभव साझा किए। सम्मेलन कक्ष के बाहर एक प्रमुख आकर्षण आईआईआईटीडीएम जबलपुर के तीसरे वर्ष के छात्रों की डिज़ाइन और निर्माण परियोजनाओं का प्रदर्शन था, जो नवीन छात्र कार्य और सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक समाधानों और प्रारूपों में अनुवादित करने की संस्थागत क्षमताओं को प्रदर्शित करता था। कार्यशाला को उद्यमिता शिक्षा और शिक्षाशास्त्र में महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान करने के लिए डिज़ाइन किए गए दो गहन सत्रों के इर्द-गिर्द संरचित किया गया था। प्रथम सत्र जिसका शीर्षक 'महत्वपूर्ण पथ भ्रमण' था, में एक मौन अवलोकन अभ्यास शामिल था जहां प्रतिभागियों ने समयसीमाओं की समीक्षा की और साथियों के पोस्टर पर 'साझा रोडमैप गैलरी अड़चनों' को चिह्नित किया, इसके बाद उद्यमिता कार्यक्रमों को लागू करने में 'शीर्ष 3 परिचालन विफलताओं' की पहचान करने वाला एक सहयोगात्मक विश्लेषण किया गया। सत्र 2 में 'पाठ्यक्रम बनाम भूभाग' पर एक गोलमेज चर्चा आयोजित की गई, जो पारंपरिक व्याख्यान-आधारित शिक्षण से अनुभवात्मक 'करके सीखना' दृष्टिकोण में प्रतिमान बदलाव पर केंद्रित थी, जिसमें प्रतिभागियों ने पाठ्यक्रम से बाहर की सीखने की गतिविधियों को शामिल करने की चुनौतियों के प्रबंधन के लिए रणनीतियाँ साझा कीं।

पैनल डिस्कशन भी हुआ- कार्यशाला में पैनल डिस्कशन भी हुआ जहां संकाय सदस्यों ने शैक्षणिक नवाचारों और कार्यान्वयन चुनौतियों के बारे में स्पष्ट विचार-विमर्श में भाग लिया। प्रतिभागियों ने छात्र जुड़ाव के विभिन्न दृष्टिकोणों पर चर्चा की, जिसमें सैद्धांतिक पाठ्यक्रमों में वास्तविक जीवन के अनुप्रयोगों को एकीकृत करना, असाइनमेंट में कृत्रिम बुद्धिमत्ता उपकरणों का रचनात्मक उपयोग करना, डिज़ाइन चिंतन सिद्धांतों को शामिल करना, और परियोजना-आधारित शिक्षा के लिए विविध टीम संरचनाएं बनाना शामिल है।

किसानों को 5 एचपी तक का स्थाई विद्युत कनेक्शन मात्र 5 रुपये में

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी किसानों को पाँच हॉर्स पॉवर तक के ऑनलाइन स्थाई कृषि विद्युत कनेक्शन ढाई हजार रुपये के स्थान पर मात्र पाँच रुपये में रुपये में देगी। पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने किसानों को पाँच हॉर्स पॉवर तक स्थाई कृषि संयोजन के लिये आवेदन शुल्क को मात्र 5 रुपये निर्धारित किया है। यह सुविधा उन मामलों में दी जाएगी, जहां विद्युत लाइन विस्तार की आवश्यकता नहीं होगी। अधीक्षण अभियंता ग्रामीण ने बताया है कि मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने इस संबंध में सर्कुलर जारी कर दिया है। अब तक प्रचलित व्यवस्था में किसानों से ऑनलाइन आवेदन के लिए 2 हजार 500 रुपये पंजीयन शुल्क एवं सुरक्षा निधि जमा कराई जा रही थी। नवीन निर्णय के अंतर्गत किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह तय किया गया है कि उपभोक्ता द्वारा स्थापित सर्विस लाइन की सुरक्षा नियमों की जांच के उपरांत मात्र 5 रुपये शुल्क में आवेदन स्वीकार किया जाएगा, जबकि शेष सुरक्षा निधि की राशि प्रथम विद्युत बिल में समायोजित की जाएगी। अधीक्षण अभियंता ने बताया कि पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के किसानों को सिंचाई के लिए विद्युत सुविधा सरल, सुलभ एवं किफायती बनाना है। उन्होंने अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देशित किया है कि ऑनलाइन स्थाई कृषि पंप संयोजन जारी करने की कार्यवाही नियमानुसार शीघ्र पूर्ण की जाए, जिससे किसानों को समय पर लाभ मिल सके।

कार्यालय नगर पालिक निगम, जबलपुर (म.प्र.)

लोककर्म विभाग
निविदा आमंत्रण सूचना

N.I.T. No. /PWD/2025-26/04/E-tendering/PRO/855 Date 16/2/2026

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाये आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का विवरण	कार्य की समयावधि एवं लागत (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ईएमडी	निविदा की अंतिम तिथि
1	2025_UAD_ 482361_1 16/2/2026	संभाग क्रमांक-04 पं. बनारसी दास भनोत वार्ड अंतर्गत कुंज निकुंज कालोनी रोड के दोनों ओर कवर्ड नाली निर्माण, सीमेंटीकरण एवं चेकर्ड टाईल्स लगाने का कार्य। (पार्षद अनुशंसा)	03 माह 4.22	2,000/- 4230/-	5/3/2026
2	2025_UAD_ 482361_2 16/2/2026	संभाग क्रमांक-04 04 पं. बनारसी दास भनोत वार्ड अंतर्गत चंद्रिका परिसर से डॉ. साकेत भाटिया तक रोड के दोनों ओर कवर्ड नाली निर्माण कार्य। (पार्षद अनुशंसा)	03 माह 4.21	2,000/- 4220/-	5/3/2026

नोट-निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन www://www.mptenders gov.in की वेबसाइट में पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री
संभाग क्रमांक 4 नगर निगम, जबलपुर

कलेक्टर ने स्कूलों की ली सुध, अब बदलेंगी तस्वीर

आदिवासी क्षेत्र में शिक्षा पर जोर लगा रहा जिला प्रशासन, 20 स्कूल भवनों की मरम्मत स्वीकृत

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

जिले से नक्सवाद की दहशत खत्म होते ही अब जिला प्रशासन उन आदिवासी क्षेत्र में स्कूलों की कायाकल्प सुधार करने के साथ ही शिक्षा व्यवस्था पर जोर देने में जुट गया है। वैसे तो बालाघाट जिला आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है, इन इलाकों में ऐसे कई स्कूल हैं, जहां बच्चे पढ़ाई से ज्यादा डर और असुविधा के माहौल में बैठने को मजबूर थे। कहीं छत टपकती थी, कहीं दीवारों में दरारें थीं, तो कहीं फर्श उखड़ा हुआ था। अब इन हालात में बदलाव की शुरुआत हुई है। कलेक्टर मृणाल मीना ने आदिवासी अंचलों की स्कूल व्यवस्था को दुरूस्थ करने के लिए प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना के तहत बैहर और बिरसा जनपद के 20 जर्जर स्कूल भवनों की मरम्मत को प्रशासकीय स्वीकृति दी है और अब इन भवनों को दुरुस्त किया जा रहा हैं। जिससे की स्कूल की ओर बच्चों का रूख बड़े और पढ़-लिख कर बच्चे आगे बड़े।

बरसात में रखनी पड़ती थीं बाल्टियां- बिरसा और बैहर जनपद के कई स्कूलों की हालत ऐसी थी कि बरसात शुरू होते ही कक्षाओं में बाल्टियां रखनी पड़ती थीं। छत से टपकता पानी, भीगी दीवारें और फर्श पर जमा नमी के बीच बच्चों के लिए पढ़ाई से ज्यादा चुनौती सुरक्षित बैठना बन जाता था। कई स्कूलों में खिड़की-दरवाजे टूटे होने से पशु तक अंदर आ जाते थे। गर्मी के दिनों में टीन की छत के नीचे बैठकर पढ़ाई करना किसी परीक्षा से कम नहीं था। बैहर क्षेत्र में भी हालात कुछ अलग नहीं थे- प्लास्टर झड़ चुका था, दीवारों में गहरी दरारें थीं और कई जगह शौचालय व पेयजल की व्यवस्था भी दुरुस्त नहीं थी। शिक्षकों और अभिभावकों को हर दिन इस बात की चिंता रहती थी कि कहीं जर्जर भवन किसी हादसे का कारण न बन जाए।

बिरसा और बैहर के स्कूलों के लिए राशि स्वीकृत- अब प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना के तहत बिरसा के 10 स्कूलों के लिए 12 लाख 50 हजार रुपए और बैहर के 10 स्कूलों के लिए 12 लाख 46 हजार रुपए स्वीकृत किए गए हैं। प्रति स्कूल लगभग सवा लाख रुपए की राशि से छत, दीवार, फर्श और अन्य बुनियादी ढांचे को दुरुस्त किया जाएगा, ताकि बच्चों को सुरक्षित और बेहतर माहौल में पढ़ाई का अवसर मिल सके।

इनका कहना हैं

प्राइमरी और मिडिल स्कूलों की मरम्मत का कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराया जा रहा है। अक्सर मीडिया के माध्यम से जर्जर भवन, टपकती छत और गिरते प्लास्टर की खबरें सामने आती थीं, जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही थी। इन समस्याओं को ध्यान में रखते हुए यह कार्य शुरू किया गया है। मरम्मत कार्य की निगरानी सीईओ और एसडीएम स्तर से की जाएगी, ताकि गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके।

मृणाल मीना
कलेक्टर,बालाघाट

नागपुर जाने घर से निकले शख्स की कुएं में मिली लाश

कटंगी(स्वतंत्र मत)

नागपुर में रोजी-रोटी कमाने के लिए जा रहे एक 51 वर्षीय शख्स की घर से करीब 01 किमी दूर कुएं से लाश बरामद की गई है। लाश मिलने के बाद पूरे गांव में हड़कंप मच गया। घटना कटंगी थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम जाम निवासी दिलीप पिता चुन्नीलाल समरिते की है। कटंगी पुलिस ने शव बरामद कर शव का पीएम कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया, पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच विवेचना शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, मृतक के पुत्र प्रवीण ने पुलिस को बताया कि उसके पिता 16 फरवरी सोमवार की सुबह करीब साड़े 5 बजे घर से नागपुर जाने के लिए निकले थे। ट्रेन का वक्त होने के बाद जब उन्होंने अपने पिता से फोन पर संपर्क किया तो लगातार रिंग जाने के बावजूद पिता ने फोन नहीं उठाया। शुरुआत में पिता के फोन ना उठाने को परिवार के सभी लोगों ने नजरअंदाज किया लेकिन जब 8 बजे के बाद भी उन्होंने फोन नहीं उठाया तो पिता की चिंता सताने लगी और परिजनों ने अपने नाते रिश्तेदारी में उनके बारे में पता लगाना शुरू किया। सुबह 9 बजे परिजन उनकी तलाश में लखनवाड़ा रेलवे स्टेशन गए जहां तमाम लोगों से पूछताछ की लेकिन किसी ने भी दिलीप को स्टेशन में नहीं देखा। प्रवीण बताते है कि ऐसे में घर से स्टेशन के बीच के सभी नाले और कुएं में उनकी तलाश की गई। लखनवाड़ा से जाम घर आते वक्त नोमेश्वर बिसेन के खेत के पास पिता के फोन की रिंग की आवाज सुनाई दी तब खेत के कुएं में तलाश की सुबह साढ़े 10 लाश मिली तब पुलिस को सूचना दी। मृतक के पुत्र को संदेह है कि शायद पिता खेत की तरफ लखोरी या चना तोड़ने के लिए गए होंगे जहां पैर फिसलने से कुएं में गिरने से उनकी मौत हो गई। दिलीप की मौत पर परिजनों को किसी तरह का कोई संदेह नहीं है।

कोतवाली पुलिस ने अवैध गांजा के साथ आरोपी को किया गिरफ्तार

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

पुलिस अधीक्षक बालाघाट द्वारा शहर में नशामुक्ति अभियान अंतर्गत अवैध मादक पदार्थों के विक्रय, परिवहन एवं संग्रहण में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया है। उक्त निर्देशों के पालन में थाना कोतवाली पुलिस द्वारा कार्यवाही की गई है।

15 फरवरी को महाशिवरात्रि पर्व पर थाना कोतवाली पुलिस द्वारा बस स्टैंड, अवन्ती बाई चौक, भटेरा खैरी, कुम्हारी स्थित शिव मंदिर एवं अन्य धार्मिक स्थलों में सुरक्षा व्यवस्था हेतु भ्रमण किया जा रहा था। इसी दौरान ग्राम धापेवाड़ा के आगे एक व्यक्ति काले रंग का बैग लेकर संदिग्ध अवस्था में जाता हुआ दिखा, जो पुलिस वाहन को देखकर मुख्य मार्ग छोड़कर जोधीटोला की ओर छुपते हुए जाने लगा। संदेह होने पर पुलिस टीम द्वारा उसका पीछा कर जोधीटोला मोबाइल टावर के पास रोका गया। पूछताछ में संतोषजनक जवाब न मिलने पर एनडीपीएस अधिनियम के तहत विधिवत कार्यवाही के दौरान तलाशी लेने पर आरोपी के पिट्ठू बैग से कुल 2.1 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा, जिसकी अनुमानित कीमत 40,000 रूपये बरामद हुआ। जिसे विधिवत जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

पंजीबद्ध अपराध आरोपी तेजराम वर्मा पिता मोहर सिंह वर्मा, निवासी घाट परासिया, छिंदवाड़ा के विरुद्ध थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 84/26 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। आरोपी का पूर्व में भी छिंदवाड़ा में एनडीपीएस के तहत मामला दर्ज है।

इस कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक कामेश धुमकेती के नेतृत्व में उपनिरीक्षक गौरव धुर्वे, प्रधान आरक्षक गजेन्द्र माटे, प्र आर. कमलेश, आरक्षक दीपक साकरकर, आरक्षक पदम उइके, आर जयपाल सिरसाम, आर शेखर बनोटे की मुख्य भूमिका रही।

सुधा शर्मा का रामेश्वरम तीर्थ यात्रा करने का सपना हो रहा है साकार

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना बनी सहारा

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

आस्था और उत्साह के वातावरण में बिरसा क्षेत्र की वरिष्ठ नागरिक श्रीमती सुधा शर्मा आगामी 19 फरवरी को रामेश्वरम-मदुरई की पावन तीर्थ यात्रा पर रवाना होंगी। उन्हें मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत इस यात्रा का लाभ प्राप्त हुआ है, जिससे उनके परिवार और क्षेत्रवासियों में हर्ष का माहौल है। इस यात्रा से सुधा शर्मा का वर्षो पुराना रामेश्वरम तीर्थ यात्रा करने का सपना साकार होने जा रहा है। इस सपने को साकार करने में मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना मददगार बन गई है।

यह विशेष तीर्थ ट्रेन 19 फरवरी को जबलपुर से रवाना होगी। बालाघाट जिले के लगभग 250 चयनित तीर्थ यात्री बालाघाट रेलवे स्टेशन से इस ट्रेन में सवार होंगे। श्रीमती सुधा शर्मा भी इन्हीं चयनित यात्रियों में शामिल हैं। दक्षिण भारत के प्रमुख तीर्थ स्थलों के दर्शन की उनकी वर्षों पुरानी इच्छा अब साकार होने जा रही है। यात्रा की समुचित व्यवस्थाओं एवं तीर्थयात्रियों की देखरेख के लिए अनुरक्षक दल की नियुक्ति की गई है, जो पूरी यात्रा के दौरान आवश्यक सहयोग प्रदान करेगा। उल्लेखनीय है कि रामेश्वरम-मदुरई तीर्थ यात्रा के लिए पात्र व्यक्तियों से 5 फरवरी 2026 तक आवेदन आमंत्रित किए गए थे। पात्रता परीक्षण के उपरांत जारी चयन सूची में श्रीमती सुधा शर्मा का नाम सम्मिलित किया गया।

इस अवसर पर श्रीमती सुधा शर्मा ने मध्यप्रदेश शासन एवं मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस योजना के माध्यम से उनकी वर्षों पुरानी मनोकामना पूर्ण हो रही है। उन्होंने इसे वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान और आध्यात्मिक संतोष से जुड़ी सराहनीय पहल बताया। परिजनों और क्षेत्रवासियों ने उन्हें शुभकामनाएँ देते हुए मंगलमय एवं सुरक्षित यात्रा की कामना की है। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना वरिष्ठ नागरिकों को नि:शुल्क तीर्थ यात्रा का अवसर प्रदान कर उनके जीवन में नई ऊर्जा, आस्था और संतोष का संचार कर रही है।

चंदिया हाइवे में खड़े ट्रक से टकराया कोयला लोड ट्राला..!

उमरिया (स्वतंत्रमत)

लगातार हो रहे सड़क दुर्घटनाओं ने शासन प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। खासकर हाइवे किनारे पर बने ढाबो में कतारबद्ध खड़े ट्रकों से दुर्घटनाओं की बढ़ोतरी हो रही हैं। सड़क सुरक्षा अभियान जागरूकता के बाबजूद दुर्घटनाओं में कमी नहीं आ रही हैं। जिले के चंदिया थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच-43 बाइपास पर रविवार 15 फरवरी की देर रात एक कोयला लदा ट्रक सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गया। हादसे में ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे सिर में गहरी चोटें आई हैं। जानकारी के अनुसार, एमपी-19-एचए-6580 क्रमांक का यह ट्रक उमरिया से कटनी की ओर कोयला लेकर जा रहा था। रात करीब 2 बजे बाइपास के पास चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और सामने खड़े ट्रक में जा घुसा। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक केबिन में फंस गया। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से चालक सूरज (निवासी दमोह) को क्षतिग्रस्त केबिन से बाहर निकाला गया। उसे तत्काल चंदिया अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद जिला अस्पताल उमरिया रेफर कर दिया गया। घायल चालक का इलाज जारी है। हादसे के बाद दुर्घटनाग्रस्त ट्रक सड़क पर ही खड़ा रहने से नेशनल हाईवे पर कुछ समये के लिए आवागमन प्रभावित हुआ। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यातायात को सुचारु कराया और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

उपचार के दौरान सडक हादसे मे घायल की मौत

उमरिया (स्वतंत्रमत)। उमरिया हाइवे स्थित राजवी ढाबा के पास हुए भीषण सड़क हादसे ने एक और परिवार की खुशियां छीन लीं।चंदिया के चतुर्वेदी मोहल्ला निवासी राजेन्द्र प्रसाद चतुर्वेदी उर्फ राजू चौबे ने रविवार की सुबह जबलपुर के नेशनल हॉस्पिटल में उपचार के दौरान अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से चंदिया नगर में शोक की लहर दौड़ गई है। गौरतलब है कि 3 फरवरी को राजवी ढाबा के समीप इंडिगो कार और मालवाहक वाहन के बीच जोरदार भिड़ंत हुई थी। टक्कर इतनी भीषण थी कि चंदिया निवासी अतुल अग्रवाल की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि राजेन्द्र प्रसाद चतुर्वेदी, सीपू अग्रवाल एवं पथरहटा निवासी राजेश जैसवाल गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिनका प्राथमिक उपचार कर जबलपुर रेफेर किया गया था। राजेन्द्र चतुर्वेदी की हालत अत्यंत नाजुक बनी हुई थी, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए जबलपुर रेफर किया गया था। कई दिनों तक जिंदगी और मौत से संघर्ष करने के बाद रविवार सुबह उन्होंने दम तोड़ दिया। वहीं इस हादसे में घायल सीपू अग्रवाल और राजेश जैसवाल की हालत में सुधार होने पर उन्हें पूर्व में ही घर भेज दिया गया था।

राजश्री गुटखा की कालाबाजारी शुरू, तय दाम से अधिक वसूली से उपभोक्ता और छोटे दुकानदार परेशान..!

उमरिया (स्वतंत्र मत)

जिले में राजश्री गुटखा के अवैध मुनाफे और कालाबाजारी का खेल खुलेआम चल रहा है। सूत्रों के मुताबिक, उमरिया के कुछ बड़े व्यापारी और एजेंसी मालिक शासन के नियमों को ताक पर रखकर निर्धारित मूल्य से कहीं अधिक दामों पर गुटखा बेच रहे हैं। इस अवैध वसूली के पीछे बजट में जीएसटी में 40त्न वृद्धि का हवाला दिया जा रहा है, जिसकी आड़ में एजेंसी मालिक दुकानदारों से मोटी रकम वसूल रहे हैं। प्रशासनिक निगरानी के अभाव में फल-फूल रहे इस काले कारोबार से आम उपभोक्ताओं में भारी रोष है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि खाद्य विभाग की निष्क्रियता के चलते कालाबाजारी करने वालों के हौसले बुलंद हैं। जनता ने कलेक्टर और संबंधित विभाग से मांग की है कि इस सिंडिकेट की जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि आम जनता को हो रही इस लूट पर अंकुश लग सके। वही एक स्थानीय दुकानदार ने बताया, हमें निर्धारित मूल्य से अधिक दाम पर गुटखा खरीदना पड़ रहा है, जिससे हमारा मुनाफा कम हो रहा है। अगर हम निर्धारित मूल्य पर गुटखा बेचते हैं तो एजेंसी मालिक हमें गुटखा देना बंद कर देते हैं। एक उपभोक्ता ने बताया, मैंने हाल ही में एक गुटखा पैकेट खरीदा था, जिसकी कीमत 10 रुपये होनी चाहिए थी, लेकिन मुझसे 15 रुपये लिए गए।

जब मैंने दुकानदार से इसकी शिकायत की तो उन्होंने बताया कि एजेंसी मालिक ने उन्हें ऐसा करने का निर्देश दिया है। वही 20 वाली राजश्री गुटखा 25 का और 40 वाला 45 का बेचा जा रहा है जबकि प्रिंट रेट पुराना ही हैं। अब तो राजश्री गुटखा प्रेमी बहुत परेशान हैं जो उनके मुख की शान को सरकार अपने फायदे के लिए कम करने पर तुली हुई हैं...!

जिला अधिवक्ता संघ उमरिया ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

उमरिया (स्वतंत्रमत)

शिवपुरी जिले के करेरा के अधिवक्ता संजय सक्सेना की गोली मार कर हत्या के विरोध में मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद जबलपुर द्वारा पूरे पूरे प्रदेश सहित सोमवार 16 फरवरी को जिले उमरिया के जिला अधिवक्ता संघ उमरिया मप्र द्वारा वक्तलत कार्य से पृथक रह कर प्रतिवाद दिवस मनाया और मुख्यमंत्री मप्र के नाम का ज्ञापन कलेक्टर उमरिया को सौंपा जिसमें तत्काल प्रदेश के वकीलों के हितों को ध्यान में रखते हुए तत्काल प्रदेश में एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू हो। ज्ञापन में मुख्य रूप से जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष पुष्पराज सिंह उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह. सचिव सुखबदन. राजीव सिंह कोषाध्यक्ष रामकृष्ण उपाध्याय अधिवक्ता रिजवान अहमद सिद्दीकी देवानंद सहदेव देव बहादुर सिंह तरुण कुमार पांडे, डी पी सिंह,ओंकार प्रसाद तिवारी वेंकटेश पुरी गोस्वामी राकेश गुप्ता धंसाह यादव, विवेक तिवारी संदीप शर्मा भोलाराम यादव से इजरायल भास्कर द्विवेदी कौशल सिंह राणा अनिल सिंह अशोक सिंह रविकांत शर्मा भीष्म सिंह विनय सोनी आशीष सिंह,लालमणि यादव इंद्रजीत सिंह दिनेश सिंह, श्रेयश सिंह, सुषमा मिश्रा, सुरेश रजक अजय कुमार गुप्ता, हर्ष सिंह परिहार, अजय कुमार मिश्रा, मुखियार खान, प्रवीण पाण्डेय, शिवम रजक, अशोक रजक, निहाल त्रिपाठी, नाबार्ड राय, संजय वाधवानी, पुरुषोत्तम राय, शेख कयूम, सहित भरी संख्या में अधिवक्ता गण उपस्थित रहे।

करंट लगने से युवक की मौत

उमरिया (स्वतंत्रमत)। चंदिया थाना अंतर्गत हाइवे पर मौजूद भारती रेस्टोरेंट के आगे खेत पर करंट क़ी चपेट में आने से स्थानीय युवक की मौत हो गई है, वही तड़पते युवक को बचाने गया पड़ोसी भी घायल बताया जा रहा है। मृतक की पहचान राहुल पिता मुन्ना कुशवाहा उम्र 17 वर्ष वार्ड क्रमांक 01 बताया जा रहा है,वही घायल की पहचान राघवेंद्र कुशवाहा उम्र 56 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 1 चंदिया बताया जा रहा है। बताया जाता है कि मृतक अपनी गाड़ी वाश कर रहा था, इसी बीच बिजली चली गई, युवक सामान्य हो गया, बाद में अचानक बिजली आ गई,जिस वजह से युवक करेंट की चपेट में आ गया और उसकी घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गई। ये पूरी घटना सोमवार 16 फरवरी दोपहर 2 बजे के करीब की बताई जा रही है। घटना के बाद घायल युवक को चंदिया अस्पताल लाया गया है,जहाँ उसका इलाज किया जा रहा है।

जिला स्तरीय पोषण समिति की बैठक संपन्न

उमरिया (स्वतंत्रमत)

सोमवार 16 फरवरी को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में जिला स्तरीय पोषण समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में आभा आईडी, सक्षम आंगनबाडी, ऐसे सक्षम आंगनबाडी केंद्र जहां पर बिजली की उपलब्धता के बावजूद बिजली चालू नही है, सक्षम आंगनबाडी केंद्रो में जल जीवन मिशन लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय व्दारा टंकी एवं नल कनेक्शन की स्थिति, आंगनबाडी केंद्रों में बिजली व्यवस्था, पीएचई विभाग व्दारा आंगनवाड़ी केंद्रो पर नल जल व्यवस्था,नवीन चिन्हित गंभीर कुपोशित बच्चो की स्थिति, संपर्क ऐप में पंजीकृत हितग्राही का समग्र सत्यापन, फेस रिकग्निशन सिस्टम की प्रगति, टीएचआर वितरण की समीक्षा की। सीईओ जिला पंचायत ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग को आंगनबाडी केंद्रो में पानी की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। संपर्क ऐप में पंजीकृत हितग्राही का समग्र सत्यापन की समीक्षा के दौरान अपेक्षाकृत प्रगति कम पाई गई। जिस पर उन्होने नाराजगी प्रकट करते हुए सीडीपीओ से कहा कि सेक्टर स्तर पर बैठक आयोजित करते हुए कार्य पर प्रगति लाए। उन्होने कहा कि जिले में आने वाले टीएचआर की सूचना संबंधित क्षेत्र के एसडीएम अथवा तहसीलदार को देना सुनिश्चित करें। सुपरवाईजरों से कहा कि आंगनबाडी केंद्रो में आने वाले बच्चों को सुबह का नाश्ता एवं दोपहर का भोजन मीनू के अनुसार वितरित किया जाए। बैठक में अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता ,एसडीएम बांधवगढ अंबिकेश प्रताप सिंह, एसडीएम मानपुर हरनीत कौर कलसी, एसडीएम पाली मीनाक्षी इंगले, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग दिव्या गुप्ता, परियोजना अधिकारी उमरिया, पाली, मानपुर सहित सुपरवाईजर उपस्थित रहे।

सीईओ जिला पंचायत की अध्यक्षता में जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक संपन्न

उमरिया (स्वतंत्रमत)। सोमवार 16 फरवरी को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक संपन्न हुई। जिला खनिज अधिकारी डा विद्याकांत तिवारी ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 मे माह अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 तक के लिए 80.93 करोड रूपये का लक्ष्य प्राप्त हुआ था, जिसमें से 41.74 करोड रूपये कि राशि वसूल कर ली गई है। इसी तरह जिले में खनिजो के अवैध उत्खनन, परिवहन, भंडारण की समीक्षा की गई जिस पर बताया गया कि अवैध उत्खनन के 36 प्रकरणों का निराकरण 14.40 लाख रूपये, अवैध परिवहन के 110 प्रकरणो में से 83 का निराकरण कर 43.01 लाख रूपये तथा अवैध भंडारण के 4 प्रकरणो मे से 2 प्रकरणों का निराकरण कर 0.58 लाख रूपये की वसूली की गई है।

टीएल में कलेक्टर के निर्देश

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिला मुख्यालय स्थित जिला योजना भवन में आयोजित साप्ताहिक टीएल बैठक में कलेक्टर ने विभिन्न विभागों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं का क्रियान्वयन पूरी गंभीरता और समय सीमा में किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि संकल्प से समाधान अभियान का दूसरा चरण प्रारंभ हो चुका है। ऐसे में प्रथम चरण में प्राप्त सभी आवेदनों का शीघ्र और संतोषजनक निराकरण किया जाए। जिला आपूर्ति अधिकारी श्री संतराम भलावी ने बताया कि रबी विपणन वर्ष 2026-27 के लिए किसान पंजीयन 7 मार्च तक किया जाएगा। जिले में कुल 36 पंजीयन केंद्र निर्धारित किए गए हैं जहां किसान अपना पंजीयन करा सकेंगे।

स्वास्थ्य समिति बैठक आज

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक 17 फरवरी को जिला योजना भवन में दोपहर 3 बजे से आयोजित की गई है। बैठक में क्षय निर्मूलन कार्यक्रम, राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन, मातृ स्वास्थ्य, शिशु स्वास्थ्य, आशा कार्यक्रम, एनसीडी कार्यक्रम, एमपी औषधी तथा आरोग्यम् मण्डला 2.0 की समीक्षा की जायेगी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने समस्त कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया है।

ग्राम पंचायत में शिविर 18 को

मण्डला(स्वतंत्रमत)। संकल्प से समाधान विशेष अभियान के अंतर्गत 18 फरवरी को 7 कलस्टर ग्राम पंचायतों में शिविर लगाया जायेगा। 18 फरवरी को जनपद पंचायत नैनपुर के ग्राम सरांपिपरिया, जनपद पंचायत बिछिया के ग्राम औरई, जनपद पंचायत घुघरी के ग्राम लाटो, जनपद पंचायत मवई के ग्राम घुटास, जनपद पंचायत निवास के मनेरी, नारायणगंज के ग्राम मानेगांव, जनपद पंचायत बीजाडांडी के मानिकसरा में कलस्टर स्तरीय शिविर लगाया जायेगा इसी प्रकार 19 फरवरी को जनपद पंचायत मंडला के ग्राम मानादेई, जनपद पंचायत मोहगांव के ग्राम सिंगारपुर में शिविर लगाया जायेगा।

हितग्राहियों को बांटे स्वीकृति पत्र

मण्डला(स्वतंत्रमत)। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने और किसानों को बैंकिंग सेवाओं से सीधे जोड़ने के उद्देश्य से सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया शाखा द्वारा बैंक परिसर में मेगा कृषि ऋण आउटरीच अभियान का सफल आयोजन किया गया। साथ ही 13 शाखाओं में क्षेत्र स्तरीय विशेष शिविर का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत सीईओ शाश्वत सिंह मीना ने बैंक के इस प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए किसानों को समय पर वित्तीय सहायता मिलना अनिवार्य है। उन्होंने उपस्थित किसानों को बैंक की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाकर अपनी आय दोगुनी करने के लिए प्रोत्साहित किया।

साइबर अपराध पर जागरूकता

मण्डला(स्वतंत्र मत)। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार एवं पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के मार्गदर्शन में जिले के विभिन्न थाना एवं चौकी क्षेत्रों में माइक्रो बीट पुलिस चौपाल आयोजित कर ग्रामीण नागरिकों को हेलमेट अनिवार्यता, यातायात नियमों के पालन, नशा मुक्ति, साइबर अपराध से बचाव तथा महिला एवं बाल सुरक्षा के संबंध में व्यापक रूप से जागरूक किया गया। अभियान के अंतर्गत थाना घुघरी गरैया व खोड़ा खुदरा, थाना मोतीनाला लुटरा, थाना मवई अतरिया,थाना बीजाडांडी कालपी, थाना निवास चौदस एवं चौकी पिंडरई पुतरता, चौकी हिरदेनगर ओखट खपरी, चौकी चाबी ठेवा क्षेत्रों में पुलिस अधिकारियों द्वारा चौपाल लगाकर

लगातार तेंदुआ और बाघों की मौतों से पर्यटकों में आक्रोश

कान्हा नेशनल पार्क में लापरवाही का जंगल राज

मण्डला(स्वतंत्रमत)

देश विदेश में अपनी जैव विविधता और बाघों की सघन आबादी के लिए प्रसिद्ध कान्हा टाइगर रिजर्व एक बार फिर सवालों के घेरे में है। बीते एक वर्ष में कई बाघों और अन्य वन्यजीवों की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौतों ने संरक्षण व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न चिन्ह खड़ा कर दिया है। स्थानीय स्तर पर आरोप लग रहे हैं कि फील्ड भ्रमण और निगरानी में लापरवाही के कारण हालात बिगड़ते जा रहे हैं पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र और मध्यप्रदेश के पर्यटन की शान माने जाने वाले इस अभयारण्य में यदि इसी तरह वन्यजीवों की मौत का सिलसिला जारी रहा तो बाघों की संख्या पर सीधा असर पड़ सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि लगातार हो रही मौतें संरक्षण प्रबंधन समीक्षा की मांग कर रही हैं। 14 फरवरी को दलदला बीट कक्ष क्रमांक 729 एनीकट नाला बेंदीवारे वनमार्ग परिक्षेत्र सरही में एक घायल नर तेंदुआ मिलने से हड़कंप मच गया सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया और तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया पशु चिकित्सा अधिकारी कान्हा भुआ बिछिया तथा जबलपुर स्थित स्कूल ऑफ वाइल्ड लाइफ फॉरेंसिक एंड हेल्थ की टीम मौके पर पहुंची घायल तेंदुए का प्राथमिक उपचार किया गया लेकिन मुक्की अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही

उसकी मौत हो गई 15 फरवरी को एनटीसीए नई दिल्ली एवं मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक भोपाल द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुरूप पोस्टमार्टम कराया गया डॉ.अमोल रोकड़े, डॉ. दीपाली परते एवं डॉ. विशाल उद्दे की टीम ने परीक्षण किया प्राथमिक जांच में तेंदुए के सभी अंग सुरक्षित पाए गए और प्रथम दृष्टया मौत स्वाभाविक प्रतीत होने की बात कही गई है नियमानुसार एसओपी का पालन करते हुए शवदाह किया गया पूरी कार्यवाही की फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी भी कराई गई। हालांकि प्रशासन ने त्वरित कार्यवाही का दावा किया है लेकिन लगातार हो रही वन्यजीव मौतों को लेकर क्षेत्र में असंतोष व्याप्त है। संरक्षण विशेषज्ञों का कहना है कि नियमित गश्त और फील्ड निरीक्षण की सख्त जरूरत है बीट स्तर पर जवाबदेही तय हो हर मौत की स्वतंत्र जांच कराई जाए पारदर्शिता के लिए रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए कान्हा केवल एक अभयारण्य नहीं बल्कि भारत की वन्य धरोहर का प्रतीक है। यहां का प्रत्येक बाघ और तेंदुआ न केवल पारिस्थितिकी संतुलन का आधार है बल्कि पर्यटन अर्थव्यवस्था की रीढ़ भी है यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो टाइगर स्टेट मध्यप्रदेश की साख पर भी असर पड़ सकता है अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि प्रबंधन व्यवस्था में सुधार के लिए क्या ठोस निर्णय लिए जाते हैं। वहीं मध्यप्रदेश में बाघों की बढ़ती मौतें अब सिर्फ आंकड़ा नहीं रहीं बल्कि सरकार और वन प्रबंधन पर सीधा सवाल बन चुकी हैं जिले की पहचान कहे जाने वाला कान्हा नेशनल पार्क जो कभी बाघों के सुरक्षित गढ़ के रूप में जाना जाता था आज बाघ और तेंदुओं की मौतों को लेकर सुर्खियों में है देश विदेश से पर्यटक इस उम्मीद में कान्हा आते हैं कि उन्हें जंगल के राजा के दीदार होंगे लेकिन यहां पहुंचकर उन्हें निराशा और गुस्सा दोनों हाथ लग रहे हैं। पर्यटकों का साफ कहना है बाघ दिखना तो दूर यहां तो बाघों की मौत हो रही हैं और जिम्मेदार मौन हैं। पर्यटकों से बात की तो नाराजगी खुलकर सामने आई लोगों का आरोप है कि कान्हा में न तो पर्याप्त गश्त हो रही है न ही निगरानी और यही लापरवाही बाघों की मौत की सबसे बड़ी वजह बन रही है। पर्यटकों का कहना है कि वन प्रबंधन और सरकार दोनों अपनी जिम्मेदारी से भागते नजर आ रहे हैं। अगर आंकड़ों की बात करें तो तस्वीर और भी डरावनी है साल 2025 में करीब 9 बाघों की मौत और 2026 की शुरुआत होते ही एक और बाघ की जान चली गई यानी सिर्फ एक साल में 10 बाघों की मौत जिसने कान्हा प्रबंधन पर बड़ा और गंभीर सवाल खड़ा कर दिया है मध्यप्रदेश के हृदय में स्थित कान्हा राष्ट्रीय उद्यान लगभग 362 वर्ग मील में फैला देश के सबसे प्रसिद्ध और सुव्यवस्थित उद्यानों में गिना जाता है। लेकिन आज यही उद्यान बाघों की सुरक्षा को लेकर सवालों के घेरे में है और जब भी कान्हा प्रबंधन से मीडिया बाघों की मौत को लेकर सवाल करती है तो जवाब हर बार एक-सा रटा-रटाया और जिम्मेदारी से बचने वाला होता है की बाघों की मौत आपसी संघर्ष में हुई है लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या हर बार बाघ सिर्फ आपस में ही लड़कर मौत हो जाती है? क्या 10 बाघों की मौत सिर्फ एक संयोग है और अगर यह आपसी संघर्ष है तो फिर निगरानी मॉनिटरिंग और गश्त कहां थी वन्यजीव विशेषज्ञों का मानना है कि अगर किसी क्षेत्र में बार-बार बाघों के बीच संघर्ष हो रहा है तो यह प्रबंधन की विफलता का संकेत होता है इलाके का सही जोनिंग न होना बाघों की मूवमेंट पर नजर न रखना और समय रहते हस्तक्षेप न करना ये सब सीधे तौर पर लापरवाही को उजागर करता है। स्थानीय लोगों और पर्यटकों का कहना है कि आपसी संघर्ष का बहाना बनाकर हर मौत को फाइलों में दबा दिया जाता है। न कोई स्वतंत्र जांच, न कोई जवाबदेही, और न ही भविष्य के लिए कोई ठोस योजना सवाल अब सिर्फ बाघ और तेंदुओं की मौत का नहीं सवाल है सिस्टम की चुप्पी का जो हर बार एक ही जवाब देकर अपने कर्तव्यों से पल्ला झाड़ लेता है। अगर यही रवैया रहा तो आने वाले समय में कान्हा में बाघों का नहीं बल्कि लापरवाही का राज चलेगा।

छात्रों ने किया वनधन केंद्र भ्रमण

मण्डला/अंजनिया(स्वतंत्रमत)

शासकीय महाविद्यालय अंजनिया के बीए अंतिम वर्ष के राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस के छात्र-छात्राओं ने परिक्षेत्र जगमण्डल अंतर्गत संचालित प्रधानमंत्री वनधन विकास केंद्र अंजनिया का शैक्षणिक भ्रमण किया इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को वनोपज आधारित स्वरोजगार प्रसंस्करण तकनीक एवं विपणन प्रणाली की व्यवहारिक जानकारी प्रदान करना रहा भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को वनों से संग्रहित विभिन्न लघु वनोपज जैसे हर्रा, बहेड़ा, आंवला, वनीय शहद तथा मोटे अनाज कोदो एवं कुटकी के संग्रहण, प्रोसेसिंग, प्रसंस्करण, पैकेजिंग एवं मार्केटिंग की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार किए जा

रहे अचार एवं अन्य वन उत्पादों की निर्माण प्रक्रिया से भी अवगत कराया गया परिक्षेत्र अधिकारी जगमण्डल श्रीमती लतिका तिवारी उपाध्याय वन क्षेत्रपाल ने विद्यार्थियों को वन उत्पादों से होने वाले औषधीय एवं आर्थिक लाभों की जानकारी देते हुए बताया कि लघु वनोपज जनजातीय समुदायों की आजीविका का महत्वपूर्ण आधार है। वनधन केंद्र प्रभारी बालसिंह ठाकुर ने विद्यार्थियों को वन धन व्यापार की संपूर्ण प्रक्रिया कच्चे माल के संग्रहण से लेकर प्रसंस्करण, पैकेजिंग और विपणन तक की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री वन धन योजना के माध्यम से जनजातीय समूह आत्मनिर्भर बन रहे हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. नवीन कुमार हरदहा, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुरेन्द्र लिल्हारे एवं डॉ. घनश्याम झरिया भी प्रसंस्करण केंद्र में उपस्थित रहे।

अवतरण का महापर्व महाशिवरात्रि

मण्डला(स्वतंत्रमत)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के द्वारा 90 वीं त्रिमूर्ति शिव जयन्ती के उपलक्ष्य पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया यह कार्यक्रम मुख्य सेवाकेंद्र बस स्टैंड के पीछे स्थित विश्व शांति भवन में किया गया। सेंटर में ब्रह्माकुमार भाई बहनें आकर योग तपस्या किया उसके बाद सभी ने परमपिता परमात्मा शिव के महावाक्य सुने भोलेनाथ शिव बाबा को भोग लगाया केक कटिंग किया गया इस कार्यक्रम में जिला संचालिका राज योगिनी ब्रह्माकुमारी ममता, सेवाकेंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी ओमलता, नैनपुर सेवा केंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी लक्ष्मी बहन, निवास सेवाकेंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी शिवकुमारी बहन, रामकृष्ण सेवाश्रम के संचालक सारदात्मानन्द स्वामी, मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक डिंडोरी बालाघाट के प्रबंधक भ्राता सुरेश परस्ते एवं ब्रह्मा कुमार भाई बहनें उपस्थित रहे।

अधिवक्ता सुरक्षा कानून लागू करने मांग

मण्डला(स्वतंत्रमत)

जिला अधिवक्ता संघ ने सोमवार को प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है ज्ञापन में प्रदेश में अधिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट को तत्काल लागू किए जाने मांग की गई। जिला अधिवक्ता संघ के अधिवक्ता जिला सत्र न्यायालय परिसर से रैली के रूप में निकलकर कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे। अधिवक्ताओं ने एकजुट होकर शासन-प्रशासन के समक्ष अपनी मांगें रखीं और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की अधिवक्ताओं ने बताया कि करैरा में अधिवक्ता संजय कुमार सक्सेना की नृशंस हत्या की घटना ने पूरे प्रदेश के अधिवक्ता समुदाय को झकझोर दिया है इस घटना को अधिवक्ता समुदाय एवं न्यायपालिका पर सीधा

हमला बताया गया। अधिवक्ताओं का कहना है कि वे प्रतिदिन न्यायालय में अपने पक्षकारों को न्याय दिलाने के लिए उपस्थित रहते हैं और कई बार आपराधिक तत्वों के विरुद्ध पैरवी करते हुए अपनी जान जोखिम में डालते हैं। संघ ने बताया कि राज्य अधिवक्ता परिषद के संदर्भित पत्र क्र.एसबी सी/एमपी/अधीक्षक/739/ 2026 दिनांक 15.02.2026 के माध्यम से पूरे प्रदेश में प्रतिवाद दिवस मनाते हुए एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने मांग की गई है। अधिवक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही ठोस कदम नहीं उठाए गए तो प्रदेशभर में आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

हिंदू सम्मेलन का हुआ आयोजन

मण्डला/बिछिया(स्वतंत्रमत)। प्रखंड जनपद क्षेत्र बिछिया के दानीटोला में हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्व हिन्दू परिषद के विभाग संगठन मंत्री अरविंद तिवारी मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के तैल्यचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं कन्या पूजन के साथ किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामवासियों वरिष्ठजनों मातृशक्तियों का तिलक वंदन से स्वागत किया गया हिन्दू सम्मेलन कार्यक्रम के महत्व पर

प्रकाश डालते हुए मुख्य वक्ता अरविंद तिवारी ने बताया कि प्राचीन समय में गोंड राजाओं द्वारा मूर्ति पूजा एवं मन्दिर निर्माण की श्रद्धापूर्वक गौरवशाली परम्परा रखी गई जिसके अंतर्गत बूढ़ी खेरमाई जबलपुर का लगभग 1500 वर्ष पुराना इतिहास गोंडवाना काल में गोंड जनजाति और उनके शासकों द्वारा स्थापित किया गया था जो इसे ग्राम देवी खेरदाई के रूप में पूजते थे। पौराणिक महत्व अनुसार कहा जाता है कि एक युद्ध में मुगल सेना से पराजित होने के बाद गोंड राजा ने यहां आराधना की और फिर से अपनी शक्ति प्राप्त कर विजय प्राप्त की। गोंडवाना राज्य में मन्दिर एवं मूर्ति परम्परा आदिकाल से चल रही है। महारानी दुर्गावती 16 वीं शताब्दी ने जबलपुर के पास मदन महल किले के निकट और बरेला की पहाड़ी पर दो शारदा मंदिरों का निर्माण करवाया था वे गढ़ा-मंडला राज्य की शासिका थी।

नैनपुर में महाशिवरात्रि पर्व श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ सम्पन्न

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

धार्मिक नगरी नैनपुर में महाशिवरात्रि का पावन पर्व अत्यंत श्रद्धा, उत्साह और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। प्रातःकाल से ही नगर के विभिन्न शिवालयों में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। वातावरण हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष से गुंजायमान रहा।महाशिवरात्रि के पर्व पर शिवभक्तों ने अपने अपने तरीके से भूतभावन भगवान भोलेनाथ को रिझाने का प्रयास किया। रक दिन पूर्व से ही नगर के शिवालयों को सजाया संवारा गया था। इस अवसर पर श्रद्धालु कांवरिये मंडला से पवित्र नर्मदा जी का जल लेकर अलग-अलग जत्थों में नैनपुर पहुंचे।

कांवरियें ने नगर के प्रमुख शिव मंदिरों में नर्मदा जल से विधिवत जलाभिषेक कर भगवान शिव का पूजन-अर्चन किया। दिनभर मंदिरों में दर्शनार्थियों की चहल-पहल बनी रही। विशेष रूप से महिला भक्तों की संख्या उल्लेखनीय रही, जिन्होंने व्रत रखकर शिव परिवार की आराधना की। नगर के प्रमुख स्थल अवंति बाई चौक में भोलेनाथ की आकर्षक प्रतिमा रख कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। श्रद्धालुओं ने दीप प्रज्वलित कर सुख-समृद्धि और मंगलकामना की प्रार्थना की। महाशिवरात्रि के अवसर पर नगर के विभिन्न स्थानों पर भंडारों का आयोजन भी किया गया, जहां भक्तों ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। संपूर्ण नगर शिवमय वातावरण में सराबोर रहा और भक्तों की आस्था ने पर्व को भव्य स्वरूप प्रदान किया।

रेलवन ऐप से अनारक्षित टिकट बुकिंग हुई और भी किफायती

रेलवन ऐप से अनारक्षित टिकटों के डिजिटल भुगतान पर 3 फीसदी छूट

नैनपुर(स्वतंत्र मत)

यात्रियों की सुविधा में निरंतर वृद्धि, सेवा गुणवत्ता में सुधार तथा डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से रेलवे प्रशासन द्वारा एक नई एवं अत्याधुनिक मोबाइल एप्लीकेशन रेलवन शुरू की गई है। यह ऐप भारतीय रेल से जुड़ी विभिन्न सेवाओं को एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराते हुए यात्रियों के लिए एक वन-स्टॉप डिजिटल सॉल्यूशन के रूप में कार्य कर रही है। रेलवन ऐप के माध्यम से यात्री अनारक्षित टिकट बुकिंग सहित अनेक आवश्यक रेल सेवाओं का लाभ सरल, सुरक्षित एवं त्वरित रूप से प्राप्त कर रहे हैं। यात्रियों को डिजिटल माध्यम अपनाने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए रेलवे प्रशासन द्वारा रेलवन ऐप से अनारक्षित टिकट बुकिंग पर अतिरिक्त 3% छूट लाभ भी प्रदान किया जा रहा है। डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने के क्रम में रेलवन ऐप के माध्यम से सभी स्वीकृत डिजिटल भुगतान विकल्पों द्वारा अनारक्षित टिकट बुक करने पर यात्रियों को 3 प्रतिशत की छूट प्राप्त हो रही है 7 यह विशेष छूट 14 जनवरी 2026 से 14 जुलाई 2026 तक प्रभावी रहेगी 7 इस छूट का लाभ यूपीआई , फ़ोनपे, गूगल पे मोबाइल वॉलेट पेटीएम, नेट बैंकिंग, डेबिट/क्रेडिट कार्ड, भीम ऐप सहित सभी स्वीकृत डिजिटल भुगतान माध्यमों के माध्यम से रेलवन ऐप पर की गई अनारक्षित टिकट बुकिंग पर मिल रहा है 7 इस सुविधा की जानकारी अधिकाधिक यात्रियों तक पहुँचाने के उद्देश्य से मंडल के सभी प्रमुख स्टेशनों पर उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से तथा विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर रेलवन ऐप एवं उससे जुड़ी सुविधाओं की जानकारी नियमित रूप से प्रसारित की जा रही है, ताकि अधिक से अधिक यात्री इस सुविधा का लाभ उठा सकें। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक दिलीप सिंह ने बताया कि रेलवन ऐप यात्रियों के लिए एक आधुनिक, सुरक्षित और समग्र डिजिटल प्लेटफॉर्म है।

प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या

मण्डला/नारायणगंज(स्वतंत्रमत)

थाना टिकरिया क्षेत्र अंतर्गत 14 फरवरी को कूड़ामैली के पास मधुवन ढाबा समीप एक युवक का शव मिलने की सूचना प्राप्त हुई। मृतक की पहचान सुमित काछी निवासी जबलपुर के रूप में हुई। सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण कर थाना प्रभारी टिकरिया को आरोपियों जमुना उर्फ कविता सूर्यकांत की शीघ्र गिरफ्तारी निर्देशित किया गया वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी टिकरिया प्रदीप कुमार पांडेय के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई जांच के दौरान मृतक की पत्नी जमुना उर्फ कविता से पूछताछ की गई प्रारंभिक जांच में उसने लूट की झूठी कहानी बताई किन्तु सघन पूछताछ में खुलासा हुआ कि उसका पड़ोसी सूर्यकांत के साथ संबंध था मृतक द्वारा आपत्ति किए जाने पर दोनों ने मिलकर हत्या की साजिश रची योजना अनुसार 11 फरवरी की शाम मधुवन ढाबा के पास सूर्यकांत पहले से मौजूद था विवाद के दौरान उसने क्रिकेट बैट से सुमित पर हमला किया तत्पश्चात जमुना ने धारदार हथियार से वारकर हत्या कर दी घटना के बाद साक्ष्य

छुपाने का प्रयास किया गया तथा थाना में भ्रामक सूचना दी गई 13 फरवरी को मृतक के भाई द्वारा गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज कराने एवं संदेह व्यक्त करने पर पुलिस ने गहन जांच कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया प्रकरण में अग्रिम वैधानिक कार्यवाही जारी है। उनि पंकज विश्वकर्मा, महिला उनि मधु मरावी, सउनि टीकाराम भोयर, मुकेश चौरसिया, प्रधान आरक्षक अभिषेक मिश्रा, शिवकुमार मरावी, दीनदयाल गोठारिया, शेख सादिक मंसूरी, सालिक राम उइके, आरक्षक आशीष धुर्वे, प्रशांत बघेल, आशुतोष उपाध्याय, नेपाल सिंह, सीमा चौहान, सुरेश भटेरे उपस्थित रहे।

आम इश्तहार

दिनांक 16.02.2026

आम जनता को सूचित किया जाता है कि भारती बड़ोनिया पति कपिल बड़ोनिया, आयु 48 वर्ष, निवासी रानी अवंती बाई वार्ड मंडला, तह. व जिला मण्डला (म.प्र.) की निवासी है तथा उसकी पुत्री ईशा बड़ोनिया पिता कपिल बड़ोनिया का जन्म दिनांक 25.12.2008 को मण्डला, तह. व जिला मण्डला (म.प्र.) में कपिल बड़ोनिया के संसर्ग से हुआ है तथा वह मॉन्टफोर्ट हायर सेकेण्डरी स्कूल मण्डला में अध्ययनरत है जिसकी शाला अभिलेख/केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड में जन्मतिथि 28.12.2008 गलत रूप से दर्ज हो गई है जबकि उसकी सही वास्तविक जन्मतिथि 25.12.2008 है तथा ईशा बड़ोनिया द्वारा इस संबंध में शाला अभिलेख में सुधार कराने हेतु कार्यवाही की की है। अतः ईशा बड़ोनिया पिता कपिल बड़ोनिया, निवासी रानी अवंती बाई मण्डला, तह. व जिला मण्डला (म.प्र.) की जन्मतिथि 25.12.2008 मानी जावे।

(जी.के. अग्रवाल)
एडव्होकेट, मण्डला

संपादकीय

फिर पाक ने मुंह की खायी

टीम इंडिया ने एक बार फिर क्रिकेट वर्ल्ड कप के मुकाबले में पाकिस्तान को आसानी से पटखनी दे दी। इस जीत के साथ ही भारत ने पाकिस्तान को ये भी बता दिया कि मैदान पर जवाब प्रदर्शन से दिया जाता है। कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टीम इंडिया ने मैच के हर पहलू में पाकिस्तान को पीछे छोड़ दिया। लेकिन ये हार केवल पाकिस्तान के लिए एक मैच की हार तक सीमित नहीं है, बल्कि इस जीत से भारत ने पाकिस्तान की तमाम रणनीतियों, ड्रामेबाजी और प्लान की धज्जियां उड़ा दी।

दरअसल, इस मैच से पहले माहौल कुछ और था। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चीफ और गृहमंत्री मोहसिन नकवी की ओर से इस मैच का बायकॉट किया गया। पाकिस्तानी सरकार ने इसमें बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और बांग्लादेश को मोहरा बनाया। बीसीसीआई को बदनाम करने की नापाक साजिश रची। करीब दो हफ्ते तक पाकिस्तान ने ड्रामेबाजी की। लगातार बयानबाजी की। हालांकि, बाद में पाकिस्तान ने पलटी मारी और मैच खेलने के लिए राजी हो गया। इसके साथ ही पाकिस्तान ने उस्मान तारिक की मिस्ट्री स्पिन को लेकर भी बड़ा हाइप बनाया। कप्तान सलमान आगा ने उन्हें टीम का 'ट्रंप कार्ड' बताया था। लेकिन मैदान पर कहानी अलग निकली।

नकवी ने अपनी ड्रामेबाजी के जरिए इस मैच को सियासी संग्राम बनाया। कई देशों को साधने की कोशिश की। लेकिन नकवी की एक न चली और आखिरकार मैदान पर जब पाकिस्तान भारत के सामने आया तो हर बार की तरह एक बार फिर उसे धूल चाटनी पड़ी। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार ने मैच को शांत दिमाग से संभाला। शुरुआती झटके के बाद भारतीय बल्लेबाजों ने जल्दबाजी नहीं की। जोखिम भरे शॉट्स से बचते हुए टीम ने सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया। वहीं, जिस उस्मान तारिक को लेकर इतनी चर्चा थी, वह असर छोड़ने में नाकाम रहे। भारतीय बल्लेबाजों ने उन्हें संभलकर खेला और कोई बड़ा मौका नहीं दिया। उनकी मिस्ट्री गेंदबाजी भारत के खिलाफ बेअसर साबित हुई। जब पाकिस्तान लक्ष्य का पीछा करने उतरा तो भारतीय गेंदबाजों ने दबाव बनाए रखा। पावरप्ले में विकेट गिरे और पाकिस्तान संभल नहीं सका। बड़े शॉट खेलने की कोशिश में बल्लेबाज लगातार आउट होते गए।

भारत ने दिखाया कि बड़े मैच सिर्फ बयानबाजी से नहीं, बल्कि संयम और रणनीति से जीते जाते हैं। पाकिस्तान की तरफ से बनाए गए माइंडगेम मैदान पर टिक नहीं सके। मैच से पहले जो शोर था, वह मैदान पर शांत हो गया। न तो बायकॉट की चर्चा काम आई और न ही मिस्ट्री स्पिन का दांव। भारत ने एक बार फिर साबित किया कि दबाव में खेलने का अनुभव और मैच की समझ ही असली ताकत है। इस जीत के साथ टीम इंडिया ने टूर्नामेंट में अपनी स्थिति और मजबूत कर ली, जबकि पाकिस्तान के लिए यह हार कई सवाल छोड़ गई। भारत-पाकिस्तान मुकाबला हमेशा खास होता है, लेकिन इस बार संदेश साफ था-ड्रामा नहीं, प्रदर्शन मायने रखता है।

राजस्व घाटे के बहाने तैयार रणनीति

ज्योति मल्होत्रा

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री 16वें वित्त आयोग के कर्ता-धर्ताओं से राज्यों को दिए जाने वाला राजस्व घाटा अनुदान बंद करने और मितव्ययिता अपनाने वाले अपने उस फैसले पर पुनर्विचार के लिए गुहार लगाने दिल्ली गए थे, इस खबर से हंगामा मच गया। लोगों का पूछना वैध है कि अगर स्कूलों, बसों, अस्पतालों वगैरह के बजट में कटौती की जा रही है तो ऐसे में मंत्रियों और नौकरशाहों को फैंसी, नई कारों का इस्तेमाल करने की ज़रूरत क्यों है- देखा जाए तो, 'लाल बत्ती' का खुमार नई गाड़ियों की खरीद करने से नहीं रोकता। फिर, हिमाचल सरकार अपनी ही पार्टी की बनाई उस 'सुधार संहिता पुस्तिका' से सबक क्यों नहीं ले रही, जिसे 1991 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव ने लागू किया था, और जिसको बनाने में उस वक्त के वित्त मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह और वित्त सचिव मोंटेक सिंह आहलूवालिया ने अच्छी-खासी मदद की थी। इससे न केवल भारत को बदलने में मदद मिली बल्कि भारतीयों को दुनिया का सामना करने का आत्मविश्वास भी मिला। (लगता है कि सुक्खू ने कुछ नए उपाय सीखने के लिए पिछले दिनों पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम से मुलाकात की है)।

निश्चित तौर पर, 6,390 करोड़ रुपये के राजस्व घाटा, जो कि हिमाचल प्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद का 2.5 फीसदी बनता है, सुक्खू के लिए एक समस्या है। लेकिन ऐसा भी नहीं है कि राजस्व घाटे में रहने वाला केवल उनका राज्य ही एकमात्र है। न ही ऐसा है कि पैसा खर्च करना कोई बुरी बात है- लेकिन हम सब जानते हैं कि जरूरत से अधिक खर्च (जब तक कि यह आपको ऐसे कर्ज़ में न डाल दे जिसे आप चुका न पाएं) अर्थव्यवस्था चलाए रखने में मददगार होता है। इसीलिए यह मापने करने के लिए कितना कर्जदार आपका सूबा है, मुख्य पैमाना निरोल आकंड़े न देखकर, राज्य के सकल घरेलू उत्पाद के परिप्रेक्ष्य में राजस्व घाटे का प्रतिशत कितना है, यह देखना चाहिए।

तो पंजाब का अनुमानित राजस्व घाटा, जो 23,957 करोड़ रुपये है, जो कि सूबे के सकल घरेलू उत्पाद का 2.7 प्रतिशत बनता है, और यह काफी ज्यादा है। तमिलनाडु का राजस्व घाटा 41,635 करोड़ रुपये तो और भी ज़्यादा है, लेकिन यह राज्य के सकल घरेलू उत्पाद का महज 1.17 प्रतिशत है। केरल की मार्क्सवादी सरकार- जो अपने बजट का एक बड़ा हिस्सा सामाजिक भलाई योजनाओं में लगाती है और जिसकी आबादी पंजाब जितनी ही है, उसका राजस्व घाटा पंजाब के मुकाबले ज़्यादा है, 27,125 करोड़ रुपये, लेकिन सकल घरेलू उत्पाद के परिप्रेक्ष्य में राजस्व घाटा उससे कम है, यानी 1.9 फीसदी। वहीं दूसरी ओर, भारत के सबसे समृद्ध राज्यों में से एक कर्नाटक का राजस्व घाटा 19,262 करोड़ रुपये है, जो कि उसके सकल घरेलू उत्पाद के परिप्रेक्ष्य में महज 0.6 फीसदी बनता है।

आप तस्वीर साफ़ रूप में देखिए। छोटे से हिमाचल प्रदेश ने शिक्षा जैसे कुछ पैमानों पर अच्छा कर दिखाया है, लेकिन वह अपना खर्च पूरी तरह से अपने तौर पर चलाने के लिए पर्याप्त राजस्व नहीं जुटा पाता। दूसरी ओर, तमिलनाडु जैसे कहीं ज्यादा बड़ा सूबे, भले ही वे मुफ्त की रेवड़ियां बांटने में पैसा उड़ाते हों, यह सब करने का आरोप हिमाचल पर भी है, अपने बजट को काबू में रख पाते हैं क्योंकि बड़े पैमाने के निवेश इन्वेस्टमेंट बूते वे अपने खर्च को पूरा कर पाते हैं। असल में, तमिलनाडु, जहां एक साल के भीतर विधानसभा चुनाव होने हैं 2027 में, पंजाब और हिमाचल प्रदेश के साथ- उसने अपने राजस्व घाटे को और भी नीचे लाने का वादा किया है। दूसरी ओर, पंजाब और हिमाचल, दोनों के सामने खाली पड़ा खजाना मुंह बाए खड़ा है और उसे भरने के उपाय उनके पास कम ही हैं।

फिर भी, इसमें से कुछ अभी भी नया नहीं है। पिछले कुछ दिनों में जिस बात ने सच में सबको चौंका दिया है, वह जाने-माने अर्थशास्त्री अरविंद पनगढ़िया के नेतृत्व वाले 16वें वित्त द्वारा राजस्व घाटा अनुदान बंद करने की घोषणा न होकर बल्कि कुछ और ज़्यादा ज़रूरी बात है। वित्त आयोग ने एक बिल्कुल नया मापदंड जोड़कर केंद्र को प्राप्त कुल राजस्व में से राज्यों को दिए जाने वाले हिस्से का फार्मूला बदल डाला है, जो उनके बजट का 41 प्रतिशत तक हुआ करता था। अब से किसी राज्य को केंद्र से मिलने वाला धन की मात्रा इस बात पर निर्भर करेगी कि राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में उसका योगदान कितना रहा। यहां पर दो संदेश हैं। पहला, तमिलनाडु, कर्नाटक और महाराष्ट्र जैसे लचीले और निवेश-मित्र राज्यों को फायदा होगा; जबकि हिमाचल प्रदेश जैसे सूबे, जिनकी आय क्षमता सीमित है, उनको नुकसान होगा।

इसलिए, पहला सवाल यह है कि इसका केंद्र-राज्य संबंधों पर क्या असर पड़ेगा, जिनका बही-खाता अब तक पारंपरिक रूप से बराबरी और कमजोर तबके के लिए ज़्यादा उदारता भरी सोच रखने पर आधारित रहा है। नए फॉर्मूले के तहत, कमजोर तबके को खुद को घाटे से बाहर निकालने के लिए ज़्यादा मेहनत करनी होगी।

यह देखना दिलचस्प है कि हिमाचल को असल में 15वें वित्त आयोग की अपेक्षा 16वें वित्त आयोग से ज़्यादा धन मिला है। यानी जब श्रीमान सुक्खू शोर मचा रहे हैं कि उनके राज्य को पर्याप्त धन नहीं दिया गया, ऐसे में वित्त मंत्रालय के बाबुओं का यह कहना सही होगा 'नहीं, असल में हिमाचल के पास धन है' और यह कि कांग्रेस सरकार को अपने वित्तीय खर्चों का प्रबंधन बेहतर ढंग से करना सीखना चाहिए। (सनद रहे, हिमाचल में 2027 के आखिर में चुनाव हैं।) दूसरा संदेश भी उतना ही दिलचस्प है। अगले 12 महीनों में जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं, जैसे कि तमिलनाडु, असम, पंजाब, केरल और पश्चिम बंगाल, उनमें बंगाल को छोड़कर-उन्हें 15वें वित्त आयोग से मिले धन की बनिस्बत वर्तमान में अधिक हिस्सा मिला है। इनमें असम को छोड़, बाकी सब राज्यों में विपक्षी सरकारें हैं। चौंकाने वाली बात यह कि बड़े सूबे जैसे कि बिहार, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश, जहां भाजपा सरकारें हैं उन्हें पिछली बार की अपेक्षा इस बार कम धन मिला है। निरा संयोग या शुद्ध रणनीति? श्रीमान पनगढ़िया निस्संदेह, अधिक अर्थपूर्ण और कहीं कम फिजूलखर्च अर्थव्यवस्था के पक्ष में होंगे। उनका तर्क हो सकता है कि धन का कोई रंग नहीं होता, फिर क्या हुआ कि इनमें से कुछ राज्यों में विपक्षी दलों की सरकार है।

बात पते की

देख लो...ढिंढोरा पीटने वाले दानदाता

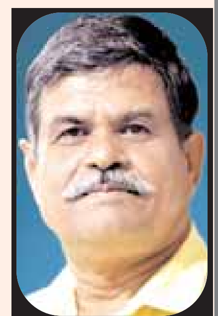

देवशंकर अवस्थी

यह विषय.. विशेषतौर पर उनके लिए है, जो अस्पताल में भर्ती मरीज को एक केला को चार लोग पकड़कर देते हैं। ऐसे दानदाता एक-दो दर्जन केला बांटकर खबर न केवल मीडिया में चलवाएंगे बल्कि जगह-जगह बताते भी फिरेंगे। सौ रुपए के केले बांटकर हजार रुपए प्रसार-प्रचार में खर्च करने वाले संभवत: दान का अर्थ ही नहीं जानते। ऐसे लोगों का उद्देश्य दान नहीं बल्कि दिखावा होता है। इस बात की चर्चा इसलिए हो पड़ी कि देश में कैसे-कैसे दानदाता हैं। जी हां, दरभंगा की महारानी ने 1962 के चीन युद्ध में 600 किलो सोना और तीन निजी विमान भारत सरकार को दान कर दिए थे। उन्होंने अपना निवास स्थान, नर्गोना पैलेस, ललित नारायण मिथिला यूनिवर्सिटी और लक्ष्मी विलास पैलेस कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय को सौंप दिया। दरभंगा राज की अंतिम महारानी कामसुंदरी देवी महाराज कामेश्वर सिंह की पत्नी थीं, जो अपनी सादगी, परोपकार के लिए जानी जाती हैं। विगत 12 जनवरी 2026 को 94 वर्ष की आयु में उनका निधन हुआ। ऐसे दानदाता प्राय: हर शहर में हैं, लेकिन इक्का-दुक्का। हमारे शहर में भी ऐसे दानदाता हैं लेकिन हमें जिज्ञासु होकर पढ़ना और समझना होगा। ऐसे लोगों की हमें समय-समय पर चर्चा करनी ही चाहिए। यह इसलिए भी आवश्यक है, क्योंकि काले-पीले काम कर धनपति बनने वाले कितने चीमड़ हैं, यह सभी देख रहे।.. और रही बात तथाकथित दानदाताओं की, तो ये एक गंजी खिचड़ी बंटवाएंगे लेकिन एक माह पहले से एक महीने बाद तक अखबारों में विज्ञप्ति देते फिरेंगे।

क्या इतनी सस्ती हो गई मौत

अभी बीते दिन हत्या की दो घटनाएं हुईं। एक रांझी गोकुलपुर में और दूसरी सागर जिले में। रांझी की घटना कार और मोटरसाइकिल में मामूली भिड़ंत के बाद हुई। सागर की घटना बारात में चली गोली से बैंड वाले पंद्रह साल के बच्चे की मौत हो गई। इस घटना को लेकर अखबारों में जो खबरें प्रकाशित हुईं, उसके अनुसार बारात में शामिल कुछ लड़कों ने बैंड वाले बच्चे से राई की धुन बजाने कहा। मांग पूरी न होने पर भीड़ में कहां से गोली चली और एक गरीब मां से उसका इकलौता बेटा छिन गया। दोनों ही घटनाओं को देखें तो एक ही सवाल है.. क्या मौत इतनी सस्ती हो सकती है कि मामूली सी बात पर किसी की जान ली जा सके। यदि यह नशे में हुईं घटनाएं हैं तो आखिर यह किस तरह का नशा है? इसे केवल नशा नहीं कहा जा सकता। इसे भटक चुकी और निर्दयी होती मानवता कहेंगे। इसे इंसान का जानवर बनना भी कहेंगे। महज बेतुकी और बिना किसी बात के किसी की जान ले लेना यह ध्वनित करता है कि भविष्य में आदमी और कितना नीचे गिरता जाएगा।

... और अंत में

यह मानवीय स्वभाव है, भले ही जीते जी कोई फूटी आंख न सुहाए लेकिन मरने के बाद तारीफों के पुल बांधे जाते हैं। जिंदगी में कुछ भी न करने वाला। सुबह से लेकर रात तक बेईमानी, ठगी, चोरी और चरित्रहीन इंसान भी मरने के बाद तारीफ के दो शब्द पा ही लेता है। वैसे, जीते जी बहुत कम लोग होते हैं, जो समाज की प्रशंसा पा जाएं। कोई कितना भी अच्छा करे, उसे कोसने वाले भी कम न होंगे। मरने के बाद विशेषकर मुक्तिधाम में ऐसी चर्चाएं सुनने मिल ही जाएंगी...यार भले ही वो सुबह से शाम तक मांगकर पीता था लेकिन रहा स्वाभिमानी और बात का धनी.. यदि किसी ने एक बार दारू के लिए मना कर दिया तो दोबारा नहीं मांगता था।

श्रमिक-किसान कल्याण हो जीडीपी का पैमाना

अरुण माइरा

लेखक योजना आयोग के सदस्य रह चुके हैं।

जीडीपी वृद्धि की प्रत्येक इकाई अन्य देशों की तुलना में अधिक प्रदूषण और पर्यावरणीय गिरावट का कारण भी बन रही है। इसलिए, भारत उस शहरी-औद्योगीकरण विकास मॉडल का पालन जारी रखना गवारा नहीं कर सकता, जिसने वैश्विक पर्यावरण और असमानता संकट पैदा किए हैं।

भारत के नीति-निर्माता दुविधा में हैं। उनका कहना है कि कृषि क्षेत्र में जरूरत से बहुत ज़्यादा लोग काम कर रहे हैं। उनके अनुसार, भारत के कृषि क्षेत्र की उत्पादकता, जिसको इसमें कार्यरत लोगों की संख्या के हिसाब से मापा जाता है, वह बहुत कम है। उनका मानना है कि ज़्यादा से ज़्यादा लोगों को ग्रामीण इलाकों एवं खेतों से और लघु, 'अनौपचारिक' कारखानों और सेवा उद्यमों से भी निकालकर शहरों में लाया जाए ताकि उन्हें बड़े, 'औपचारिक' कारखानों एवं सेवा उद्यमों में काम पर लगाया जा सके। समस्या यह है कि बड़े औपचारिक उद्यम पर्याप्त सुरक्षित नौकरियां और अच्छा वेतन नहीं दे रहे हैं। वे ज़्यादा लोगों को काम पर रखने, उन्हें अधिक तनख्वाह और सामाजिक सुरक्षा देने को तैयार नहीं हैं। इसकी बजाय, वे वेतन की लागत कम रखने के लिए अधिक 'लचीले' श्रम कानूनों की मांग कर रहे हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था की मुख्य समस्या यह है कि सभी क्षेत्रों मसलन, विनिर्माण, सेवाएं और कृषि में नियोक्ता अपना उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने के लिए इंसानों के बजाय ज़्यादा मशीनरी और ज़्यादा तकनीक का इस्तेमाल कर रहे हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था को जिस मुख्य सुधार की ज़रूरत है, वह है व्यावसायिक उद्यम के ढर्रे और प्रचालन में सुधार। मज़दूर, चाहे वे खेतों में हों या कारखानों में, वे जिस उद्यमों में काम करते हैं उनके मालिकों की सोच होती है, उनके काम से हुआ मुनाफ़ा, उनका ही रहे और उनकी संपत्ति में इजाफा करे, न कि यह लाभ किसी वित्तीय निवेशक की संपत्ति बढ़ाने के काम आए। उत्पादन प्रक्रिया के लिए आवश्यक पूंजीगत संपत्ति जैसे कि विनिर्माण उद्यम में मशीनें और खेती के लिए ज़मीन, उद्यम में काम करने वाले मज़दूरों की होनी चाहिए। मज़दूर अपने मालिक खुद हों और उन्हें स्टॉक मार्केट निवेशकों और सामंती ज़मींदारों की मल्कियत वाले कारखानों और खेतों में कर्मचारी बनने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। अपने काम से होने वाले मुनाफ़े का इस्तेमाल वह कैसे करेंगे, यह चुनने का अधिकार उन्हें होना चाहिए। अब चाहे तो अपने उद्यम में और अधिक निवेश करें या अपने परिवार के कल्याण और अपने बच्चों की शिक्षा पर लगाएं।

जैसा कि माइक बर्ड ने अपनी किताब 'द लैंड ट्रैप = ए न्यू हिस्ट्री ऑफ़ द वर्ल्ड्स ओल्डेस्ट एसेट' नामक पुस्तक में बताया है कि भू-स्वामित्व में सुधार, जिसके तहत ज़मीनें ज़मींदारों से लेकर उनके खेतों में काम करने वाले मज़दूरों को हस्तांतरित की गईं, उसकी बदौलत पिछले 50 सालों में जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान और चीन में छोटे किसानों की आय भारत की तुलना में कहीं ज़्यादा तेज़ी से बढ़ी। बर्ड व्याख्या करते हैं कि भारत की तुलना में अन्य देशों में सुधार तेज़ी से क्यों हुए। सभी देशों में निहित स्वार्थ सुधारों के रास्ते में आड़े आते हैं। हालांकि, उन देशों के नेताओं ने किसान-मज़दूरों के अधिकारों का समर्थन किया, न कि पूंजीपति-मालिकों का। सुधारों से छोटे किसानों की कमाई और संपत्ति बढ़ी, और उन्होंने अपने बच्चों की शिक्षा में ज़्यादा निवेश किया। गौरतलब है कि लोगों को खेती से हटाए बिना भी, कृषि-उत्पादन और कृषि उत्पादकता बढ़ी है। अर्थशास्त्रियों और व्यापार करने वालों को उद्यमों में 'पैमाने' पर फिर से सोचना चाहिए। एक मानकीकृत वस्तु का बड़े पैमाने पर उत्पादन, चाहे यह फैक्टरी उत्पादन बढ़ाने में सहायक कोई प्रक्रिया हो या बड़े खेत में एक ही फसल उगाना, बड़ी मशीनों का उपयोग और दोहराव वाले कामों को करने के लिए कम कुशल श्रमिकों को रोज़गार देकर अपनी आर्थिक दक्षता बढ़ाता है। बड़े पैमाने के उद्यमी मशीनों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में पूंजी लगाने की हैसियत रखते हैं। इस तरह, उन्हें कम श्रमिक और बुद्धि की ज़रूरत पड़ती है। ऐसा करके जहां उनकी दक्षता और उत्पादन मात्रा बढ़ सकती है, और उत्पादकता भी। ऐसे उद्यम कम श्रमिकों को नौकरी पर रखते हैं। वे अर्थव्यवस्था के 'रोजगार रहित' सकल घरेलू उत्पाद बढ़ोतरी से योगदान करते हैं। छोटे खेत जो जैविक तरीके से उन्नत किस्म की फसलें उगाते हैं, उन खेतों में उत्पादन की 'संभावना' ज़्यादा होती है। कचरा खेत में अपने आप उपयोगी अवयव बन जाता है, खासकर उन खेतों में जहां पर जानवर भी रखे होते हैं। ज़्यादा संभावना वाले खेत स्वाभाविक रूप से अधिक टिकाऊ होते हैं। ऐसे छोटे खेतों में, जिनका पैमाना कम किंतु संभावना अधिक हो, सामग्री और ऊर्जा अपने भीतर और ऐसे छोटे खेतों के आसपास ही घूमती रहती है। पर्यावरण वैज्ञानिक वैक्लाव स्मिल ने आधुनिक उद्योगों, खाद्य उत्पादन और वितरण प्रणालियों, और वैश्विक परिवहन प्रणालियों में हाइड्रोकार्बन ऊर्जा और अन्य गैर-नवीकरणीय अवयवों की सकल व्यवस्थात्मक ज़रूरतों की गणना की है। अपनी किताब, हाउ द वर्ल्ड रियली वर्क्स में, वह समझाते हैं कि आधुनिक एवं सघन तकनीकी विधि से बड़े पैमाने का खाद्य उत्पादन और वितरण प्रणाली मिट्टी, पानी और वातावरण का सबसे बड़ा प्रदूषक है। वह यह भी समझाते हैं कि ज़्यादा संभावना वाले छोटे पैमाने के खेत पर्यावरणीय स्थिरता के लिए सबसे उपयुक्त वैज्ञानिक उपाय हैं। वह बताते हैं कि समस्या यह है कि इस किस्म के समाधान में ज़्यादा लोगों को ग्रामीण इलाकों में बने रहने और काम करने, और छोटे कृषि, विनिर्माण और सेवा उद्यमों में शामिल होने की ज़रूरत होगी। इसके लिए चक्र उल्टा घुमाकर लोगों को शहरी, औपचारिक उद्यमों से निकालकर ग्रामीण, अनौपचारिक उद्यमों की ओर ले जाने की ज़रूरत पड़ेगी। विकसित देशों के नागरिक इसे स्वीकार नहीं करेंगे। भारत को अन्य देशों जितनी समस्या नहीं होनी चाहिए, क्योंकि यहां पहले से ही सबसे ज़्यादा आबादी ग्रामीण इलाकों में है और काम करती हैं। सकल घरेलू उत्पाद की उच्चतर बढ़ोतरी से भारत के एक अरब से अधिक नागरिकों की भलाई-स्तर में सुधार नहीं होगा। पिछले 25 सालों से, भारतीय अर्थव्यवस्था ने अन्य बड़े देशों की तुलना में सकल घरेलू उत्पाद की प्रत्येक इकाई में वृद्धि होने के बावजूद कम रोज़गार पैदा किया है। हमारे पास दुनिया में युवाओं की सबसे बड़ी आबादी है, जो अच्छी कमाई वाले रोजगार की तलाश में हैं। विकास के मौजूदा ढर्रे के साथ, पर्याप्त रोज़गार पैदा करने के वास्ते अगले कुछ सालों तक भारत की सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 12 प्रतिशत सालाना होनी चाहिए। जीडीपी वृद्धि की प्रत्येक इकाई अन्य देशों की तुलना में अधिक प्रदूषण और पर्यावरणीय गिरावट का कारण भी बन रही है। इसलिए, भारत उस शहरी-औद्योगीकरण विकास मॉडल का पालन जारी रखना गवारा नहीं कर सकता, जिसने वैश्विक पर्यावरण और असमानता संकट पैदा किए हैं। हमारे देश को रहने लायक और टिकाऊ 'विकसित भारत' बनने के लिए विकास का नमूना बदलना होगा। जीडीपी पायदान पर अन्य देशों से ऊपर रहने का लक्ष्य रखने की बजाय, भारत के आर्थिक सुधारकों को आर्थिक विकास की प्रक्रिया में ही सुधार करना चाहिए। हमें अपना रास्ता खोजना होगा; एक अधिक समावेशी और पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ रास्ता; अपने देश को बनाने और अपनी अर्थव्यवस्था को मज़बूत करने का एक अधिक 'पारिवारिक' एवं 'सामुदायिक' तरीका -एक ज़्यादा 'गांधीवादी तरीका'- वह जो देश निर्माण करे और सभी नागरिकों को पूर्ण स्वराज (संपूर्ण राजनीतिक, सामाजिक एवं आर्थिक आज़ादी) दे सके।

एआई...ओ एआई, क्या जाने तू क्यों आई

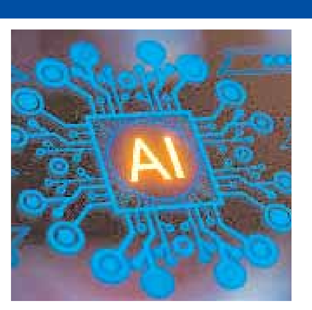

एक जमाना था साहब, जब विज्ञान वरदान है या अभिशाप, छात्रों के निबंध, निबंध प्रतियोगिताओं का और वाद-विवाद प्रतियोगियों का भी विषय हुआ करता था। अब एआई का रुतबा विज्ञान तथा तकनीक के क्षेत्र में तो बेशक बहुत ऊंचा है, लेकिन इधर राजनीति के क्षेत्र में भी उसने अपना जबर्दस्त रुतबा कायम कर लिया है। जब से विज्ञान ने राजनीति में कदम रखा और नेताओं की सीडियां बनने लगीं, तभी से वह विज्ञान के वरदान या अभिशाप वाले विषय की तरह ही चर्चित रहा है। चर्चित जनाब सिर्फ नेता ही नहीं होता, उसके बयान ही नहीं होते, उसका दलबदल ही नहीं होता, उसकी इमेज ही नहीं होती चर्चित, उसकी सीडियां भी हो जाती हैं। इतनी कि अगर वे उसके लिए अभिशाप साबित होती हैं, तो उसके विरोधियों के लिए वरदान साबित होती हैं।

पहले जहां अपने विरोधी नेता को पटखनी देने के लिए तरह-तरह के सबूत जुटाने पड़ते थे, गवाह जुटाने पड़ते थे, अखबारों की कतरनें जुटानी पड़ती थीं, वहां अब विज्ञान के वरदान होने की तरह सीडियां और खासतौर से उस तरह वाली सीडियां वरदान बनने लगीं। सीडियों वाले नेता कहते कि उस सीडी में वह है ही नहीं। लेकिन वह सीडी उससे घोटाले की तरह चिपक जाती और लाख छुड़ाने पर भी नहीं छूटती।

फिर विज्ञान ने और तरक्की की और सीडियां गुजरे जमाने की बात हो गयीं और उनकी जगह वीडियोज ने और खासतौर से कांट-छांट वाले वीडियोज ने ली। कांट-छांट वाले यह वीडियो एक तो सीडियों के मुकाबले ज्यादा विश्वसनीय साबित हुए और दूसरे वे किसी को डब्बू और किसी को पप्पू बनाने के बड़े काम आए। किसी के लिए वरदान और किसी के लिए अभिशाप साबित होने की तरह उन्होंने किसी की इमेज बनायी और किसी की बिगाड़ी। बताते हैं कि इन्होंने फेक न्यूज को भी खूब पाला-पोसा। बल्कि कुछ लोगों का तो यह मानना है कि इन वीडियोज के बिना फेक न्यूज बेवा की तरह ही होती। जिनकी इमेज बनती रही उन्होंने कभी गिला नहीं किया, करते भी क्यों? मीठा-मीठा सब गप होता है न। लेकिन जिनकी इमेज बिगड़ी उनके गिले-शिकवे कभी कम नहीं हुए। कोई कहता वीडियो डॉक्टर्ड है, तो कोई कहता कि काट-छांट करके बनाया गया है। लेकिन जनता ने जैसे सीडियों पर भरोसा किया, वैसे ही इन वीडियोज पर भी भरोसा किया और उन्हें फारवर्ड कर-करके खूब मजे लिए। विज्ञान और तकनीक ने और तरक्की की और अब एआई से बनने वाले वीडियोज आने लग गए हैं। लेकिन अब फिर विवाद वहीं है-विज्ञान वरदान है या अभिशाप वाला। एआई जनरेटेड वीडियोज बनाने के लिए राजनीतिक पार्टियों ने अपने नए विभाग खोल दिए हैं। नहीं क्या?

सहीराम

व्यंग्य ज्ञानम्

जो है अलख निरंजन

साधु-संन्यासियों को अक्सर कहते सुना जा सकता है, अलख निरंजन। आखिर यह है क्या। असल में अलख संस्कृत भाषा के शब्द अलक्ष्य (न लक्ष्यते लक्षकर्म्मणि) का तद्भव रूप है। जो लक्ष्य न हो पाए वह अलक्ष्य है। जिसे परिभाषित नहीं किया जा सकता है, जिसका भेद करना सम्भव नहीं है, जिसे जाना न जा सके, जो दृश्य नहीं है, जो ज्ञात नहीं है, जो प्रत्यक्ष न हो, जो अगोचर हो, जो चिन्हित न किया जा सके, जो किसी भी प्रकार की प्रवृत्तियों से युक्त न हो। परब्रह्म ईश्वर के लिए यही कुछ कहा जाता है। अर्थात् सर्वव्यापी, लेकिन अनकहा। इसके कई अर्थ और भी हैं, जैसे जो दिखाई न पड़े। जो नजर न आए। यानी एक शब्द में कहें तो अदृश्य और अप्रत्यक्ष। ऐसे ही शब्द है, अगोचर। यानी इंद्रियातीत। सूरदास की एक रचना है, 'जे उपमा पटतर लै दीजै ते सब उनहिं न लायक। जौ पै अलख रह्मौ चाहत तौ बादि भए ब्रजनायक।' अब इसी क्रम में आते हैं। वह है ईश्वर का एक विशेषण। मलिक मोहम्मद जायसी की पंक्ति है, 'प्रलख अरूप अबरन सो करता। वह सबसों सब वहि सों बरता।' एक मुहावरा है-अलख जगाना। अर्थात् पुकारकर परमात्मा का स्मरण करना या कराना। परमात्मा के नाम पर भिक्षा मांगना। अलखधारी। अलखनामी। अलखनिरंजन। अलखपुरुष बराबर ईश्वर। अलखमंव मतलब, निर्गुण संत संप्रदाय में ईश्वर मंत्र। अब आइये निरंजन पर। सही रूप

निरञ्जन (निर्गतमञ्जनं कज्जलं तदिव समलमज्ञानं वायस्मात्) वह है जो बिना अञ्जन का हो; दोषरहित हो; अज्ञान से रहित हो; जो किसी भी प्रकार की माया से प्रभावित न हो; निर्मल हो; किसी प्रकार के आवेग, वासना, लालसा, राग, क्रोध, अनुराग, आदि गुणों से युक्त न हो; निष्कलङ्क हो; निर्गुण हो; उसे निरञ्जन कहा जाता है। महादेव, शिव, अथवा ईश्वर के लिए इस विशेषण का प्रयोग किया जाता है। निरंजन का अर्थ अंजन रहित। बिना काजल का। जैसे, निरंजन नेत्र। कल्मषशून्य। दोषरहित। माया से निर्लिप्त (ईश्वर का एक विशेषण)। इसमें कुछ गुण आते हैं। सादा। बिना अंजन आदि का। परमात्मा। महादेव। अत: अलख निरञ्जन का आह्वान उस निर्गुण, निराकार, अपरभाषित ईश्वर के लिए है; यह अलख निरञ्जन का उद्घोष गोरक्षनाथ (अथवा गोरखनाथ) ने आरम्भ किया मानते हैं। कहते हैं कि इसी उद्घोष के साथ गोरखनाथ ने भर्तृहरि को दीक्षा के लिए प्रेरित किया। तो इस प्रकार कुछ लोग कुछ इसे भगवान दत्तात्रेय का जयघोष कहते हैं।

अलकनंदा सिंह

क्या टलेगा युद्ध का खतरा?

आज जिनेवा में यूएस-ईरान के बीच होगा मंथन

तेहरान

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव को कम करने के लिए कूटनीतिक समेत कई स्तरों पर प्रयास जारी है। बताया जा रहा है कि मंगलवार को जिनेवा में दोनों देशों के तेहरान परमाणु कार्यक्रम पर दूसरे दौर की अप्रत्यक्ष वार्ता में शामिल होंगे। इसी बीच जानकारी आ रही है कि इस वार्ता में शामिल होने के लिए ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची रविवार तेहरान से जिनेवा के लिए रवाना हो गए हैं। ईरानी राज्य मीडिया आईआरएनए ने इसकी पुष्टि की है। ओमान इन वार्ताओं का मध्यस्थता कर रहा है, जैसा कि पिछले सप्ताह ओमान में पहले दौर में हुआ था।

ईरानी विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, अराघची एक राजनयिक और तकनीकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। जिनेवा में वे स्विट्जरलैंड और ओमान के विदेश मंत्रियों से मुलाकात करेंगे। साथ ही अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी से भी चर्चा करेंगे। दोनों देशों के बीच होने वाली ये वार्ता ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर केंद्रित है। ईरान का दावा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण है, लेकिन वह 60 प्रतिशत शुद्धता तक यूरेनियम संवर्धित कर रहा है जो हथियारों के ग्रेड के बेहद करीब है। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि ईरान को किसी भी कीमत पर यूरेनियम संवर्धन की अनुमति नहीं दी जाएगी, जिसे तेहरान ने सिरे से खारिज कर दिया है।

उधर, वार्ता के बीच तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने घोषणा की है कि दुनिया का सबसे बड़ा विमानवाहक पोत 'यूएसएस जेराल्ड आर. फोर्ड' कैरिबियन से मिडिल ईस्ट भेजा जा रहा है। ट्रंप ने ये भी कहा कि ईरान में सत्ता परिवर्तन सबसे अच्छी बात होगी। ट्रंप की धमकियों के बीच खाड़ी देशों ने चेतावनी दी है कि ईरान पर कोई भी हमला एक बड़े क्षेत्रीय संघर्ष में बदल सकता है। क्योंकि ईरान ने पहले ही धमकी दी है कि यदि हमला हुआ तो वह क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाएगा। जून में कतर के अल उदेद एयर बेस पर हुआ हमला इसी तनाव का हिस्सा था। दूसरी ओर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने स्पष्ट किया कि वाशिंगटन अभी-भी कूटनीतिक समाधान में रुचि रखता है और हालिया सैन्य तैनाती केवल अमेरिकी हितों की रक्षा के लिए एक सुरक्षात्मक कदम है।

वहीं, इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ट्रंप से मुलाकात कर ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को खत्म करने और हमास व हिजबुल्ला जैसे समूहों की फंडिंग रोकने की मांग की है। हालांकि, ईरान ने कहा है कि वार्ता केवल परमाणु कार्यक्रम तक सीमित रहेगी। आपको बता दें कि पिछले साल जून में इजरायल और ईरान के बीच 12 दिनों का युद्ध हुआ था, जिसमें अमेरिका ने ईरानी परमाणु स्थलों पर बमबारी की थी। इसके बाद ईरान ने अमेरिका साथ हुए परमाणु समझौते को तोड़ दिया। ईरान ने कतर में अल उदैद एयर बेस पर हमला किया था। हालांकि, कोई अमेरिकी या कतरी नागरिक घायल नहीं हुआ।

मछुआरे बच्चों ने 48 गांव प्लास्टिक फ्री किए

कन्याकुमारी। तमिलनाडु के कन्याकुमारी जिले में हिंद महासागर के तट पर बसे 48 गांवों को वहां रहने वाले मछुआरों के बच्चों ने प्लास्टिक मुक्त कर लिया है। साथ ही पर्यटकों के लिए 6 बीच तैयार किए हैं। करीब 15 किमी में फैले मछुआरों के गांवों के इन बीच पर पहले सिर्फ मछलियां ही पकड़ी जाती थीं। अब रोज यहां 250-300 पर्यटक पहुंच रहे हैं। यह सब बिना किसी एनजीओ के प्रयास या सरकारी फंड के मुमकिन हुआ है। यहां 'नेगिजी इल्ला नेथल पडई' (प्लास्टिक मुक्त तटीय ब्रिगेड) नाम की पूरी टीम काम कर रही है। इसमें 850 स्कूली बच्चे और 500 ग्रेजुएट हैं। ये सभी इन्हीं गांवों के हैं। ये हर वीकेंड ग्रुप बनाकर गांवों व तट साफ करते हैं। 7 सालों से चल रही यह मुहिम इंजीनियर मेलबिन रॉबिन ने 2019 में शुरू की थी। उन्होंने 2017 के 'ओखी चक्रवात' में अपने दो भाइयों को खो दिया था। चक्रवात के बाद उन्होंने देखा कि प्लास्टिक के मलबे की वजह से तबाही ज्यादा हुई थी।

गाजा में पुनर्निर्माण के लिए 5 अरब डॉलर देगा शांति बोर्ड

वाशिंगटन (वार्ता)

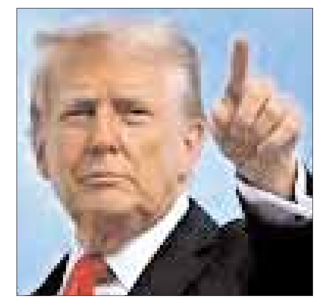

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा शांति योजना में अंतरराष्ट्रीय योगदान की घोषणा करते हुए सोमवार को कहा कि शांति बोर्ड के सदस्य देशों ने क्षेत्र में मानवीय एवं पुनर्निर्माण कार्यों के लिए पांच अरब डॉलर से ज्यादा देने का वादा किया है। ट्रंप ने कहा कि इस पहल को 19 फरवरी 2026 को वाशिंगटन डीसी में 'डोनाल्ड जे ट्रंप शांति संस्थान' में अंतिम रूप दिया जाएगा। यहां 'शांति बोर्ड' के सदस्य बैठक करेंगे। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, शांति बोर्ड में असीम संभावनाएं हैं। वाशिंगटन डीसी के डोनाल्ड जे ट्रंप शांति संस्थान में 19 फरवरी 2026 को शांति बोर्ड के सदस्य मेरे साथ होंगे जहां हम घोषणा करेंगे कि सदस्य देशों ने गाजा के मानवीय और पुनर्निर्माण कार्यों के लिए पांच अरब डॉलर से ज्यादा देने का वादा किया है। साथ ही गाजा के लोगों के लिए सुरक्षा और शांति बरकरार रखने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्थायीकरण बल एवं स्थानीय पुलिस बल में हजारों कर्मी उतारने का भी वादा किया है। ट्रंप ने अपने बयान में दावा किया कि उन्होंने अक्टूबर 2025 में गाजा संघर्ष को पूरी तरह खत्म करने की एक योजना बनायी थी, जिसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने एकमत से स्वीकार कर लिया था। उन्होंने कहा कि उनकी पहल ने मानवीय राहत को रिकॉर्ड रफ्तार से जरूरतमंदों तक पहुंचाया। साथ ही जीवित एवं मृत बंधकों को इजरायल वापस पहुंचाया था।

आज होगी मोदी-मैक्रों की मुलाकात

नई दिल्ली (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को मुंबई में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात करेंगे। श्री मोदी और श्री मैक्रों इस दौरान भारत-फ्रांस के बीच रणनीतिक साझेदारी में हुई प्रगति की समीक्षा भी करेंगे और क्षेत्रीय तथा वैश्विक महत्व के मुद्दों पर विचार साझा करेंगे। दोनों नेता इस दौरान भारत-फ्रांस नवाचार 2026 का उद्घाटन करेंगे। श्री मैक्रों श्री मोदी के निमंत्रण पर 17 से 19 फरवरी तक भारत के औपचारिक दौरे पर रहेंगे। वह भारत में हो रहे एआई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे और मुंबई में प्रधानमंत्री के साथ एक द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन में भी शामिल होंगे। यह श्री मैक्रों का भारत का चौथा और मुंबई का पहला दौरा होगा। श्री मोदी और श्री मैक्रों 17 फरवरी को अपराह्न सवा तीन बजे मुंबई के लोक भवन में द्विपक्षीय बैठकों में भाग लेंगे और दोनों देशों के बीच चल रही रणनीतिक साझेदारी में हुई प्रगति की समीक्षा करेंगे। उनकी चर्चा रणनीतिक साझेदारी को मजबूत बनाने और इसे नये तथा उभरते क्षेत्रों में और विस्तारित करने पर केंद्रित होगी। श्री मोदी और श्री मैक्रों क्षेत्रीय और वैश्विक महत्व के मुद्दों पर भी विचार साझा करेंगे। आधिकारिक सूचना के अनुसार दोनों नेता मंगलवार शाम 5.15 बजे भारत-फ्रांस नवाचार 2026 का उद्घाटन करेंगे और दोनों देशों के व्यावसायिक नेताओं, स्टार्ट-अप, शोधकर्ताओं और अन्य नवोन्मेषकों के एक सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

ईसीआई ने 7 अधिकारियों को निलंबित किया

नई दिल्ली (वार्ता)

भारत चुनाव आयोग (ईसीआई) ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के संबंध में ड्यूटी में गंभीर लापरवाही बरतने पर पश्चिम बंगाल के सात अधिकारियों को तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया है। आयोग ने सोमवार को कहा कि यह करवाई तुरंत प्रभाव से लागू मानी जाएगी। आयोग ने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 13सीसी के तहत अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए इन अधिकारियों को निलंबित कर दिया और पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव को इनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करने का आदेश दिया। आयोग ने आज जारी एक आधिकारिक बयान में कहा, यह कार्रवाई मतदाता सूची के पुनरीक्षण से जुड़ी कानूनी जिम्मेदारियों को निभाने में देखी गई गंभीर कमियों को देखते हुए की गई है। इस तरह का गलत काम चुनावी प्रक्रिया की ईमानदारी को कमज़ोर करता है और इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आयोग ने आगे निर्देश दिया कि निलंबित किए गए अधिकारियों के खिलाफ संबंधित कैडर-नियंत्रण अधिकारियों द्वारा अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की जाए और इसकी जानकारी आयोग को दी जाए। इस मामले से संबंधित एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, आयोग ने यह साफ कर दिया है कि चुनाव से जुड़े कामों में जवाबदेही सबसे ज़रूरी है। कानूनी शक्तियों का कोई भी गलत इस्तेमाल करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। निलंबित किए गए अधिकारियों में सेफौर रहमान, सहायक मतदाता पंजीकरण अधिकारी (एईआरओ) और सहायक निदेशक, कृषि विभाग 56-समसेरगंज विधानसभा सीट, मुर्शिदाबाद जिला, नीतीश दास, राजस्व अधिकारी, फरक्का और 55-फरक्का विधानसभा सीट के लिए

एईआरओ, दलिया रे चौधरी, महिला विकास अधिकारी, मयनागुड़ी विकास ब्लॉक और 16-मयनागुड़ी विधानसभा सीट के लिए एईआरओ, एस.के. मुर्शिद आलम, सहायक विकास प्रशासक (एडीए), सुती ब्लॉक और 57-सुती विधानसभा क्षेत्र के लिए एईआरओ, सत्यजीत दास, सहायक ब्लॉक विकास अधिकारी और 139-कैनिंग पुरबो विधानसभा क्षेत्र के लिए एईआरओ, जॉयदीप कुंडू, फील्ड चुनाव अधिकारी और 139-कैनिंग पुरबो विधानसभा क्षेत्र के लिए एईआरओ और देबाशीष बिस्वास, संयुक्त ब्लॉक विकास अधिकारी और 229-डेबरा विधानसभा क्षेत्र के लिए एईआरओ शामिल है।

बांग्लादेश: यूनुस के खिलाफ बन सकती है जांच कमेटी

ढाका

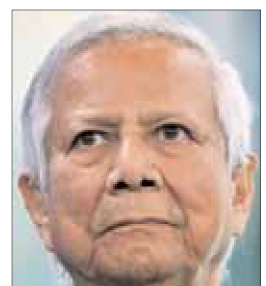

बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद गठित मोहम्मद यूनुस सरकार के मंत्रियों की संपत्ति में उछाल आया है। सरकार के मुखिया यूनुस की संपत्ति में एक साल में लगभग 11 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। यूनुस की संपत्ति अब कुल साढ़े 12 करोड़ रुपए हो गई है, इसमें लगभग 1 करोड़ 30 लाख रुपए का उछाल आया है। अंतरिम सरकार के टॉप 4 मंत्रियों में सबसे ज्यादा संपत्ति की वृद्धि यूनुस की हुई है। दूसरे नंबर पर आवास मंत्री अदिलुर रहमान की संपत्ति में 1 करोड़ 23 लाख रुपए की वृद्धि हुई। यूनुस के 21 में से 18 मंत्रियों की संपत्ति बढ़ी है। सूत्रों के अनुसार नए पीएम रहमान अंतरिम सरकार के मंत्रियों की संपत्ति में इजाफे की जांच के लिए कमेटी गठित कर सकते हैं। इस सब के बीच यूनुस अब फिर से पेरिस में बसने की तैयारी में हैं। बता दें कि यूनुस बांग्लादेश के एकमात्र नोबेल अवॉर्ड विजेता हैं। बांग्लादेश में माइक्रो फाइनेंस के क्षेत्र में बड़ा नाम यूनुस का शेख हसीना सरकार के दौरान भ्रष्टाचार के मामले दर्ज हुए थे। लेकिन यूनुस ने अपनी सरकार बनने पर केस वापस कर लिए थे। तारिक रहमान की जीत के साथ ही यूनुस सरकार में आईटी मंत्री रहे फैज अहमद तैयब नीदरलैंड्स लौट गए हैं। फैज के कार्यकाल के दौरान ढ्ढक्क सेक्टर में उनके द्वारा विदेशी कंपनियों के पक्ष में दिए गए कुछ फैसलों को लेकर आपत्तियां भी आई थीं। उन पर अनावश्यक हाई-कैपेसिटी इक्विपमेंट खरीद के लिए कुछ कंपनियों को टेंडर जारी करने के भी आरोप हैं। यूनुस सरकार में पर्यावरण मंत्री सैयदा रिजवाना का कहना है कि फैज अपने परिवार के साथ नीदरलैंड्स में ही रहते हैं, वे यूनुस सरकार में शामिल होने के लिए बांग्लादेश लौटे थे। सूत्रों के अनुसार रहमान ने संसद के सुचारु संचालन के लिए जमात के साथ समझौते पर सहमति भी बनाई है। जमात ने 32 सीटों में धांधली का आरोप लगाया है। दूसरी ओर ढाका में चीन और पाकिस्तान के दूतावासों में बैठकों के दौर तेज हो गए हैं।

श्रीलंकाई नौसेना ने 25 तमिल मछुआरों को गिरफ्तार किया

चेन्नई (वार्ता)

तमिलनाडु के 25 मछुआरों को सोमवार को श्रीलंका की नौसेना ने पाक जलडमरूमध्य क्षेत्र में मछली पकड़ते समय गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार मछुआरे दो मशीन वाली नावों में कल रात समुद्र में उतरे थे और अपने पारंपरिक पानी में मछली पकड़ रहे थे, तभी श्रीलंकाई नौसेना ने उन्हें रोक लिया।

मछुआरों को अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा पार करने के बाद श्रीलंकाई जलक्षेत्र में मछली पकड़ने के आरोप में गिरफ्तार किया गया और उन्हें कांकेसंथुराई तट ले जाया गया। उनकी दो नावों को भी नौसेना ने आगे की कार्रवाई के लिए ज़ब्त कर लिया। बताया जा रहा है कि मछुआरे केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के करियाकल के रहने वाले थे। यह घटना मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील करने के एक दिन बाद हुई है कि वे चार दशकों से ज़्यादा समय से राज्य में बसे श्रीलंकाई तमिल शरणार्थियों के सामने मौजूद कानूनी उलझन को खत्म करें और इस मामले में मानवीय नज़रिया अपनाएं और उन्हें नागरिकता या दीर्घकालीन वीज़ा देने पर विचार करें। श्री स्टालिन ने कल रात प्रधानमंत्री मोदी को लिखे एक अर्द्व सरकारी पत्र में कहा, दशकों से रहने और सामाजिक ताने-बाने में घुलने-मिलने के बावजूद, कई लोगों के पास नागरिकता या दीर्घकालीन वीज़ा स्टेटस जैसे टिकाऊ कानूनी समाधान नहीं हैं। आज की तारीख में लगभग 89,000 लोग तमिलनाडु में रह रहे हैं, जिनमें से एक बड़ा हिस्सा 30 साल से ज़्यादा समय से भारत में रह रहा है, और उनमें से लगभग 40 प्रतिशत भारतीय धरती पर पैदा हुए हैं।

कुछ हटकर पूछेंगे तो हम रायता फैला देंगे : पाठक

डिप्टी सीएम ने सपा नेताओं को दी चेतावनी

लखनऊ (वार्ता)

उत्तर प्रदेश की विधानसभा में सोमवार को कार्यवाही शुरू होते ही सत्ता पक्ष और मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। माहौल उस समय और गरमा गया जब उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने विपक्ष की ओर इशारा करते हुए कहा, अगर ये सवाल से हटकर कुछ पूछेंगे तो हम भी उसी तरह जवाब देंगे और रायता फैला देंगे।

दरअसल, समाजवादी पार्टी के सदस्य डॉ. आर. के. वर्मा अपना प्रश्न रखने के लिए खड़े होने वाले थे। इससे पहले ही उप मुख्यमंत्री ने यह टिप्पणी कर दी। सत्ता पक्ष के कुछ विधायकों ने मेज थपथपाकर समर्थन जताया, जबकि विपक्षी सदस्यों ने इसे असंसदीय बताते हुए आपत्ति दर्ज कराई। हालांकि कार्यवाही आगे बढ़ी, लेकिन माहौल में तल्खी साफ झलक रही थी।

यह पहला मौका नहीं था जब हाल के दिनों में सदन का तापमान बढ़ा हो। इससे पहले शुक्रवार को भी विधानसभा में असहज स्थिति बन गई थी। प्रश्नकाल के दौरान समाजवादी पार्टी की विधायक डॉ. रागिनी सोनकर ने प्रतियोगी परीक्षाओं में भर्तियों, आरक्षण व्यवस्था और अभ्यर्थियों को आयु सीमा में छूट जैसे मुद्दों पर सरकार से जवाब मांगा था। जवाब देने के लिए वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना खड़े हुए। चर्चा के दौरान डॉ. सोनकर ने बीच में टिप्पणी करने की कोशिश की, जिस पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने उन्हें बैठकर जवाब सुनने का निर्देश दिया। इसी बीच सत्ता पक्ष की ओर से भाजपा विधायक केतकी सिंह सहित कुछ अन्य सदस्यों ने विरोध जताना शुरू कर दिया। देखते ही देखते शोर-शराबा बढ़ गया। अध्यक्ष महाना ने दोनों पक्षों को संयम बरतने की नसीहत दी, लेकिन स्थिति काबू में नहीं आई। नाराज़गी जताते हुए उन्होंने कहा, क्या अब आप लोग सदन चलाएंगे? यह जिम्मेदारी मेरी है।

इसके बाद उन्होंने अपना हेडफोन मेज पर रखा और सदन से बाहर चले गए। उनके इस कदम से पूरे सदन में अचानक सन्नाटा छा गया। विधानसभा में लगातार बढ़ती तल्खी को लेकर राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि चुनावी मौसम के करीब आते ही आरोप-प्रत्यारोप तेज होना स्वाभाविक है, लेकिन सदन की गरिमा बनाए रखना सभी दलों की सामूहिक जिम्मेदारी है। सोमवार को बृजेश पाठक की टिप्पणी ने एक बार फिर यह संकेत दिया कि सत्ता और विपक्ष के बीच संवाद की रेखा खिंची हुई है। विपक्ष का कहना है कि सरकार असहज सवालों से बचना चाहती है, जबकि सत्ता पक्ष का तर्क है कि प्रश्नकाल को राजनीतिक बयानबाजी का मंच नहीं बनाया जाना चाहिए।

प्रियंका चोपड़ा के इंटरव्यू में भारत का गलत नक्शा दिखाए जाने पर भड़के यूजर्स

प्रियंका चोपड़ा हाल ही अपने एक इंटरव्यू के कारण यूजर्स के गुस्से का शिकार हो गईं और उन्हें भी आलोचना सुननी पड़ रही है। दरअसल, प्रियंका ने एक पब्लिकेशन को इंटरव्यू दिया, जिसमें भारत का गलत नक्शा दिखाया गया। प्रियंका ने भी नजरअंदाज कर दिया और यही बात यूजर्स को नागवार गुजरी। प्रियंका चोपड़ा अपने एक हाल ही दिए इंटरव्यू के कारण निशाने पर आ गई हैं क्योंकि उस इंटरव्यू में भारत का गलत नक्शा दिखाया गया, लेकिन एक्ट्रेस ने कोई आपत्ति नहीं जताई। यह देख यूजर्स ने प्रियंका को खरी-खोटी सुनाई है साथ ही उस नक्शे को हटाने की मांग की है। प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही एक इंटरव्यू दिया, जिसमें उनसे भारतीय और विदेशी फूड आइटम्स में अंतर बताने को कहा गया। वीडियो सामने आते ही वायरल हो गया और इसे हजारों व्यूज भी मिले, पर भारत का गलत नक्शा दिखाने के कारण खूब आलोचना भी हो रही है। इस वीडियो की शुरुआत भारत के नक्शे के एक स्कैच से होती है, जिस पर लिखा है **Indian or not Indian with Priyanka Chopra.** वीडियो सामने आते ही यूजर्स का ध्यान सबसे पहले इस बात पर गया कि भारत का जो नक्शा दिखाया गया है, उसमें पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर ([illegible]) था ही नहीं, वो गायब था। प्रियंका चोपड़ा का शायद इस बात पर ध्यान नहीं गया, पर हां, उन्होंने यह जरूर ठीक से बता दिया कि दिए गए फूड आइटम्स में से कौन से भारतीय हैं और कौन से नहीं। प्रियंका ने बताया कि जहां मोर, योग, शतरंज, सांप-सीढ़ी, बासमती चावल, घी और बटर चिकन भारतीय हैं, वहीं चिकन टिक्का मसाला और चाय टी भारतीय डिशेज नहीं हैं। हालांकि, यूजर्स का दिमाग भारत का गलत नक्शा देखकर खराब हो गया, और उन्होंने आलोचना करते हुए वीडियो पर ताबड़तोड़ कमेंट्स किए। साथ ही गलत नक्शे को तुरंत ही वीडियो से हटाने की भी मांग की। एक यूजर ने लिखा, %मेरे देश का गलत नक्शा क्यों दिखाया है? एक बोला, %प्लीज भारत के खराब नक्शों का इस्तेमाल मत करो।% एक का कमेंट है, %मैं प्रियंका चोपड़ा का यूट्यूब इंटरव्यू देख रहा था। चैनल वैरायटी ने एक भारतीय नक्शा इस्तेमाल किया है, जिसमें दिखाया गया है कि पीओके भारत से अलग हो गया है। मैं पूछना चाहता हूं कि आपको ऐसा करने का अधिकार किसने दिया? जब आप इंटरव्यू करते हैं, तो जमीनी हकीकत को जानने की कोशिश करें। उम्मीद है आप इसे जल्द से जल्द सुधारेंगे।% एक यूजर ने प्रियंका को निशाने पर लिया और लिखा, %प्रियंका चोपड़ा को अपने इंटरव्यू में दिखाए गए भारत के इस गलत नक्शे से कोई आपत्ति क्यों नहीं हुई? हालांकि, इस पूरे मुद्दे पर न तो प्रियंका चोपड़ा और ना ही उस पब्लिकेशन का कोई बयान आया है, जिसने एक्ट्रेस का इंटरव्यू किया और भारत का गलत नक्शा दिखाया। इस बीच प्रियंका हार्वर्ड इंडिया कॉन्फ्रेंस को लेकर चर्चा में हैं, जिसमें उन्होंने हॉलीवुड में अपनी स्ट्रगल के बारे में बताया।प्रियंका ने बताया कि उन्होंने हॉलीवुड में कड़ी मेहनत की है और छोटे से रोल के लिए भी 15-15 घंटे इंतजार किया।

मैं और कंगना रनौत पति-पत्नी जैसे थे

जब आदित्य पंचोली के थे संगीन दावे, कहा- मैं घर बनवा रहा था

कंगना शुरुआती दौर में आदित्य पंचोली के साथ रिलेशनशिप में थीं। उन्होंने कहा था कि पापा की उम्र के आदित्य पंचोली ने उन्हें घर में कैद करके रखा था। वहीं आदित्य ने कहा था- हम पति-पत्नी की तरह थे। मैं तो यारी रोड पर हम दोनों के लिए घर बनवा रहा था। बॉलीवुड में कुछ रिश्ते ऐसे बने जिनके बिखरने के बाद कई कड़वे सच दुनिया के सामने आए। ऐसा ही एक रिश्ता आदित्य पंचोली का भी रहा, जो शुरुआत में तो लोगों की नजरों से बचता रहा लेकिन जब चीजें खराब हुई तो उसे संभालना मुश्किल हो गया। आदित्य पंचोली अपने करियर और फिल्मों से अधिक कंगना रनौत के साथ अपने अफेयर और ब्रेकअप को लेकर खबरों में रहे। उन दिनों कंगना ने इंडस्ट्री में कदम रखा ही था कि शादीशुदा आदित्य पंचोली को उनसे प्यार हो गया था। पहले तो ये रिश्ता प्यार और मिठास से भरा था लेकिन देखते ही देखते ये दोनों की लाइफ के लिए एक नासूर की तरह बन गया। जब दोनों के बीच चीजें खराब हुईं तो बहुत सारी बातें सामने आईं और इन चीजों ने सुनने वालों को हैरान भी किया। कंगना ने उन्हें पिता की उम्र का बताते हुए कहा था, % इस आदमी ने 17 साल की उम्र में मेरे सिर पर जोर से मारा और खून बहने लगा। मैंने अपनी चप्पल निकाली और उसके सिर पर जोर से मारा।% वहीं आदित्य ने भी अपने इंटरव्यू में कंगना को दी गई मदद और उनके साथ पति-पत्नी जैसे रिश्ते की बातें की थी। कंगना रनौत ने इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बनाई और हमेशा से वो अपने बेबाक अंदाज के लिए चर्चा में रही हैं। एक्टिंग के साथ-साथ प्रॉडक्शन और अब राजनीतिक की दुनिया में भी नए आयाम गढ़ रही हैं। लेकिन एक वक्त ऐसा था जब आदित्य पंचोली के साथ उनके रिश्ते की उठापटक ने खूब सुर्खियां बटोरी थी। कंगना ने अपने साथ किए आदित्य पंचोली की बदसलूकी, मारपीट और इमोशनल टॉर्चर की भी बातें कही थीं। कंगना ने अपने एक इंटरव्यू में बताया था कि पापा की उम्र के आदित्य पंचोली ने उस वक्त उन्हें घर में कैद करके रखा था। आखिरकार खुद को बचाने के लिए वे फर्स्ट फ्लोर की खिड़की से नीचे कूद गई थीं। वहीं उन्होंने उनकी पत्नी पर भी आरोप लगाया था और कहा था कि जब आदित्य की पत्नी ने भी उनकी मदद नहीं की तो उन्हें पुलिस की मदद लेनी पड़ी। इसके बाद आदित्य पंचोली ने मुंबई मिरर से बातचीत में कंगना पर धोखा देने का आरोप लगाते हुए काफी सारी बातें कही थीं।

साईखेड़ा में महाशिवरात्रि पर उमड़ा आस्था का सैलाब, भव्य पालकी और शिव बारात ने मोह लिया मन

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)

दादाजी धूनीवाले की पावन नगरी साईखेड़ा में महाशिवरात्रि का पर्व पूरी श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। नगर के शिवालयों में सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा, जहाँ ञ्हर-हर महादेवञ् के जयकारों से पूरा वातावरण गूँज उठा। मंदिरों में विशेष अभिषेक, पूजन और अनुष्ठान संपन्न हुए, वहीं शाम को निकली भगवान भोलेनाथ की भव्य बारात ने नगर को शिवमय कर दिया।

शिव बारात में झूम उठे श्रद्धालु

नगर के विभिन्न शिव मंदिरों से गाजे-बाजे के साथ भगवान शिव की बारात निकाली गई। इस दौरान आकर्षक झांकियां सजाई गई थीं, जो आकर्षण का केंद्र रहीं। बारात में बड़ी संख्या में पुरुष, महिलाएं और बच्चे डीजे और ढोल-ताशों की थाप पर नाचते-गाते हुए नजर आए। बारात जब नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरी, तो जगह-जगह पुष्प वर्षा कर भोलेनाथ का स्वागत किया गया।

राघव नगर में हुआ भव्य स्वागत-महाकाल समिति द्वारा राघव नगर में शिव बारात का भव्य स्वागत किया गया। यहाँ समिति के सदस्यों द्वारा झांकी प्रस्तुत की गई और विशेष साज-सज्जा की गई। इसी प्रकार, सोसाइटी नर्मदा मंदिर के पीछे स्थित शिव मंदिर से भी भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यात्रा के समापन पर भगवान शिव और माता पार्वती की वरमाला का कार्यक्रम संपन्न हुआ, जिसके बाद भक्तों को महाप्रसाद का वितरण किया गया।

दादाजी दरबार में हुए विशेष अनुष्ठान

विश्व प्रसिद्ध दादाजी धूनीवाले मंदिर में महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में विशेष धार्मिक आयोजन हुए। ब्रह्म मुहूर्त से ही यहाँ महा अभिषेक, पूजन और हवन का क्रम शुरू हो गया था। विशेष रूप से रूद्री निर्माण का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर दादाजी के दर्शन किए और अपनी मनोकामनाएं मांगी।

भक्ति और सेवा का संगम

नगर के चप्पे-चप्पे पर शिवभक्तों की सेवा के लिए स्टॉल लगाए गए थे। कहीं फलाहारी खिचड़ी तो कहीं ठंडाई का वितरण किया गया। पुलिस प्रशासन और स्थानीय समितियों के सहयोग से देर रात तक चले इन आयोजनों ने साईखेड़ा की धार्मिक एकता और उत्साह को प्रदर्शित किया।

शिव धाम डमरू घाटी में शिवसेवकों ने किया खीर प्रसाद वितरण

शिवांगन कॉलोनी में लगाया सेवा पंडाल

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर शिव धाम डमरू घाटी में आयोजित भव्य मेले के दौरान शिवसेवकों द्वारा श्रद्धालुओं के लिए खीर प्रसाद का वितरण किया गया। उपवास कर भगवान शिव की आराधना करने पहुंचे श्रद्धालुओं की सुविधा और सेवा भावना को ध्यान में रखते हुए शिवसेवकों ने साबूदाना की खीर बनाकर प्रसाद स्वरूप वितरित की। इस सेवा कार्य के लिए शिवांगन कॉलोनी में विशेष पंडाल लगाया गया, जहां से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। श्रद्धालुओं ने शिवसेवकों की इस सेवा भावना की सराहना करते हुए इसे पुण्य और मानव सेवा का श्रेष्ठ उदाहरण बताया। इस सेवा कार्य में कृष्णकांत गुप्ता, देवेंद्र पगारे, ओमप्रकाश गुप्ता, ओमप्रकाश दुबे (प्रकाश महाराज), विजय आहूजा, अमित सिंह, अतुल शर्मा, जयेश जैन, पत्रकार कैलाश रजक, रामकुमार खतल, सजल डेंगरे सहित अन्य शिवसेवकों ने सक्रिय योगदान दिया। शिवसेवकों ने बताया कि महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं की सेवा करना उनका सौभाग्य है और भविष्य में भी इसी प्रकार धार्मिक आयोजनों में सेवा कार्य जारी रखा जाएगा। मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही, जिससे पूरा शिवधाम क्षेत्र भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा।

अवैध नशे पर करारा प्रहार नरसिंहपुर पुलिस की बड़ी सफलता

तीन बड़े तस्कर गिरफ्तार

लगभग 6 लाख कीमत की 62 ग्राम स्मैक जप्त

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। पुलिस द्वारा पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीना के निर्देशन में अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध ईगल क ला चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में नशे विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए बड़ी मात्रा में अवैध मादक पदार्थो को जप्त कर सप्लाई में संलिप्त व्यक्तियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा रहा हैइसी क्रम में एक विश्वस्त मुखबिर के माध्यम से सूचना प्राप्त हुयी कि कपूरी नहर के कच्चे रास्ते के किनारे एक बाहरी व्यक्ति बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ स्मैक रखे हुए है जो संभवत: बेचने के लिये ग्राहक की तलाश में है। सूचना पर त्वरित कार्यवाही कर पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीना द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, श्री संदीप भूरिया, के मार्गदर्शन में एवं अनु. अधिकारी पुलिस, नरसिंहपुर श्री मनोज गुप्ता के नेतृत्व थाना कोतवाली की विशेष टीम का गठन किया गया सूचना तस्दीक कर आरोपी को गिरफ्त में लेने हेतु निर्देश दिए। इस संबंध में गठित की गयी पुलिस की विशेष टीम द्वारा मुखबिर की सूचना अनुसार उक्त स्थान पर प्रभावी घेराबंदी की गयी जिस पर एक व्यक्ति संदेहास्पद स्थिति में दिखाई दिया जो पुलिस टीम को देखकर खेतों में भागने लगा उक्त व्यक्ति को भागता देख पुलिस टीम द्वारा धेराबंदी करते हुए उसका पीछा किया गया जिसे गिरफ्त में लकर पूछताछ की गयी।

महाशिवरात्रि पर बड़े पुल के समीप स्थित शिव मंदिर में हुई महा आरती

संपूर्ण नगर के लिए आकर्षण का केंद्र रहा यह आयोजन

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। महा शिवरात्रि पर नगर मे अनेक स्थानों पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गए, जिसमे बड़े पुल के पास स्थित शिव मंदिर मे आयोजित की गई महा आरती मुख्य आकर्षण का केंद्र रही, जहाँ एक ओर महाआरती ने संपूर्ण वातावरण को भक्तिमय कर दिया वहीं दूसरी ओर महादेव के श्रंगार ने भक्तों को मन्त्रमुग्ध कर दिया, साथ ही शिव तांडव नृत्य का आयोजन भी किया गया जिसने

आयोजन मे चार चाँद लगा दिए, प्रतिवर्ष होने वाले इस कार्यक्रम मे संपूर्ण नगर से हजारों भक्तों ने पुण्य लाभ अर्जित किया। कार्यक्रम की शुरुआत मे पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने कन्याओं का पूजन कर महा आरती का शुभारम्भ किया, इसके अलावा कैबिनेट मंत्री राव उदय प्रताप, नगर पालिका अध्यक्ष पंडित नीरज महाराज,पूर्व नपा अध्यक्ष सुनील कोठरी,भाजपा नेता मनमोहन सलूजा,पूर्व महामंत्री नन्द किशोर ठाकुर,पूर्व पार्षद भगवान दास राय भी आरती मे सम्मिलित हुए. कार्यक्रम स्थल पर हुए सम्मान समारोह मे मुख्य रूप सें पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एन पी प्रजापति शामिल हुए एवं कार्यक्रम मे सहयोग देने वाले कलाकारों को उत्कृष्ठ कार्य हेतु स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया एवं महादेव शिव का पूजन अर्चन किया।

कार्यक्रम मे मुख्य रूप से प्रजापति समाज के मुखिया संतोष प्रजापति, जिलाध्यक्ष बलराम प्रजापति, सरपंच कमलेश, अमित प्रजापति,प्रजापति, सुनील प्रजापति, चिरोंजीलाल प्रजापति, रुपकिशोर प्रजापति, नब्बू मनीष प्रजापति एवं बड़ी संख्या मे सामाजिक बंधु एवं नगर के अन्य भक्तजन सम्मिलित हुए।

पाइपलाइन विस्तार से गुणवत्ता जांच तक, जल प्रबंधन में सुधार

हर घर तक शुद्ध जल का संकल्प

करेली। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सुशीला ममार के नेतृत्व में शहर में पेयजल व्यवस्था को मजबूत और आधुनिक बनाने की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीकांत पाटर के मार्गदर्शन में सभी वार्डों में पाइप लाइन लीकेज सुधार, पानी की गुणवत्ता परीक्षण, नई पाइप लाइन बिछाने और टंकियों के निर्माण जैसे कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। नगरवासियों को स्वच्छ, सुरक्षित और नियमित जल आपूर्ति उपलब्ध कराना प्राथमिकता में शामिल है।

प्लांट से घर-घर तक पानी की निगरानी-रातीकरार स्थित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट की प्रयोग शाला में केमिस्ट रितिक द्वारा प्रतिदिन पानी की गुणवत्ता की वैज्ञानिक जांच की जा रही है। पीएच, टीडीएस सहित अन्य मानकों का परीक्षण कर शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। साथ ही श्री शिवाय स्व सहायता समूह को टेस्टिंग किट प्रदान दी गई है। स्व सहायता समूह की महिलाओं के द्वारा घर घर जाकर पानी की गुणवत्ता की जांच की जाती है यदि कहीं गुणवत्ता में कमी पाई जाती है तो तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई की जा रही है, जिससे जल जनित बीमारियों की रोकथाम हो सके।

दूषित पानी की आशंका हेतु विशेष अभियान-नगरपालिका द्वारा नालियों के संपर्क में आ रही पाइपलाइनों को अलग कर ऊंचा करने का अभियान चलाया जा रहा है। सैडल लगाकर पाइपलाइन को सुरक्षित किया जा रहा है, ताकि किसी भी स्थिति में गंदा पानी पेयजल में न मिल सके। इस तकनीकी सुधार से शहर की जल आपूर्ति प्रणाली और अधिक सुरक्षित हुई है।

बड़ी पाइपलाइन लीकेज पर त्वरित कार्रवाई-शहर में बड़ी

पाइपलाइनों के लीकेज की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। रिलायंस पेट्रोल पंप के सामने पाए गए बड़े लीकेज को तुरंत दुरुस्त किया गया, जिससे जल आपूर्ति प्रभावित नहीं हुई। जल की बर्बादी रोकने और निरंतर सप्लाई बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बाल ऑपरेटिंग चैंबरों का निर्माण भी कराया जा रहा है

अमृत 2.0 के तहत पाइपलाइन विस्तार-केंद्र सरकार की योजना अमृत 2.0 के अंतर्गत 19 किलोमीटर लंबी नई पाइपलाइन बिछाई जा रही है। वनांचल कंस्ट्रक्शन द्वारा किए जा रहे इस कार्य से शहर के दूरस्थ क्षेत्रों में भी नियमित जल आपूर्ति संभव होगी और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए मजबूत आधारभूत ढांचा तैयार किया जा रहा है।

नई टंकियों से बढ़ेगी भंडारण क्षमता और प्रेशर-महेंद्र वार्ड पार्क स्थित पानी की टंकी का कोर्ट स्टे हटवाकर का निर्माण पूर्ण हो चुका है जिससे जल्द ही पानी की टंकी से पाइप लाइन को जोड़कर पानी सप्लाई किया जाएगा अभी परीक्षण चल रहा है, जबकि सोमवार बाजार 1000 के.एल.की क्षमता और बस्ती में 250 के.एल. क्षमता की टंकियों का निर्माण कार्य जारी है। टंकियों के निर्माण से जल भंडारण क्षमता बढ़ेगी और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भी पर्याप्त प्रेशर से पानी की आपूर्ति की जा सकेगी। महेंद्र वार्ड एवं महादेव वार्ड में शीघ्र ही बेहतर प्रेशर के साथ जल सप्लाई प्रारंभ की जाएगी। नगरपालिका अध्यक्ष सुशीला ममार के नेतृत्व में चल रहे इन कार्यों से करेली में पेयजल व्यवस्था को नई मजबूती मिल रही है। गुणवत्ता, पारदर्शिता और त्वरित कार्रवाई के माध्यम से शहर में स्वच्छ जल उपलब्ध कराने का अभियान निरंतर जारी है।

घर-घर शुद्ध जल हमारा संकल्प-नपा अध्यक्ष सुशीला ममार ने कहा कि करेली के हर घर तक शुद्ध और सुरक्षित पानी पहुंचाना हमारा संकल्प है। पाइपलाइन विस्तार, गुणवत्ता जांच और नई टंकियों के निर्माण से शहर की जल व्यवस्था को नई मजबूती मिल रही है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीकांत पाटर ने बताया कि पानी की गुणवत्ता पर सख्त निगरानी रखी जा रही है और लीकेज जैसी समस्याओं पर तत्काल कार्रवाई की जा रही है, ताकि नागरिकों को निर्बाध जल आपूर्ति मिल सके।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

ब्लैक स्पॉट सुधार एवं यातायात व्यवस्था को लेकर दिए निर्देश

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा की मौजूदगी में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सोमवार को सम्पन्न हुई। बैठक में अनुविभागीय राजस्व अधिकारी, निर्माण एजेंसियों के अधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे। बैठक में गाडरवारा से झांसीघाट मार्ग पर विभिन्न स्थलों पर आवश्यक सुधार कार्य कराने के निर्देश दिए। साथ ही जिले के सभी चिन्हित ब्लैक स्पॉट पर सुधार कार्य एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। नरसिंहपुर में संचालित बी- 2 मॉल के लेआउट की स्वीकृति की पुन: जांच के लिए मुख्य नगरपालिका अधिकारी नरसिंहपुर को निर्देशित किया। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने निर्देश दिए कि जिले में यातायात सुचारू एवं सुरक्षित रूप से संचालित हो, इसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें और सड़क सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें।

पर्यावरण व जल संरक्षण जैसे छोटे- छोटे कार्यों से भी मिल सकता है पद्मश्री सम्मान : पद्मश्री मोहन नागर

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। मप्र जनअभियान परिषद के उपाध्यक्ष व पद्मश्री मोहन नागर प्रथम नरसिंहपुर आगमन हुआ। नरसिंहपुर में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि पर्यावरण व जल संरक्षण जैसे छोटे- छोटे कार्यों से भी पद्मश्री प्राप्त किया जा सकता है, लेकिन इन कार्यों में निरंतर और निष्ठा होनी चाहिए। उन्होंने जिले में पर्यावरण व जल संरक्षण, ग्रामोदय से अभ्युदय अभियान के तहत राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन- जन तक पहुंचाने व इनका लाभ लेने, पौधरोपण, बोरी बंधान और सामुदायिक विकास के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि जनसहभागिता ही विकास का वास्तविक आधार है और सामूहिक प्रयासों से ही सतत एवं समग्र विकास संभव है। इस अवसर पर श्री सुनील कोठारी, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक संगठनों सहित विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि व गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

2047 तक विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने में स्वदेशी संकल्प की महत्वपूर्ण भूमिका होगी : उदयप्रताप

नरसिंहपुर में सम्पन्न हुआ स्वदेशी मेला

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि आजादी से पूर्व हमारे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने स्वदेशी वस्तुओं को विश्व पटल पर सशक्त रूप से स्थापित किया था। हालांकि, एक समय ऐसा भी आया जब स्वदेशी, राष्ट्रवाद और राष्ट्र सर्वोपरि जैसे विषय प्राथमिकता से दूर होते चले गए और कंपनी व्यवस्था को बढ़ावा देने के प्रयास हुए। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र सर्वोपरि की भावना पुन: सशक्त रूप में स्थापित हो रही है और भारत वैश्विक स्तर पर एक ताकत के रूप में उभर रहा है। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि देश अपने उत्पादों से विश्व बाजार में क्रांति ला रहा है। स्वदेशी मेले के माध्यम से यह स्पष्ट संदेश दिया गया है कि अनेक उत्कृष्ट वस्तुएं हमारे भारत में ही निर्मित हो रही हैं। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि स्वदेशी अपनाएं, स्वदेशी उत्पादों के प्रति सम्मान का भाव रखें और उन्हें बेहतर बनाने तथा विकसित करने के लिए अपना पूरा योगदान दें। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने में

स्वदेशी संकल्प की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। भारत सरकार लगातार भारतीय उत्पादों को वैश्विक बाजारों तक पहुंचाने के लिए प्रयासरत है और जितना अधिक भारतीय उत्पाद देश एवं विदेश में प्रचलित होंगे, उतना ही यह बढ़ते हिंदुस्तान के लिए महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा। उक्ताशय के विचार श्री उदय प्रताप सिंह ने जिला मुख्यालय नरसिंहपुर में आयोजित स्वदेशी मेले के समापन कार्यक्रम में व्यक्त किए। समापन कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन और राष्ट्रीगीत वंदे मातरम् के साथ किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री सिंह ने कहा कि गोबर एवं गोमूत्र आधारित उत्पादों पर हो रहे नवाचारों और अनुसंधान का व्यापक प्रचार-प्रसार की आवश्यकता है। नरसिंहपुर जिला एक आदर्श एवं कृषि प्रधान जिला है, जहां खेती पर निर्भरता अधिक है। यहां के उद्यमियों द्वारा कृषि उत्पादों का मूल्य संवर्धन कर उन्हें देश के विभिन्न बाजारों तक पहुंचाया जा रहा है। अंत में उन्होंने कहा कि यदि नागरिक खरीदारी के समय भारत में निर्मित वस्तुओं को प्राथमिकता देंगे, तो स्वदेशी मेले की सार्थकता और इस आयोजन की सफलता स्वत: सिद्ध होगी। सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने स्वदेश मेले के सफल आयोजन पर स्वदेश जागरण मंच को धन्यवाद एवं शुभकामनाएं देते हुए मेले की भव्यता पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि जिलेवासियों ने स्वदेशी मेले का भरपूर आनंद लिया है। सांसद ने बताया कि वे कुछ दिन पूर्व स्वयं मेले में पहुंचकर विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन कर चुके हैं तथा प्रदेश के बाहर से आए व्यापारियों से संवाद कर उनके अनुभव भी जाने। उन्होंने कहा कि यह आयोजन नरेन्द्र मोदी की स्वदेशी परिकल्पना को मूर्त रूप देने की दिशा में सार्थक प्रयास है। मेले में विभिन्न क्षेत्रों के स्वदेशी कारीगरों द्वारा हस्तनिर्मित उत्पादों की व्यापक भागीदारी देखने को मिली, जो आत्मनिर्भरता और स्थानीय प्रतिभा को प्रोत्साहित करती है। उन्होंने कहा कि जिले में आयोजित यह स्वदेशी मेला अपने आप में अभूतपूर्व है और भविष्य में भी इसी भव्यता के साथ आगे बढ़ते हुए देश की पहचान बने। राष्ट्रीय अध्यक्ष लोकतंत्र सेनानी संघ व पूर्व राज्यसभा सांसद श्री कैलाश सोनी ने कहा कि स्वदेशी मेला बुनियादी हिंदुस्तान को सही दिशा में आगे बढ़ाते हुए आर्थिक विकास के लक्ष्य को पूरा करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि भारत की आजादी के आंदोलन के दौरान राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने स्वदेशी को अपनाने की अलख जगाई थी और आत्मनिर्भरता का संदेश दिया था। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता है कि हम सभी अपने बलबूते पर हिंदुस्तान को आगे बढ़ाएं। स्वदेशी निर्माण और उसकी गुणवत्ता को जनता तक पहुंचाने के लिए ऐसे मेलों का आयोजन अत्यंत आवश्यक है। मेले में नागरिकों की सक्रिय सहभागिता देखने को मिली है, जिससे स्वदेशी वस्तुओं को पहचान और व्यापक पहुंच मिल रही है। मीडिया संयोजक प्रभात उदेनिया ने बताया कि कार्यक्रम को मप्र जनअभियान परिषद के उपाध्यक्ष श्री मोहन नागर, राष्ट्रीय संगठक स्वदेशी जागरण मंच नई दिल्ली श्री सतीश ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि स्वदेशी की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के लिए यह स्वदेशी मेला का आयोजन किया गया है। स्वदेशी अपनाने में ही राष्ट्र सशक्त होगा और वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को पूरा कर पाएंगे। इसके लिए हम सभी को संकल्प लेना होगा कि हम अपने जीवन में स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करेंगे और उसे आगे बढ़ाएंगे। इस अवसर पर विधायक गोटेगांव श्री महेन्द्र नागेश, नगर पालिका अध्यक्ष श्री नीरज दुबे, केशव दुबौलिया क्षेत्र संगठक , सुधीर दाते क्षेत्र संयोजक, मेला संयोजकॅ उदय सिंह ठाकुर जिला संयोजकॅ सतीश दुबे,संगठन मंत्री केशव विभाग संगठन मंत्री आकाश ,जिला संपर्क प्रमुख उपेन्द्र काले, विनीत नेमा, संजय तिवारी, अंकुर राजपूत रोहित मेहरा, नितिन पाण्डेय आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे। अन्य जनप्रतिनिधि, स्वदेशी जागरण मंच के पदाधिकारी और गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

भोलेनाथ की अनंत कृपा से आलोकित हुआ नीलकंठेश्वर भक्तिधाम

36वीं वर्षगांठ पर उमड़ा आस्था का सागर

कार्यक्रम के संरक्षक विधायक संजय सत्येंद्र पाठक तथा सतना सांसद गणेश सिंह की उपस्थिति ने क्षेत्रीय भक्तों का जीता मन

कटनी (स्वतंत्रमत)।

विजयराघवगढ़ की पावन धरती पर स्थित सलैया पडखुरी नीलकंठेश्वर भक्तिधाम आज एक धार्मिक नगरी के रूप में विख्यात हो चुका है। यहाँ प्रति वर्ष महाशिवरात्रि का पर्व दीपावली की भांति उल्लास श्रद्धा और भक्ति के दिव्य प्रकाश से आलोकित होता है। दूर-दराज़ के जिलों से लेकर ग्रामीण अंचलों तक से भक्तों का सैलाब उमड़ता है गरीब हो या अमीर हर कोई भोलेनाथ की इस पावन धरा पर माथा टेककर अपने जीवन को धन्य मानता है।इस वर्ष धाम की 36वीं वर्षगांठ दो दिवसीय भव्य आयोजन के रूप में मनाई गई। मंदिर परिसर श्रद्धालुओं से खचाखच भरा रहा। हर ओर हर-हर महादेव के जयघोष घनघोर घंटानाद और रुद्राभिषेक की पवित्र ध्वनियाँ वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से स्पंदित कर रही थीं। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो स्वयं कैलाश का आशीर्वाद इस धरा पर उतर आया हो।

प्रथम दिवसः शिव बारात में उमड़ा जनसैलाब

कार्यक्रम के प्रथम दिवस शिवलिंग निर्माण रुद्राभिषेक और भव्य शिव बारात ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। इस दिव्य अवसर पर श्रीकांत चतुर्वेदी मैहर, विधायक वीरेंद्र बहादुर सिंह बड़वारा, विधायक मनीष पाठक नगर निगम अध्यक्ष, तथा युवा समाजसेवी यश पाठक सहित अनेक जनप्रतिनिधि शिवभक्ति में लीन होकर शिव बारात में सम्मिलित हुए। शिव बारात की झांकियाँ अद्भुत और अलौकिक थीं। भस्म रमा, भोलेनाथ माता पार्वती गणों की टोली और भक्तों की उमंग सब मिलकर ऐसा दृश्य रच रहे थे मानो त्रेता और द्वापर युग की झलक वर्तमान में साकार हो उठी हो।

द्वितीय दिवसः पूर्णाहुति और संगीत की मधुर सरिता

द्वितीय दिवस गुरु के श्रीचरणों से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ सर्वप्रथम खजुरी ताल वाले गुरुदेव श्री रामाआन्नदा चार्य जी महाराज का भव्य स्वागत किया गया गुरुवाणी से सभी भक्तो को आशिर्वाद फल प्राप्त हुआ उन्होंने कहा की नीलकंठेश्वर भक्ति धाम का कण-कण शिवभक्ति मे भोलेनाथ का नाम जपते दिखाई दे रहा है। यह पावन धाम अलौकिक और श्रद्धा भक्ति से परिपूर्ण है यहा हमेशा भक्तो पर खुशहाली बनी रहेगी। तदपरांत दोपहर कार्यक्रम का समापन करते हुए पूर्णाहुति ग्रोवर परिवार द्वारा की गयी। गौरव पताका के धनी विधायक संजय सत्येंद्र पाठक, सतना सांसद गणेश सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष दीपक टंडन विशेष रूप से उपस्थित रहे। पूजा-अर्चना के उपरांत वे संगीत संध्या स्थल पर पहुँचे जहाँ प्रसिद्ध कलाकार हेमंत ब्रजवासी अपनी मधुर वाणी से भोलेनाथ के भजनों की रसधारा बहा रहे थे। कार्यक्रम के आयोजक शिवभक्त बाबू ग्रोवर ने भावविभोर होकर विधायक संजय सत्येंद्र पाठक व सतना सांसद गणेश सिंह का भव्य स्वागत किया ।

विधायक संजय सत्येंद्र पाठक ने खुले मंच से कहा कि मदनलाल ग्रोवर और बाबू ग्रोवर की भक्ति को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता वे तन मन और धन से भोलेनाथ के श्रीचरणों में समर्पित हैं। उन्होंने हेमंत ब्रजवासी के भजनों की सराहना करते हुए कहा कि विजयराघवगढ़ में अनेक कलाकार आए किन्तु ऐसी मधुर और सरस्वती स्पर्शी वाणी विरले ही सुनने को मिलती है। भक्ति सेवा और समर्पण का अद्वितीय संगम लाखों श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण विशाल भंडारे की व्यवस्था और धार्मिक अनुष्ठानों का सफल आयोजन यह सब केवल अटूट श्रद्धा और समर्पण से ही संभव है। विधायक ने कहा कि धार्मिक स्थलों का निर्माण और उनकी निरंतर सेवा कोई सामान्य कार्य नहीं यह तपस्या है साधना है और इसकी जितनी प्रशंसा की जाए उतनी कम है। वही सतना सांसद गणेश सिंह ने कहा की मै भोलेनाथ के दर्शन और बाबू ग्रोवर के स्नेह प्रेम से फलीभूत होकर आता हू यह आयोजन मेरा भी आयोजन है। इस आयोजन से हम सब को कुछ न कुछ सिखने को मिलता है हम सब को नीलकंठेश्वर भक्तिधाम परिवार से सेवा समर्पण की शिक्षा लेकर इनके तरह परोपकारी और धार्मिक कार्य करने चाहिए। मंदिर परिसर में एक ओर भंडारे की सुगंधित प्रसादी तो दूसरी ओर भजनों की मधुर लहरिया पूरा वातावरण शिवमय हो उठा था। ग्रामीण परिवारों ने मंच से अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष दीपक टंडन सतना सांसद गणेश सिंह सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

फोटो : विकास गुप्ता

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी में महाशिवरात्रि पर भव्य आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन

कटनी (स्वतंत्रमत)।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर एक विशेष आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 50 श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ ब्रह्मकुमारी भगवती बहनजी ने दीप प्रज्वलन के साथ किया। इसके पश्चात शिव भक्ति गीत एवं राजयोग मेडिटेशन का विशेष सत्र आयोजित किया गया, जिसमें उपस्थित जनसमूह ने आंतरिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव किया। संस्थान की बहन बीके अभिलाषा बहन ने शिवरात्रि के आध्यात्मिक रहस्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि परमपिता शिव निराकार ज्योति स्वरूप हैं और राजयोग के माध्यम से आत्मा उनसे सीधा संबंध स्थापित कर सकती है। उन्होंने कहा कि महाशिवरात्रि अज्ञान से ज्ञान की ओर बढ़ने का पर्व है। मुख्य वक्ता ब्रजमोहन शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि आज के तनावपूर्ण वातावरण में आध्यात्मिक मूल्यों का महत्व और बढ़ जाता है। उन्होंने ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा किए जा रहे नैतिक और आध्यात्मिक जागरूकता कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में विश्व शांति के लिए बीके अजय भाई ने सामूहिक योग कराया गया तथा प्रसाद वितरण किया गया। संस्थान द्वारा निःशुल्क राजयोग मेडिटेशन कोर्स का भी आमंत्रण बीके करिश्मा बहन ने दिया । इसमे सभी वरिष्ठ गणमान्य नागरिक अति उत्साह के साथ भाग लिया। पंचम कुशवाहा, आरबी रघुवंशी, सृजना पांडेय, मीना पटेल, रेणु बजाज और अन्य सभी माता एवं बहनों ने उपस्थिति दर्ज करायी।

निगम कार्यालय में महापौर जनसुनवाई आज

नागरिकों की शिकायतों एवं समस्याओं पर सुनवाई कर महापौर अधिकारियों को देंगी दिशा-निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)। नगर निगम कार्यालय से संबंधित नागरिकों की समस्याओं एवं शिकायतों के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी निराकरण हेतु महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी द्वारा की गई अभिनव पहल के तहत मंगलवार 17 फरवरी को नगर निगम के मेयर इन काउंसिल सभागार में प्रातः 11 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक महापौर जनसुनवाई आयोजित की जाएगी। नागरिकगण इस जनसुनवाई में अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन लेकर महापौर श्रीमती सूरी के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है।

उल्लेखनीय है कि महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी की अभिनव पहल पर विगत 27 जनवरी से प्रत्येक मंगलवार को निगम कार्यालय में आयोजित होनें वाली महापौर जनसुनवाई के दौरान नागरिकों द्वारा निगम कार्यालय से संबंधित शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं से संबंधित समस्याएं, जैसे स्वच्छता, जलापूर्ति, सड़क, प्रकाश व्यवस्था, अतिक्रमण, संबंधी शिकायतें एवं अन्य नगर निगम से जुड़ी समस्याएं सीधे प्रस्तुत किये जाते है जिनपर गंभीरतापूर्वक सुनवाई उपरांत महापौर द्वारा संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवेदकों एवं शिकायतो पर समयबद्ध तरीके से कार्यवाही के निर्देश प्रदान किये जाकर शिकायतों के निराकरण की सतत समीक्षा भी की जा रही है। महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी ने बताया कि यह पहल सुशासन, जवाबदेही एवं पारदर्शिता की दिशा में एक मजबूत कदम है, जिससे प्रशासन और नागरिकों के बीच विश्वास बढ़ेगा।

नगर निगम का उद्देश्य केवल समस्याएं सुनना ही नहीं, बल्कि उनका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है। ताकि नागरिकों को बार.बार निगम कार्यालय के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होने नागरिकों से जनसुनवाई कार्यक्रम का अधिक से अधिक लाभ प्राप्त करने का आग्रह किया है।

अवैध शराब तस्करी में लिप्त आरोपी के कब्जे से 350 पाव देशी शराब जप्त

कटनी (स्वतंत्रमत)। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के आदेशानुसार एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष डेहरिया के मार्गदर्शन तथा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस स्लीमनाबाद श्रीमति आंकाक्षा चतुर्वेदी के दिशा निर्देशन में आपरेशन शिकंजा अभियान के अन्तर्गत थाना बाकल के अवैध शराब तस्करी के विक्रय में लिप्त असामाजिक तत्वों को चिन्हित करते हुये मुखबिर सूचना पर रामभरोस यादव ढाबा मझगवां पहुचे जो पुलिस स्टाफ को देखते ही मुखबिर द्वारा बताये हुलिया का व्यक्ति जो अपने साथ मे एक पीले रंग की बोरी तथा कार्टून रखा था, भागने का प्रयास करने लगा। जिसे हमराह स्टाफ की मदद से घेराबंदी करके पकड़ा। आरोपी कुनाल सिंह राजपूत के कब्जे से कुल 350 पाव कुल मात्रा 63 लीटर कीमती करीब 35000 रूपये की मिली।

डायल-112 वाहन में तोड़फोड़ के 3 आरोपी गिरफ्तार

पुलिस पर पथराव के आरोपियों का निकला जुलूस

कटनी (स्वतंत्रमत)। स्लीमनाबाद पुलिस ने डायल112 वाहन में तोड़फोड़ और पथराव की घटना में शामिल तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। घटना 12 फरवरी की है, जब बंधी रेल फाटक के पास हाईवा और मोटरसाइकिल के बीच हुए भीषण सड़क हादसे की सूचना पर डायल-112 वाहन मौके पर पहुंचा था। दुर्घटना में दो व्यक्तियों की मृत्यु हो गई थी। घटना से आक्रोशित 10-15 ग्रामीणों ने पुलिस दल पर पथराव कर दिया, जिससे डायल-112 वाहन क्षतिग्रस्त हो गया और वाहन में सवार पुलिस स्टाफ व पायलट को चोटें आईं। मामले में थाना स्लीमनाबाद में अपराध क्रमांक 89/2026 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। एसपी अभिनय विश्वकर्मा के निर्देश पर एएसपी संतोष डेहरिया एवं एसडीओपी स्लीमनाबाद आकांक्षा चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में स्लीमनाबाद एवं उमरियापान पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए 14 फरवरी को तीन आरोपियों 19 वर्षीय सागर उर्फ जग्गी कोल, 19 वर्षीय अभिषेक कोल एवं 20 वर्षीय अर्जुन कोल निवासी धरवारा को गिरफ्तार किया। आरोपियों को माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से जेल वारंट जारी होने पर उन्हें जिला जेल भेज दिया गया। प्रकरण में चार अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। कार्रवाई में थाना प्रभारी सुदेश समन, थाना प्रभारी उमरियापान महेंद्र जायसवाल, उपनिरीक्षक अनिल यादव, सहायक उपनिरीक्षक जुबेर अली, तेजप्रकाश सिंह, प्रेमशंकर पटेल, अंकित दुबे, योगेंद्र सिंह, मोहन मुवेल, अचल कुमार, अभिषेक राजावत, सोनसिंहद्व रजनीश, विशाल, रोहित पाटकर, दीपक यादव की सराहनीय भूमिका रही।

फोटो : विकास गुप्ता

फायर दल ने सिखाए अग्नि सुरक्षा एवं रेस्यू के महत्वपूर्ण कौशल

डिस्ट्रिट कमांडेंट, होमगार्ड ग्राउंड में 7 दिवसीय नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

कटनी (स्वतंत्रमत)। नागरिकों में आपदा प्रबंधन एवं आपातकालीन परिस्थितियों के प्रति जागरूकता विकसित करने उद्देश्य से नागरिक सुरक्षा संगठन द्वारा डिस्ट्रिट कमांडेंट, होमगार्ड ग्राउंड में 7 दिवसीय नागरिक सुरक्षा (सिविल डिफेंस) प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वितीय दिवस पर नगर निगम के फायर दल द्वारा विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया जा रहा है। निगमायुक्त तपस्या परिहार द्वारा समय सीमा की बैठक में नागरिकों को फायर सेटी की जानकारी प्रदान करने तथा मॉक ड्रिल आयोजित करने के दिए गए निर्देशों के परिपालन में निगम के फायर दल वॉलिंटियर्स को अग्नि दुर्घटना की स्थिति में अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों, त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली, एवं राहत-बचाव कार्यों की चरणबद्ध प्रक्रिया के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में बहुमंजिला इमारतों एवं बड़ी बिल्डिंगों में संभावित आगजनी की घटनाओं के दौरान सुरक्षित रेस्यू ऑपरेशन, निकासी (इवैयूएशन) तकनीक, एवं व्यक्तिगत सुरक्षा मानकों का प्रैटिकल (डेमो) के माध्यम से प्रदर्शन किया गया।

मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण के महत्व पर आयोजन

कटनी (स्वतंत्रमत)। शासकीय कन्या महाविद्यालय, कटनी में मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण के महत्व को रेखांकित करते हुए 14 फरवरी को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन आयुक्त, उच्च शिक्षा विभागए मध्यप्रदेश शासन के आदेश के अनुपालन में संपन्न हुआ। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात के मार्गदर्शन एवं कार्यक्रम प्रभारी डॉ. रश्मि चतुर्वेदी के संयोजन में यह सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण योग, ध्यान एवं प्राणायाम का विशेष सत्र था। इस सत्र में ध्यान योग विशेषज्ञ नरेन्द्र बरखेड़कर, प्राचार्य, पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, कटनी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों, सह-प्राध्यापकों, सहायक प्राध्यापकों, अतिथि विद्वानों, स्ववित्तीय अतिथि विद्वानों, कार्यालय स्टाफ तथा छात्राओं को मानसिक रूप से स्वस्थ्य रहने और तनावमुक्त जीवन जीने के व्यावहारिक तरीके सिखाए। सत्र के दौरान नरेन्द्र बरखेड़कर ने सरल एवं प्रभावी योगासनों, ध्यान की तकनीकों तथा विभिन्न प्राणायाम विधियों का व्यावहारिक अभ्यास करवाया। उन्होंने बताया कि नियमित योग एवं ध्यान से मन की एकाग्रता बढ़ती है, तनाव कम होता है, भावनात्मक संतुलन बना रहता है, तथा समग्र स्वास्थ्य में सुधार आता है। यह कार्यक्रम महाविद्यालय परिसर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने में सफल रहा।

दद्दाधाम में पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं रुद्राभिषेक

कटनी (स्वतंत्रमत)। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर दद्दाधाम मंदिर एवं श्रीकृष्ण वृद्ध आश्रम का प्रांगण भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा से आलोकित हो उठा। ब्रह्मलीन पूज्य दद्दाजी की पुण्य स्मृतियों से अनुप्राणित यह आयोजन श्रद्धालुओं के लिए आत्मिक जागरण का उत्सव बन गया। प्रातःकाल की स्वर्णिम आभा के साथ ही दद्दाजी की समाधि स्थल, देव बृहस्पति मंदिर और शिव मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार की पावन ध्वनियाँ गूंजने लगीं। शंखनाद और घंटारव के मध्य वातावरण में धूप-दीप की सुगंध घुल गई, मानो प्रत्येक कण शिवत्व का स्पर्श पा रहा हो। पंडित नीरज देव प्रभाकर शास्त्री की उपस्थिति ने अनुष्ठान को विशिष्ट आध्यात्मिक गरिमा प्रदान की। श्रद्धालुओं के मुख पर झलकती आस्था और नेत्रों में उमड़ता विश्वास इस बात का साक्ष्य थे कि यह पर्व केवल परंपरा नहीं, अपितु अंतर्मन की अनुभूति है। आश्रम परिसर में श्रद्धालुओं ने अत्यंत श्रद्धाभाव और एकाग्रता के साथ

मिट्टी से पार्थिव शिवलिंगों का निर्माण किया। दोपहर के अभिजीत मुहूर्त में आचार्य पंडित बालमुकुंद त्रिपाठी के सानिध्य में वेदोत विधि-विधान से रुद्राभिषेक संपन्न हुआ। दुग्ध, जल और पवित्र मंत्रोच्चार के मध्य 'हर-हर महादेव' के गगनभेदी जयघोष ने वातावरण को शिवमय कर दिया। ऐसा प्रतीत हुआ मानो स्वयं कैलाश की अनुगूँज इस पावन भूमि पर अवतरित हो रही हो।आरती के साथ अनुष्ठान की पूर्णाहुति हुई। दीपों की पंतियों के मध्य भक्त भावविभोर होकर शिवस्तुति में लीन रहे। तत्पश्चात आयोजित विशाल भंडारे में श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। वृद्ध आश्रम में निवासरत बुजुर्गों के साथ श्रद्धालुओं का स्नेहिल संवाद इस आयोजन को केवल धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं, बल्कि संवेदनाओं और सेवा के उत्सव में भी परिवर्तित कर गया। महाशिवरात्रि का यह आयोजन आस्था, सेवा और संस्कारों के समन्वित स्वरूप का जीवंत उदाहरण बनकर श्रद्धालुओं के हृदय में अविस्मरणीय छाप छोड़ गया।

इटली को 24 रनों से हराकर इंग्लैंड सुपर 8 में पहुंचा

कोलकाता (वार्ता)

विल जैक्स (नाबाद 53/ एक विकेट), टॉम बैटन (30) और फिल सॉल्ट (28) रन के बाद जेमी ओवर्टन और सैम करन (तीन-तीन विकेट) की बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने टी-20 विश्वकप के 29वें मुकाबले में इटली पर संघर्षपूर्ण मुकाबले में 24 रनों से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही इंग्लैंड ने सुपर आठ में जगह बना ली है।

इटली शुरुआत बेहद खराब हुई- 203 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इटली शुरुआत बेहद खराब हुई और उसने महज 22 रन के स्कोर तक अपने तीन विकेट गंवा दिये। इसके बाद जस्टिन मोस्का और बेंजमिन मनेंटी जोड़ी ने पारी को संभाला और चौथे विकेट लिये 92 रन जोड़े। 12वें ओवर में विल जैक्स ने बेंजमिन मनेंटी को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। मनेंटी ने 25 गेंदों चार चौके और छह छक्के लगाते हुए 60 रनों की पारी खेली। ग्रांट स्टुअर्ट 23 गेंदों में 45 रन बनाकर 19वें ओवर में आउट हुये। उन्होंने अपनी पारी में पांच छक्के और दो चौके लगाये। कप्तान हैरी मनेंटी और जसप्रीत सिंह 12-12 रन बनाकर आउट हुये। मैच की आखिरी गेंद पर जेमी ओवर्टन ने अली हसन को बोल्ड कर 178 रन के स्कोर पर इटली की पारी का अंत कर मुकाबला 24 रनों से अपने नाम कर लिया। इंग्लैंड के लिए जेमी ओवर्टन और सैम करन (तीन-तीन विकेट) लिये। जोफ्रा आर्चर को दो विकेट मिले। विल जैक्स और आदिल राशीद ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इंग्लैंड ने 202 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया- इससे पहले आज यहां इंग्लैंड ने इटली के खिलाफ सात विकेट पर 202 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। टॉस जीतकर इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड ने इटली के गेंदबाजों के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए तेजी के साथ रन बटोरे। हालांकि इस दौरान उसने लगातार विकेट भी गंवाये। जॉस बटलर (तीन) तीसरे ओवर में पहले विकेट के रूप में आउट हुये। फिल सॉल्ट ने 18 गेंदों में 28 रन बनाये। जेकब बेथेल (23), कप्तान हैरी ब्रूक (14) और टॉम बैटन 21 गेंदों में 30 रन बनाकर आउट हुये उस समय टीम का स्कोर पांच विकेट पर 105 रन था। ऐसे संकट के समय विल जैक्स ने मोर्चा संभाला और विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए तेजी के साथ रन बटोरे। सैम करन (25) और जेमी ओवर्टन (15) रन बनाकर आउट हुये। इंग्लैंड ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 202 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। विल जैक्स 22 गेंदों में तीन चौके और चार छक्के लगाते हुए नाबाद 53 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। इटली के लिए ग्रांट स्टुअर्ट और कृषण कालूगामगे ने दो-दो विकेट लिये। बेंजमिन मनेंटी, जे जे स्मट्स और अली हसन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

सूर्यकुमार ने इशान किशन की बल्लेबाजी और गेंदबाजों की सराहना की

कोलंबो, (वार्ता)। भारतीय टी-20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तान के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी करने इशान किशन और गेंदबाजों की सराहना की। पाकिस्तान पर 61 रनों से जीत दर्ज करने के बाद सूर्यकुमार ने कहा, यह जीत के लिए भारत के लिए है। लेकिन हम इसी तरह की क्रिकेट खेलना चाहते हैं और टॉस के दौरान जैसा कि मैंने कहा था कि हम पहले बल्लेबाजी ही करना चाहते थे। शुरुआत में हमने विकेट गंवा दिया था लेकिन किशन ने बढ़िया बल्लेबाजी की। 155 का स्कोर मुकाबले को करीबी बना सकता था लेकिन 175 पार स्कोर था। तिलक, रिंकू, शिवम सबने बढ़िया बल्लेबाजी की और गेंदबाजी में सभी ने अच्छा प्रदर्शन किया। वहीं प्लेयर ऑफ द मैच इशान किशन ने कहा, विकेट इतनी आसान नहीं थी लेकिन आपको अपने आप पर विश्वास रखना होता है इसलिए मैं केवल गेंद को देखकर खेलने का प्रयास कर रहा था। मैंने ऑफ साइड गेम पर बेहद काम किया है, यह बड़ा ग्राउंड है और यहां गैप भी मिलता है इसलिए मैं गैप में खेलने की कोशिश कर रहा था।

अभिषेक शर्मा आक्रामक बल्लेबाजी से पहले क्रीज पर समय बितायें: शास्त्री

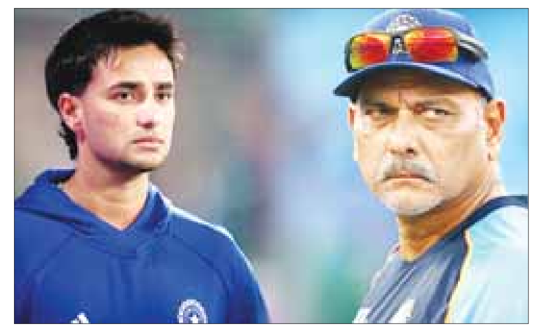

कोलंबो (वार्ता)

भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा अपनी पारी की शुरुआत में अधिक धैर्य रखने की सलाह दी है। पाकिस्तान पर भारत की 61 रन की जबरदस्त जीत के दौरान अभिषेक बिना किसी रन के आउट होने पर शास्त्री ने कहा कि अभिषेक को आक्रामक बल्लेबाजी से पहले क्रीज पर अधिक समय बिताने की सलाह दी है। आईसीसी ने शास्त्री के हवाले से कहा, मुझे लगता है कि वह खेलने लायक है, लेकिन उसे स्वयं को थोड़ा और समय देना होगा। ऐसी चीजे होती हैं, और आप गुस्से में आ सकते हैं, लेकिन उसे वापस पटरी पर आने तक खुद को थोड़ा और समय देना होगा। उन्होंने कहा कि क्योंकि उसके लिए बाद में उन डॉट बॉल को बाउंड्री और छक्के में बदलना मुश्किल नहीं है। इसके उलट, विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन शानदार फॉर्म में हैं, उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ 40 गेंदों पर 77 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड जीता, यह टूर्नामेंट में उनका लगातार दूसरा अर्धशतक है। किशन के प्रदर्शन की तारीफ करते हुए शास्त्री ने कहा, वह इस समय सपने जैसी बल्लेबाजी कर रहा है। उस ट्रैक पर 200 के करीब की रफ्तार से बल्लेबाजी करना अविश्वसनीय है। हर बल्लेबाज को यह आसान नहीं लगा क्योंकि गेंद रुक रही थी, और जिस तरह से उसने बल्लेबाजी की तथा जिस तेजी से उसने हालात का अंदाजा लगाया, वह बहुत बढ़िया था।

देवदत्त पड़िक्कल का दोहरा शतक, कर्नाटक ने बनाये 689/6

लखनऊ (वार्ता)। देवदत्त पड़िक्कल (232) और आर स्मरण (नाबाद 121) की शानदार पारियों की बदौलत कर्नाटक ने रणजी ट्रॉफी के पहले सेमीफाइनल के दूसरे दिन सोमवार को उत्तराखंड के खिलाफ स्टंप के समय छह विकेट पर 689 रन बनाकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। आज यहां कर्नाटक ने कल के दो विकेट पर 355 रनों से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में कर्नाटक का तीसरा विकेट करुण नायर (60) के रूप में गिरा। इसके बाद कप्तान देवत्त पडिक्कल ने अपना दोहरा शतक पूरा किया। वह चौथे विकेट के रूप में आउट हुये। उन्होंने 330 गेंदों में 29 चौके और तीन छक्कों की मदद से 232 रन की पारी खेली। श्रेयस गोपाल (शून्य) और कृतिक कृष्णा (60) रन बनाकर आउट हुये। दिन का खेल समाप्त होने के समय कर्नाटक ने छह विकेट पर 689 रन बना लिये थे। आर स्मरण (नाबाद 121) और विद्याधर पाटिल (नाबाद 35) क्रीज पर मौजूद है।

यूएई को पांच विकेट से हराकर अफगानिस्तान ने चखा जीत का स्वाद

नयी दिल्ली (वार्ता)

अजमतउल्लाह ओमरजई (चार विकेट/ नाबाद 40 रन), इब्राहिम जदरान (53) और डरविश रसूली (33) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत अफगानिस्तान ने सोमवार को टी-20 विश्वकप के 28वें मुकाबले में संयुक्त अरब अमीरात को चार गेंदे शेष रहते पांच विकेट हरा कर टूर्नामेंट में पहली जीत दर्ज की।

161 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं हुई और उसने पहले ही ओवर में रहमानउल्लाह गुरबाज (शून्य) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद इब्राहिम जदरान और गुलबदीन नईब की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 40 रन जोड़े। छठे ओवर में मुहम्मद इरफान ने गुलबदीन नईब (13) को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। सेदिकुल्लाह अटल (16) रन बनाकर तीसरे विकेट के रूप में आउट हुये। इस दौरान इब्राहिम जरदान एक छोर थामे रन बनाते रहे और उन्होंने अपना अर्धशतक भी पूरा किया। 14वें ओवर में इरफान ने इब्राहिम जदरान को आउटकर अफगानिस्तान को बड़ा झटका दिया। इब्राहिम जरदान 41 गेंदों में छह चौके और एक छक्का लगाते हुए 53 रनों की पारी खेली। डरविश रसूली ने 23 गेंदों में तीन चौके ओर एक छक्का लगाते हुए 33 रन बनाये। अफगानिस्तान ने 19.2 ओवर में पांच विकेट पर 162 रन बनाकर मुकाबला पांच विकेट से अपने नाम किया। अजमतउल्लाह ओमरजई ने 21 गेंदों में दो चौके और तीन छक्के लगाते हुए नाबाद 40 रनों की मैच विजयी पारी खेली। यूएई के लिए जुनैद सिद्दीकी ओर मुहम्मद इरफान ने दो-दो विकेट लिये। मुहम्मद जवादुल्लाह ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां सोहैब खान (68) और आलीशान शराफु (40) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने अफगानिस्तान के खिलाफ नौ विकेट पर 160 रनों का स्कोर खड़ा किया। अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी यूएई की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 13 के स्कोर पर अपने दो विकेट गंवा दिये। आर्यंष शर्मा (शून्य), कप्तान मुहम्मद वसीम (10) रन बनाकर आउट हुये। सोहैब खान और आलीशान शराफु की जोड़ी ने पारी को संभाला और तीसरे विकेट के लिए 84 रन जोड़े। 12वें ओवर में मुजीब उर रहमान ने आलीशान शराफु को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। आलीशान शराफु ने 31 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के उड़ाते हुए 40 रनों की पारी खेली। इसके बाद यूएई ने 24 रन जोड़ कर अपने तीन और विकेट गंवा दिये। सैय्यद हैदर 13 रन बनाकर आउट हुये। हर्षित कौशिक और मुहम्मद इरफान बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गये। 19वें ओवर में ओमरजई ने सोहैब खान को आउट किया। सोहैब खान ने 48 गेंदों में छह चौके और चार छक्के लगाते हुए 68 रनों की पारी खेली। हैदर अली 13 रन बनाकर रनआउट हुये। यूएई ने निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 160 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। अफगानिस्तान के लिए अजमतउल्लाह ओमरजई ने चार विकेट लिये। मुजीब उर रहमान को दो विकेट मिले। राशिद खान ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

टी-20 क्रिकेट में 700 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बने राशिद

नयी दिल्ली (वार्ता)

अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान टी-20 क्रिकेट में 700 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं। राशिद ने आज यहां संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ टी-20 विश्व कप मैच में मोहम्मद अरफ़ान को आउट कर यह उपलब्धि हासिल की। मैच से पहले राशिद के नाम 699 विकेट थे। उन्होंने यूएई की पारी के 16वें ओवर में अरफान को हिट विकेट कराकर अपना ऐतिहासिक 700वां विकेट लिया। अफगानिस्तान के कप्तान को इस मील के पत्थर तक पहुंचने के लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ा। पिछले सप्ताह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने 698वां और 699वां विकेट लिया था, लेकिन इस मैच में शुरुआती 3.2 ओवर उनके बिना सफलता के गए। उन्होंने पहले 20 गेंदों में 17 रन दिए। फिर अरफान रिवर्स स्वीप खेलने के लिए घूमे, लेकिन शॉट को मिस किया और फिर बैलेंस होने के चक्कर में स्टंप को टच कर बैठे। इस मामले में संन्यास ले चुके ड्वेन ब्रावो 631 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर हैं। सक्रिय खिलाड़ियों में सुनील नारायण 613 विकेट के साथ राशिद से पीछे और ब्रावो के बाद तीसरे स्थान पर हैं।

चावल, चीनी, दालें मजबूत-गेहूं नरम,तेलों में घट-बढ़

नयी दिल्ली (वार्ता)

घरेलू थोक जिंस बाजारों में सोमवार को चावल के औसत भाव बढ़ गये। चावल के साथ चीनी और दालों में भी तेजी रही। गेहूं की कीमतों में नरमी रही जबकि खाद्य तेलों की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा गया। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 85 रुपये बढ़कर 3,846 रुपये प्रति क्विंटल पर रही। गेहूं की कीमत 22 रुपये घटकर 2,850 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। आटा 35 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। दाल-दलहनों में तेजी रही। चना दाल औसतन 137 रुपये और तुअर दाल 128 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। मसूर दाल की कीमत 111 रुपये और मूंग दाल की 42 रुपये बढ़ी। उड़द दाल की कीमत लगभग गत दिवस के स्तर पर ही रही। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मई वायदा 32 रिंगिट टूटकर 4,014 रिंगिट प्रति टन रह गया। स्थानीय बाजारों में सरसों तेल की औसत कीमत 106 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। वनस्पति 70 रुपये और मूंगफली तेल 33 रुपये महंगा हुआ। पाम ऑयल की 87 रुपये और सोया तेल 69 रुपये सस्ता हुआ। सूरजमुखी तेल की कीमत 36 रुपये प्रति क्विंटल घट गयी। मीठे के बाजार में आज गुड़ के औसत भाव 62 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गये। चीनी भी 10 रुपये सस्ती हुई।दाल चना 7804.07 रुपये, मसूर काली 8102.60 रुपये, मूंग दाल 10128.79 रुपये, उड़द दाल 10649.74 रुपये, तुअर दाल 11108.69 रुपये प्रति क्विंटल रहे। अनाज (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2849.99 रुपये और चावल 3846.32 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3307.27 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी एस 4284.45 रुपये और गुड़ 4970.83 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। सरसों तेल 17672.81 रुपये, मूंगफली तेल 18312.85 रुपये, सूरजमुखी तेल 16470.26 रुपये, सोया तेल 14042.18 रुपये, पाम ऑयल 12744.56 रुपये और वनस्पति 14564.90 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर रहा।

चालू वित्त वर्ष में रूस से आयात घटा, चीन, यूएई, अमेरिका, सऊदी अरब से बढ़ा

नयी दिल्ली (वार्ता)

चालू वित्त वर्ष के पहले 11 महीने में चीन, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), अमेरिका और सऊदी अरब से भारत का आयात बढ़ा है जबकि रूस से आयात में कमी आयी है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल-जनवरी के दौरान क्रमशः चीन, यूएई, रूस, अमेरिका और सऊदी अरब से सबसे अधिक आयात किया गया। इनमें रूस को छोड़कर अन्य देशों से आयात में वृद्धि हुई है। खास बात यह है कि जनवरी 2026 में रूस से मात्र 2.86 अरब डॉलर का आयात किया गया जबकि उससे पहले के नौ महीने में पांच अरब डॉलर के औसत के साथ रूस से 44.98 अरब डॉलर का आयात हुआ था। भारत ने सबसे ज्यादा निर्यात क्रमशः अमेरिका, यूएई, चीन, नीदरलैंड और ब्रिटेन को किया। इसमें अमेरिका, यूएई और चीन को निर्यात में वृद्धि हुई है जबकि नीदरलैंड और ब्रिटेन को निर्यात कम हुआ है। भारत ने पेट्रोलियम का सबसे अधिक आयात किया। इसके बाद क्रमशः इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद, सोना, मशीनरी और परिवहन उपकरण का रहा। देश से 101.13 अरब डॉलर की इंजीनियरिंग वस्तुओं का निर्यात किया गया। इसके बाद, 45.69 अरब डॉलर के पेट्रोलियम उत्पाद, 39.38 अरब डॉलर के इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद, 25.73 अरब डॉलर की दवाओं और 23.53 अरब डॉलर के जवाहरात और गहनों का निर्यात हुआ।

गिरावट से उबरे शेयर बाजार सेंसेक्स 650 अंक चढ़ा

मुंबई (वार्ता)

घरेलू शेयर बाजारों में सोमवार को शुरुआती गिरावट के बाद तेजी लौट आयी और बीएसई का सेंसेक्स 650.39 अंक (0.79 प्रतिशत) की बढ़त में 83,277.15 अंक पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 211.65 अंक यानी 0.83 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,682.75 अंक पर बंद हुआ। दूसरे एशियाई बाजारों से मिले नकारात्मक संकेतों से प्रमुख सूचकांक गिरावट के साथ खुले, लेकिन यूरोपीय बाजारों में तेजी रहने से बाद में निवेश धारणा मजबूत हुई। इससे आज सेंसेक्स में 1,057 अंकों का बड़ा उतार-चढ़ाव देखा गया। यह नीचे 82,277 अंक और ऊपर 83,333 अंक तक गया। मझौली तथा छोटी कंपनियों में भी लिवाली को जोर रहा। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.38 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.48 प्रतिशत की बढ़त में रहा। बैंकिंग, रियलटी, एफएमसीजी, स्वास्थ्य, फार्मा, धातु, तेल एवं गैस और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूहों में तेजी रही। ऑटो और मीडिया समूहों के सूचकांक लाल निशान में बंद हुए। एनएसई में कुल 3,264 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ। इनमें 1,826 के शेयर गिरावट में और 1,341 के बढ़त में रहे। अन्य 97 कंपनियों के शेयर अपरिवर्तित रहे। सेंसेक्स की कंपनियों में पावर ग्रिड का शेयर 4.45 प्रतिशत चढ़ा। एचडीएफसी बैंक में 2.19 प्रतिशत, एक्सिस बैंक में 1.83, एनटीपीसी में 1.69, अडानी पोर्ट्स में 1.45, आईटीसी में 1.39, एशियन पेंट्स में 1.38, बजाज फिनसर्व में 1.35, टाटा स्टील में 1.25, भारती एयरटेल में 1.24, रिलायंस इंडस्ट्रीज में 1.16 और कोटक महिंद्रा बैंक में 1.08 प्रतिशत की गिरावट रही। भारतीय स्टेट बैंक, एलएंडटी, बीईएल, टीसीएस, हिंदुस्तान यूनीलिवर, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और हिंदुस्तान यूनीलिवर के शेयर भी हरे निशान में रहे। टेक महिंद्रा का शेयर 1.44 प्रतिशत, मारुति सुजुकी का 1.17 प्रतिशत और बजाज फाइनेंस का 1.10 प्रतिशत टूट गया। ट्रेंट में भी गिरावट रही। वैश्विक स्तर पर एशिया में हांगकैंग का हैंगसेंग 0.52 प्रतिशत की बढ़त में रहा। चीन का शंघाई कंपोजिट 1.26 फीसदी और जापान का निक्केई 0.24 प्रतिशत फिसल गया। यूरोप में शुरुआती कारोबार में जर्मनी का डैक्स 0.07 प्रतिशत और ब्रिटेन का एफटीएसई 0.24 प्रतिशत ऊपर था।

अमेरिका में भारतीय उत्पादों पर 18 प्रतिशत शुल्क के लिए मार्च तक करना पड़ सकता है इंतजार

नयी दिल्ली (वार्ता)

भारतीय निर्यातकों को अमेरिका के साथ हुए समझौते के तहत वहां पारस्परिक शुल्क की घटी हुई दरों के लागू होने के लिए मार्च तक इंतजार करना पड़ सकता है जबकि ट्रम्प सरकार ने रूसी तेल की खरीद को लेकर भारत पर 25 प्रतिशत के दंडात्मक शुल्क को सात फरवरी को ही हटा लिया है। अमेरिका ने भारत के खिलाफ अगस्त 2025 में 25 प्रतिशत का परस्पर अनुवर्ती शुल्क लगाने के बाद रूस से तेल खरीदने को लेकर 50 प्रतिशत का दंडात्मक शुल्क लगा दिया था। इस तरह वहां भारतीय माल पर शुल्क 50 प्रतिशत तक पहुंच गया था।

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने यहां सोमवार को आयात-निर्यात की मासिक रिपोर्ट जारी करने के बाद संवाददाताओं के सवालों के जवाब में कहा कि एक-दूसरे के माल पर शुल्क की परस्पर अनुवर्ती दरें लागू करने की दिशा में दोनों ओर से काम तेजी से चल रहा है। इस काम के लिए भारत के व्यापार वार्ताकारों का एक दल अगले सप्ताह वाशिंगटन जा रहा है। उन्होंने कहा कि कानूनी दस्तावेज पर दोनों पक्षों की मुहर लगने के बाद ही भारत में अमेरिकी वस्तुओं को प्रवेश में रियायत दी जायेगी। श्री अग्रवाल ने एक सवाल के जवाब में कहा, व्यापार सौदे की विस्तृत रूप रेखा को कानूनी दस्तावेज का रूप दिया जाना है। हमारा लक्ष्य इसे मार्च 2026 के अंत तक अंतिम रूप दे देना है। उल्लेखनीय है कि व्यापार समझौते पर जारी संयुक्त घोषणा पत्र के आधार पर ही एक-दूसरे के माल पर शुल्कों में रियायत दी जानी है। वाणिज्य सचिव ने कहा, संयुक्त घोषणा-पत्र के आधार पर अभी कानूनी दस्तावेज तैयार किया जाना है। इसमें कई बारीकियों को निपटाया जाना है।

दोनों पक्ष पारस्परिक आधार पर तय 18 प्रतिशत या शून्य प्रतिशत आयात शुल्क की दरें लागू करने की औपचारिकताओं को पूरा करने में लगे हुए हैं और प्रयास है कि मार्च के अंत तक इसे अंतिम रूप दे दिया जाए। वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के साझा वक्तव्य को कानूनी दस्तावेज का रूप देने में लगने वाले समय के बारे में अभी पक्के तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता। श्री अग्रवाल ने बताया कि ब्रिटेन के साथ समझौतों को लागू करने की दिशा में अच्छी प्रगति हुई है और इस समझौते को इस साल अप्रैल तक अंतिम रूप दिया जा सकता है। इस बीच, अमेरिकी कपास को शून्य शुल्क पर प्रवेश देने के मुद्दे पर वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा, भारत कपास का शुद्ध रूप से आयातक है। हम आज भी अमेरिका से सालाना 25 करोड़ डॉलर की कपास का आयात करते हैं। सेज इकाइयों और निर्यात के लिए विशेष लाइसेंस के आधार पर शुल्क मुक्त कपास का आयात किया जाता है जो मुख्यतः निर्यात माल तैयार करने के लिए होता है। अधिकारियों ने कहा कि भारत-ईयू और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से घरेलू वस्त्र उद्योग के लिए करीब 400 अरब डॉलर का बड़ा बाजार मिलेगा जिसमें पहले की तुलना में प्रतिस्पर्धी शुल्क पर निर्यात किया जा सकेगा। उनका कहना है कि यदि भारत इस बाजार में अतिरिक्त 10 प्रतिशत हिस्सा ही हासिल कर ले तो कपास के बड़े आयात की जरूत होगी। अधिकारियों ने कोई विस्तृत विवरण दिये बिना स्पष्ट किया कि भारत ने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में केवल उन्हीं वस्तुओं के आयात पर सहमति दी है जिसका अन्य देशों से आज भी आयात किया जाता है। अमेरिका से समझौते में हर कृषि उत्पाद के लिए शुल्क आधारित आयात कोटा की व्यवस्था लागू की गयी है। जेनिटकली मॉडीफाइड (जीएम) खाद्य (उत्पादों) को प्रवेश देने के बारे में एक अधिकारी ने कहा, हमारे कुछ सुरक्षा नियम हैं, इसके लिए समितियां बैठी है। अमेरिका से पांच साल में 500 अरब डॉलर के आयात की प्रतिबद्धता के बारे में अधिकारी ने कहा, अमेरिका ने भी स्पष्ट किया है कि यह एक इच्छा है।उल्लेखनीय है कि वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल पहले भी कह चुके हैं कि ऊर्जा और प्रौद्योगिकी क्षेत्र का व्यापार बढ़ने पर आयात पांच सौ अरब डॉलर से भी अधिक हो सकता है। अमेरिका और यूरोप का द्विपक्षीय वाणिज्यिक वस्तु व्यापार 2024 में 129 अरब डॉलर के बराबर था और इसमें सेवा व्यापार को मिला दें तो यह आंकड़ा 212 अरब डॉलर तक पहुंच जाता है।

वन्य जीव पर्यटन को किया जाए प्रोत्साहित : मुख्यमंत्री

डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई मध्यप्रदेश राज्य वन्य प्राणी बोर्ड की बैठक

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में वन्य जीवों के संरक्षण के दिशा में हो रहे बेहतर कार्य के परिणाम स्वरूप प्रदेश में वन्य जीवों की संख्या में वृद्धि हुई है। इस स्थिति में मानव-वन्य जीव सह अस्तित्व को प्रोत्साहित करने के लिए जनता को जागरूक करने तथा उन्हें आवश्यक सतर्कता बरतने के उपायों की जानकारी देना आवश्यक है। इसके साथ ही वन विभाग द्वारा पर्यटन विभाग से समन्वय करते हुए प्रदेश में वन्य जीव पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए गतिविधियां संचालित की जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्कूली बच्चों को वन और वन्य जीवों से परिचित कराने के लिए संचालित किऐ जा रहे अनुभूति कार्यक्रम का विस्तार करने और इस गतिविधि में अधिक से अधिक शालाओं को शामिल करने की आवश्यकता बताई।

प्रदेश में वन्य जीवों की विविधता बढ़ेगी- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश राज्य वन्य प्राणी बोर्ड की मंत्रालय में हुई 31वीं बैठक में यह निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश से अन्य राज्यों को वन्य जीव उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके बदले में उन राज्यों से भी वन्य जीव मध्यप्रदेश लाए जाएं। इससे प्रदेश में वन्य जीवों की विविधता बढ़ेगी। उन्होंने वन्य जीव प्रबंधन में अन्य राज्यों द्वारा किए जा रहे नवाचारों और बेस्ट प्रेक्टिसेस को अपनाने की बात भी कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विश्वविद्यालयों तथा अन्य संस्थाओं को जोड़कर वन और वन्य जीव के संबंध में अध्ययन प्रक्रिया को प्रोत्साहित किया जाए।

पुरातात्विक धरोहरों के संरक्षण की श्रेष्ठ व्यवस्था - मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वन क्षेत्र में विद्यमान पुरातात्विक धरोहरों के संरक्षण की श्रेष्ठ व्यवस्था हो, वन और पुरातत्व विभाग तथा इस क्षेत्र में कार्य करने वाली संस्थाओं की कार्यशाला भी आयोजित की जाए। बैठक में प्रदेश में बढ़ रही हाथियों की संख्या को दृष्टिगत करते हुए हाथियों पर केंद्रित पर्यटन गतिविधियां संचालित करने के संबंध में चर्चा हुई। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलगुरू विजय मनोहर तिवारी ने हाथी प्रबंधन पर विश्वविद्यालय द्वारा आलेख लेखन का प्रस्ताव रखा।

सांप पकड़ने प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सर्पदंश की घटनाओं में प्रभावितों की जान बचाने के उद्देश्य से प्रत्येक ग्राम पंचायत में कम से कम 2 व्यक्तियों को सांप पकड़ने तथा प्रभावित को बचाने के लिए प्रारंभिक रूप में सहायता करने संबंधी आवश्यक प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए। सांपों के संबंध में आवश्यक जागरूकता और सर्तकता बरतने के उपायों का भी प्रचार-प्रसार आवश्यक है।

डॉग स्क्राड में देशी नस्ल के डॉग शामिल करने पहल- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डॉग स्क्राड में देशी नस्ल के डॉग शामिल करने के लिए भी पहल करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को वन्य प्राणी संरक्षण और प्रबंधन के क्षेत्र में उपलब्धियों के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि गांधी सागर अभयारण्य, वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व और कूनो नेशनल पार्क में 846 कृष्ण मृग और 67 नीलगायों का सफल पुनर्स्थापन किया गया। वन विहार नेशनल पार्क भोपाल से 6 मगरमच्छों को ओंकारेश्वर क्षेत्र में उनके प्राकृतिक अवास में सफल रूप से छोड़ा गया। पेंच टाइगर रिजर्व से राम टाइगर रिजर्व राजस्थान के लिए एक मादा टाइगर भेजी गई है। इसी प्रकार असम से 50 जंगली भैंसें 3 समूह में 3 साल में गेंडे का जोड़ा और किंग कोबरा मध्यप्रदेश लाए जाएंगे और मध्यप्रदेश से टाइगर, मगरमच्छ तथा गौर असम को सौंपे जाएंगे। नामीबियाई मादा चीता आशा द्वारा दूसरी बार मां बनकर एक साथ 5 स्वस्थ चीता शावकों को जन्म दिया गया है।

प्रदेश में अब चीतों की कुल संख्या 35 हो गई- प्रदेश में अब चीतों की कुल संख्या 35 हो गई है। बैठक में बताया गया कि प्रदेश की स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स और वन्य जीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो नई दिल्ली की संयुक्त कार्यवाही के परिणाम स्वरूप 10 साल से वांछित अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्कर यांगचेन लाचुंगपा को भारत-चीन की अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास उत्तर सिक्किम में गिरफ्ता किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में बगदरा अभयारण्य, संजय टाइगर रिजर्व, सीधी के बफर जोन क्षेत्र विस्तार करने के संबंध में प्रस्ताव, पन्ना टाइगर रिजर्व, पद्मश्री डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर टाइगर रिजर्व, सोन घड़ियाल अभयारण्य, कूनो राष्ट्रीय उद्यान, श्योपुर, सतपुड़ा-पेंच टाइगर रिजर्व कॉरीडोर से संबंधित वन्य जीव अनुमतियों को अनुमोदन प्रदान किया गया।

सायबर पंजीयन कार्यालय से पेपरलेस और कैशलेस प्रक्रिया को मिलेगा प्रोत्साहन

मुख्यमंत्री ने किया सायबर पंजीयन कार्यालय का शुभारंभ

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में राज्य सरकार विकास के साथ प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, शुचिता, तत्परता, नवाचार और जनकल्याण को प्रोत्साहन दे रही है। पंजीयन विभाग के सायबर पंजीयन कार्यालय का शुभारंभ इसी संकल्प की सिद्धि का प्रमाण है। संपदा-1.0 और संपदा 2.0 के बाद प्रदेश में सायबर पंजीयन की प्रक्रिया का आरंभ होना तकनीक आधारित सुशासन की नई शुरुआत है। मध्यप्रदेश तेजी से बदल रहा है। मध्यप्रदेश भारत का पहला राज्य है, जिसने डिजिटल क्रांति के माध्यम से लोन, मुख्तयारनामा, माइनिंग लीज, हलफनामा, पावर आफ अटार्नी, पार्टनरशिप डीड जैसी 75 से अधिक सेवाओं के लिए सायबर पंजीयन प्रारंभ किया है। राज्य सरकार के इस नवाचार से पेपरलेस और कैशलेस प्रक्रिया को प्रोत्साहन मिल रहा है। यह नई पीढ़ी के लिए पर्यावरण और पारदर्शिता के मामले में महत्वपूर्ण होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को पंजीयन भवन में सायबर पंजीयन कार्यालय का शुभारंभ करने के बाद ये विचार व्यक्त किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अब शासन और उसके उपक्रमों के अंतरण दस्तावेज भी पेपरलेस रजिस्ट्रेशन के माध्यम से पूरे होंगे। हाउसिंग बोर्ड और विकास प्राधिकरण के अंतरण के लिए जनता को पंजीयन कार्यालय नहीं आना पड़ेगा। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से वीडियो केवायसी सहित सभी कार्य होंगे, इससे धन और समय दोनों की बचत होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह प्रसन्नता का विषय है कि संपदा 2.0 के नवाचार को वर्ष 2025 का राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस स्वर्ण पुरस्कार मिला है। अब तक 14 लाख 95 हजार से अधिक दस्तावेजों का पंजीयन हो चुका है। राज्य सरकार ने 55 जिलों में सायबर तहसील परियोजना को लागू किया है, जिसमें राजस्व बंटवारा, नामांतरण की प्रक्रिया भी संपदा 2.0 से हो सकती है।

दमोह बना प्रदेश का इकलौता दोहरे सम्मान वाला जिला : कलेक्टर

दमोह (स्वतंत्र मत)। मप्र राज्य निर्वाचन आयोग के 32वें स्थापना दिवस समारोह में दमोह जिले को दो महत्वपूर्ण पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने बताया कि जिले ने निर्वाचन कार्यों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पूरे प्रदेश में नई मिसाल कायम की है। उन्होंने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा आयोजित मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण अभियान के दौरान दमोह जिले में सर्वाधिक 22000 दावे-आपत्तियों का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया। यह उपलब्धि पूरे मध्यप्रदेश में सबसे अधिक है जिसके चलते दमोह जिला पुनरीक्षण कार्य में प्रदेश में प्रथम स्थान पर रहा। उन्होंने कहा यह सफलता जिला प्रशासन, निर्वाचन शाखा और संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। कलेक्टर कोचर ने बताया दूसरा सम्मान जिले को 29 दिसंबर को 77 मतदान केंद्रों पर पूर्णतः पेपरलेस मतदान सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए मिला। उन्होने बताया यह प्रक्रिया बेहद सुचारू और पारदर्शी तरीके से संपन्न हुई जिससे मतदान व्यवस्था में तकनीकी नवाचार और दक्षता का परिचय मिला।

वीरांगना दुर्गावती टाईगर रिजर्व में रेडियो कॉलर लगे बाघ का शव मिला

बाघों की आपसी संघर्ष में मृत्यु की आशंका

दमोह (स्वतंत्र मत)

वनमंडलाधिकारी वीरांगना टाईगर रिजर्व ने बताया 15 फरवरी को वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व के कोर क्षेत्र के मोहली परिक्षेत्र के मानेगाव बीट के कक्ष क्रमांक 159 में शाम 5:30 बजे बाघ का एक शव मिला था। उक्त बाघ को 18-19 जनवरी की दरमियानी रात को रेडियो कॉलर लगाकर वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व के कोर वन क्षेत्र में मुक्त किया गया था एवं मॉनिटरिंग दल उसकी लगातार मॉनीटरिंग कर रहे थे। विगत दो दिवसों से उस बाघ की लोकेशन एक जगह ही आ रही थी। अतः मॉनिटरिंग दल को चिंता हुई और उन्होंने नजदीक जाकर देखा तो उन्हें उक्त बाघ मृत मिला। आज प्रातः डॉग स्क्वॉड के द्वारा मृत बाघ के आसपास के क्षेत्र में सघन सर्च की गई साथ ही उक्त मृत बाघ के शव के करीब के जल स्त्रोत एवं आसपास के अन्य जल स्त्रोतों का भी लिटमस पेपर द्वारा पीएच वैल्यू आदि की जांच भी की गई। दोनों ही जांच में कोई परिणाम नहीं मिले। उन्होंने बताया इसके उपरांत राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के प्रोटोकॉल अनुरूप पन्ना टाइगर रिजर्व के वरिष्ठ वन्य प्राणी चिकित्सक डॉ. संजीव गुप्ता एवं रहली में पदस्थ स्थानीय पशु चिकित्सक श्री नीरज ठाकुर के द्वारा एवं राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के प्रतिनिधि डॉ. प्रशांत देशमुख एवं वन संरक्षक सागर रिपुदमन सिंह भदोरिया के समक्ष शव का पोस्टमार्टम किया गया। बाघ की खोपड़ी बुरी तरह से छतिग्रस्त थी एवं हड्डियां टूटी हुई थी तथा उन पर केनाईल के गहरे निशान भी थे। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के विशेषज्ञ डॉ. प्रशांत देशमुख एवं वरिष्ठ वन्य प्राणी चिकित्सक संजीव गुप्ता का अभीमत है कि बाघों की लड़ाई में उक्त बाघ को अन्य बाघ द्वारा मार डाला गया है। पोस्टमार्टम के पश्चात विशेषज्ञों एवं अधिकारियों की उपस्थिति में उक्त बाघ के शव को शवदाह किया गया।

विशेष टीकाकरण कैचअप अभियान द्वितीय चरण 16 से 21 फरवरी तक

दमोह (स्वतंत्र मत)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरके अठया ने बताया कि दमोह जिले में नियमित टीकाकरण कार्यक्रम को सुदृढ़ करने एवं छूटे हुए बच्चों को टीकाकरण की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए विशेष टीकाकरण कैचअप अभियान आयोजित किया जा रहा है। अभियान के द्वितीय चरण 16 से 21 फरवरी तक किया जा रहा है।

पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं श्रीमद् भागवत कथा संपन्न

विदा किए गए देवता, आध्यात्मिक उल्लास का वातावरण देखने को मिला

हटा (स्वतंत्र मत)। नगर की पावन धरा एक बार फिर दिव्य भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो उठी। जब देव गौरी शंकर मंदिर में 5 से 15 फरवरी तक आयोजित अति रुद्र यज्ञ, पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं श्रीमद् भागवत कथा का भव्य समापन हुआ। इस विराट धार्मिक आयोजन में नगर के नौ प्राचीन मंदिरों के देवताओं को ससम्मान आमंत्रित कर मंदिर प्रांगण में विराजित किया गया था। आयोजन अवधि के दौरान प्रतिदिन प्रातः और सायं आरतीए विधिवत पूजन तथा भोग प्रसाद अर्पित कर दिव्य वातावरण का सृजन किया गया। श्रद्धालुओं की अपार भीड़ ने यज्ञ, शिवलिंग निर्माण और कथा श्रवण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। समापन दिवस 15 फरवरी को पूर्णाहुति के पश्चात सोमवार को सभी आमंत्रित देवताओं को विधिवत पूजा अर्चना कर भव्य विमानों में सजाया गया। ढोल-नगाड़ों, जयघोष और पुष्पवर्षा के बीच श्रद्धाभाव से जुलूस निकाला गया और उन्हें उनके अपने मंदिरों के लिए विदा किया गया।

विदा किए गए देवताओं में- देवश्री बालाजी सरकार, देवश्री राम गोपाल जी सरकार, नवल किशोर जी सरकार, बिहारी जी सरकार, मुरली मनोहर जी सरकार, कौशलाधीश जी सरकार, किले वाले सरकार,मढ़ी के बगीचा वाले सरकार एवं लक्ष्मी नारायण मंदिर सरकार शामिल रहे। पूरे नगर में आध्यात्मिक उल्लास का वातावरण देखने को मिला। श्रद्धालु मार्ग में खड़े होकर पुष्प अर्पित करते रहे और हर-हर महादेवश् के जयघोष से आकाश गूंजता रहा। आयोजन समिति के संयोजक पुष्पेंद्र हजारी, प्रमुख अनुराग हजारी, मंदिर के पुजारी रामसुजान पाठक एवं अतिरुद्र यज्ञ के उप आचार्य सुरेश पांडे सहित अनेक श्रद्धालुओं ने भावभीनी विदाई दी। यह आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि नगर की एकता, श्रद्धा और सनातन परंपरा की जीवंत अभिव्यक्ति बनकर सामने आया। अति रुद्र यज्ञ और श्रीमद् भागवत कथा के समापन के साथ ही भक्ति की यह गंगा अपने मूल स्थानों की ओर प्रवाहित हुई किंतु श्रद्धालुओं के हृदयों में आस्था की ज्योति और भी प्रज्वलित कर गई। धर्म, भक्ति और समर्पण की यह अलौकिक छटा नगरवासियों के लिए अविस्मरणीय बन गई।

नोहटा नोहलेश्वर महोत्सव में लोगों को मिला आयुष स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ

दमोह (स्वतंत्र मत)। दमोह के नोहटा में 5 फरवरी से 15 तक हुए नोहलेश्वर महोत्सव में जिला आयुष अधिकारी डॉ राजकुमार पटेल के मार्गदर्शन में आयुष विभाग दमोह की ओर से प्रतिदिवस निःशुल्क स्वास्थ एवं चिकित्सा शिविर एवं प्रदर्शिनी का आयोजन किया गया। मेले में आए हुए लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण करने के साथ उन्हें आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथी औषधियां प्रदान की गईए स्वास्थ्य के लिए आवश्यक परामर्श भी दिया गया। दिनचर्याए ऋतुचर्या स्वर्णप्राशन, मधुमेह प्रबंधन सुप्रजा, आयुर्विद्या, वयोमित्र, रजस्वलाचर्या एवं गर्भवती महिलाओं के लिए मासानुमासिक आहार इत्यादि जानकारी प्रति दिवस प्रदान की गयी। शिविर में 2363 लोगों स्वास्थ्य लाभ दिया गया तथा लगभग 5000 से ज्यादा लोगों ने आयुष विभाग की प्रदर्शनी में विजिट किया गया तथा विभाग की योजनाओं से जागरूक हुए तथा लोगों को योगा का लाभ दिया गया। शिविर में आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी नोडल डॉ अनुराग कुमारए आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी नोडल अभाना, डॉ अनंतराम पटेल, डॉ रामजी माझी, डॉ साक्षी सेन, डॉ अनिल सेन डॉ रिचा, डॉ पंकज दास, अल्पना, प्रहलाद, विनोद सोनी रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन

दमोह (स्वतंत्र मत)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस ज्ञानचंद श्रीवास्तव शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालयदमोह द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन गोद ग्राम अथाई एवं बरपाटी में किया गया। शिविर के दौरान स्वयंसेवकों द्वारा ग्रामों में जागरूकता रैली निकाली गई तथा ग्रामवासियों का सामाजिक, शैक्षणिक एवं स्वास्थ्य संबंधी सर्वेक्षण किया गया। जागरूकता रैली के माध्यम से स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्ति, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा प्रसार एवं शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में ग्रामीणों को जागरूक किया गया।

जीतू पटवारी ने पत्रकारों को दिया कांग्रेस में शामिल होने का ऑफर

मप्र में प्रवक्ता के लिए 28 फरवरी तक बुलाए आवदेन

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश में कांग्रेस पार्टी प्रवक्ताओं की खोजबीन में लगी हुई है। पार्टी ने इसके लिए टैलेंट हंट प्रोग्राम शुरू किया है। 28 फरवरी तक कांग्रेस प्रवक्ता बनने के इच्छुक लोग आवेदन कर सकते हैं। प्रवक्ताओं की खोजबीन और चयन के लिए टैलेंट हंट की जानकारी देने के लिए पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे, पूर्व मंत्री सुखदेव पांसे, जयवर्द्धन सिंह, महेन्द्र जोशी, महिला कांग्रेस की अध्यक्ष रीना बौरासी सेतिया, विचार विभाग प्रमुख भूपेन्द्र गुप्ता और मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने नेशनल टैलेंट हंट कार्यक्रम के तहत पत्रकारों और मीडिया से जुड़े लोगों को कांग्रेस से जुड़ने का ऑफर दिया है। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि पार्टी ऐसे प्रतिभाशाली लोगों की तलाश कर रही है, जो कांग्रेस की विचारधारा को मजबूती से रख सकें और प्रवक्ता की भूमिका निभा सकें। पटवारी ने कहा कि लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका बेहद अहम है और कई पत्रकार विपक्ष की आवाज को मजबूती से उठाते हैं। ऐसे में जो लोग कांग्रेस की विचारधारा से सहमत हैं, वे टैलेंट हंट के जरिए पार्टी से जुड़ सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस प्रक्रिया के तहत प्रवक्ताओं और मीडिया पैनलिस्ट का चयन किया जाएगा। आवेदन जमा करने की अंतिम तारीख 28 फरवरी रखी गई है और चयन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी होगी।

लोकतंत्र और कांग्रेस की सोच को मजबूत करने वाले लोगों को मौका- नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि यह कार्यक्रम उन लोगों के लिए मंच है, जो लोकतंत्र और कांग्रेस की विचारधारा को मजबूत करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की पहल पर शुरू किए गए इस प्रयास का उद्देश्य ऐसे प्रतिभाशाली लोगों को सामने लाना है, जो राजनीतिक मुद्दों पर स्पष्टता के साथ अपनी बात रख सकें। सिंघार ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ऐसे प्रवक्ताओं का चयन करना चाहती है, जो शोध आधारित तथ्यों के साथ टीवी डिबेट और सार्वजनिक मंचों पर मजबूती से पार्टी का पक्ष रख सकें। उन्होंने इसे पत्थर में छिपे हीरे को तलाशने की शुरुआत बताया।

टैलेंट हंटः चयन प्रक्रिया और पद- मीडिया विभाग अध्यक्ष मुकेश नायक ने बताया कि टैलेंट हंट प्रक्रिया के तहत सीमित और गुणवत्ता-आधारित चयन किया जाएगा। इसके अंतर्गत केवल 20 प्रदेश प्रवक्ताओं के साथ कुछ मीडिया पैनलिस्ट चुने जाएंगे। संभाग और जिला स्तर पर दो-दो अधिकृत प्रवक्ता नियुक्त होंगे, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर दो पैनलिस्ट और एक विशेष अंग्रेजी मीडिया पैनलिस्ट का चयन किया जाएगा। योग्य उम्मीदवारों से प्रवक्ता, शोध कोऑर्डिनेटर और प्रचार-प्रसार कोऑर्डिनेटर के दायित्वों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह कार्यक्रम जिला, संभाग, प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर तक प्रतिभाशाली युवाओं को पार्टी का प्रतिनिधित्व करने का अवसर देगा।

आवेदन और चयन प्रक्रिया- 16 फरवरी से आवेदन फॉर्म जारी कर दिए गए हैं, जिनकी अंतिम तिथि 28 फरवरी 2026 निर्धारित की गई है। प्राप्त आवेदनों के आधार पर संभाग स्तर पर इंटरव्यू आयोजित होंगे। इंटरव्यू में एआईसीसी द्वारा नामित कोऑर्डिनेटर, टैलेंट हंट कमेटी के सदस्य, वरिष्ठ कांग्रेस नेता और संबंधित जिला अध्यक्ष संयुक्त रूप से प्रतिभागियों का मूल्यांकन करेंगे। मुकेश नायक ने कहा कि उद्देश्य संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि सक्षम और शोधपरक प्रतिनिधि तैयार करना है, जो प्रदेश और राष्ट्रीय मंच पर कांग्रेस की विचारधारा को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

न्यायालय नायाब तहसीलदार आधारताल, जबलपुर

रा.प्र.क 2424 / अ-6/ 2025-2026

आम इश्तहार

आवेदक शशांक तिवारी पिता स्व. श्री सतेन्द्र नाथ तिवारी निवासी फ्लेट नं. बी-1/ 122 टावर नं. 4 पूर्वांचल रायल सिटी ग्रेटर नोयडा सेक्टर चाहे 5, कासना गौतम बुध नगर (उ.प्र.) के द्वारा मौजा नजूल ब्लॉक गोहलपुर प.ह.नं. स्थित भूमि खसरा नंबर 35/7 रकवा 0.0990 में से 950 वर्गफुट पर स्व. प्रेमलता पति स्व. सतेन्द्र नाथ तिवारी के फौत होने के उपरांत भूमि पर राजस्व अभिलेखों में अपना नाम दर्ज कराने पंजीकृत एवं फार्म पी-II खसरा की छाया प्रति संलग्न कर आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त भूमि पर वर्तमान खसरे में भूमि स्वामी के रूप में प्रेमलता पति स्व. सतेन्द्र नाथ तिवारी शशांक तिवारी पिता स्व. सतेन्द्र नाथ तिवारी का नाम दर्ज है।

अतः उपरोक्त नामांतरण किये जाने में यदि किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति पेशी दिनांक 27.2.26 तक इस न्यायालय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के द्वारा पेश कर सकता है। नियत पेशी दिनांक के पश्चात् प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा। न्यायालय की मुहर एवं मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक 12.2.26 इश्तहार किया गया।

जारी दिनांक 12/2/2026
पेशी दिनांक 27/2/2026

तहसीलदार आधारताल, जबलपुर

आया था खाना बेचने खून बहाकर भागा

चलती ट्रेन में यात्री को वेंडर ने मारा चाकू

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जबलपुर रेलवे स्टेशन के पास एक चलती ट्रेन में वेंडर ने रविवार रात को यात्री पर चाकू से हमला कर दिया। जानकारी मिलते ही जीआरपी मौके पर पहुंची और घायल युवक को इलाज के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। इधर, जीआरपी ने हमला करने वाले वेंडर की तलाश शुरू कर दी है। दरअसल, यात्रियों पर आए दिन हमले की खबरें आ रही हैं और वेंडर ये वारदात ट्रेन में कर रहे हैं। एक बार फिर चलती ट्रेन में जब यात्री ने सामान नहीं खरीदा तो उस पर चाकू से हमला कर दिया। हालांकि, जीआरपी ने वेंडर को चिन्हित करते हुए तलाश शुरू कर दी है। घटना के बाद जनरल कोच में अफरा-तफरी मच गई और यात्रियों में दहशत फैल गई। ट्रेन जैसे ही जबलपुर स्टेशन पहुंची तो जीआरपी ने घायल को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया। गाड़ी संख्या 11401 पुणे-सुपोल एक्सप्रेस के जनरल डिब्बे में हाजीपुर निवासी 29 वर्षीय यात्री राहुल सिंह राजपूत सफर कर रहा था। ट्रेन शहपुरा-भिटौनी स्टेशन पहुंचने के बाद खाद्य सामग्री बेच रहा एक वेंडर डिब्बे में आ गया। राहुल ने उससे खाने के सामान का दाम पूछा तो उसने ज्यादा रेट बताए, जिसे लेने के लिए राहुल तैयार नहीं हुआ। इतना सुनते ही वेंडर ने यात्री के पैर पर चाकू से हमला कर दिया। वारदात के दौरान डिब्बे में अफरा-तफरी मच गई।

जीआरपी ने कर ली आरोपी की पहचान

विवाद के बीच वेंडर यात्रियों को धक्का देते हुए दूसरे डिब्बे की तरफ भाग गया। ट्रेन जब जबलपुर स्टेशन पहुंची तो यात्री ने जीआरपी से अपनी शिकायत दर्ज करवाई। बताया जा रहा है कि वेंडर ने अपने पास सब्जी काटने वाला चाकू रखा था, जिससे यात्री के पैर पर वार किया था। जबलपुर जीआरपी थाना प्रभारी संजीवनी राजपूत का कहना है कि आरोपी वेंडर को चिन्हित कर लिया गया है। जल्द ही उसकी गिरफ्तारी कर ली जाएगी।

रेल यात्रियों से मारपीट की घटनाएं बढ़ीं

ट्रेनों में वेंडरों के नाम पर गुंडागर्दी और यात्रियों से मारपीट की घटनाएं सामने आ रही हैं, जिससे यात्री खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। यात्रियों का आरोप है कि कुछ वेंडर दबंगई करते हुए मारपीट तक पर उतर आते हैं। हैरानी की बात यह है कि रेल मंत्री से लेकर अधिकारियों तक शिकायतें पहुंचने के बावजूद कार्रवाई महज औपचारिक नजर आ रही है। लगातार हो रही घटनाओं से यात्रियों में नाराजगी बढ़ रही है।

अब सुरक्षित नहीं रह गई है रेल यात्रा

यात्रियों का कहना है कि अब रेल यात्रा पहले जैसी सुरक्षित नहीं रह गई है। हाल ही में कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां यात्रियों का वेंडरों से विवाद हुआ। अगर कोई बीच-बचाव करता भी है तो उसके साथ भी मारपीट की जाती है। सबसे ज्यादा परेशानी परिवार के साथ सफर करने वाले यात्रियों को होती है। रेलवे को ऐसे वेंडरों पर नजर रखते हुए कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि इस तरह की घटनाओं पर लगाम लग सके।

हाल ही में हुई कुछ घटनाएं

- 3 फरवरी को बांद्रा-पटना एक्सप्रेस में खाने-पीने की सामग्री को लेकर डिप्टी सीटीआई भगवान सिंह ठाकुर और पैंट्रीकार मैनेजर अंशु सिंह के बीच हाथापाई की घटना सामने आई थी।
- 27 जनवरी को बीना और विदिशा स्टेशन के बीच ट्रेन नंबर 12615 जीटी एक्सप्रेस में तीन वेंडरों द्वारा अभिषेक गायकवाड़ नामक यात्री के साथ मारपीट का मामला सामने आया।
- 15 जुलाई को वेरावल-जबलपुर सोमनाथ एक्सप्रेस में वेंडर खाने-पीने का सामान और पानी की बोतलें तय दर से ज्यादा कीमत पर बेच रहे थे। एक यात्री ने इसकी शिकायत की तीन-चार वेंडरों ने उसकी पिटाई कर दी।
- 17 अक्टूबर को जबलपुर रेलवे स्टेशन पर वेंडर संदीप गुप्ता से एक यात्री ने समोसा खरीदा और यूपीआई से भुगतान करने की कोशिश की, लेकिन ट्रांजेक्शन फेल हो जाने पर वेंडर ने उसकी घड़ी छीन ली थी।

छात्राओं को बताई गई मिलेटस की उपयोगिता

हितकारिणी महिला महाविद्यालय में अनोखे व्यंजनों की धूम

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

शहर के प्रतिष्ठित हितकारिणी महिला महाविद्यालय में सोमवार को मिलेट्स (मोटे अनाज) पर आधारित एक अनोखी व्यंजन प्रतियोगिता का शानदार आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं और प्रतिभागियों को पौष्टिक मिलेट्स के प्रति जागरूक करना और उन्हें अपनी रसोई में शामिल करने के लिए प्रेरित करना था। प्रतियोगिता का उद्घाटन हितकारिणी सभा की सभापति श्रीमती सुनयना पटेरिया ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में मिलेट्स के महत्व पर प्रकाश डाला और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ निलेश पांडे ने भी मिलेट्स के औषधीय और पोषण संबंधी गुणों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने रागी, कोदो, कुटकी, चीना और कंगनी जैसे विभिन्न मिलेट्स के उपयोगिता और स्वास्थ्य लाभों के बारे में जानकारी दी, और इन्हें दैनिक आहार में शामिल करने की सलाह दी। इस स्वादिष्ट प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका कृषि विज्ञान केंद्र जबलपुर की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. रश्मि शुक्ला और वैज्ञानिक डॉ नीलू विश्वकर्मा ने निभाई। दोनों विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों द्वारा बनाए गए व्यंजनों की गुणवत्ता, रचनात्मकता और स्वाद का बारीकी से मूल्यांकन किया। सम्पूर्ण कार्यक्रम विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. चित्रा मिश्रा के मागदर्शन एवं सहायक प्राध्यापक श्रीमती पूजा मिश्रा, एस.के. संवत, कु. सिमरन ने विशेष योगदान दिया। कार्यक्रम में हितकारिणी महिला महाविद्यालय के विभिन्न विभाग के सहायक प्राध्यापकगण एवं कर्मचारियों का भी उपस्थित रहे, सभी ने मिलकर इस सफल आयोजन की शोभा बढ़ाई। यह आयोजन न केवल मिलेट्स के विभिन्न व्यंजनों को प्रदर्शित करने का एक मंच था, बल्कि यह स्वस्थ खान-पान की आदतों को बढ़ावा देने और पारंपरिक अनाजों के गुणों को फिर से स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी था। 50 प्रतिभागियों ने बाजरा, रागी, ज्वार और कोदो, कुटकी, कंगनी, चीना जैसे मिलेट्स का उपयोग करके कई प्रकार के मीठे और नमकीन व्यंजन प्रस्तुत किए, जिन्होंने जजों और दर्शकों दोनों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

छात्राएं अपने अधिकारों के प्रति सजग रहें: जस्टिस वर्मा

महिला बाल विकास इंटर्नशिप के अंतर्गत व्याख्यान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हितकारिणी महिला महाविद्यालय में सोमवार को महिला एवं बाल विकास इंटर्नशिप कार्यक्रम के अंतर्गत एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वर्तमान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव जस्टिस शक्ति वर्मा मुख्य वक्ता के रूप में एवं हाउस मास्टर अनुज शर्मा भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ नीलेश पांडेय ने की। इस अवसर पर कला विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ सुनीता बजाज तथा समस्त सहायक प्राध्यापकगण डॉ सुनीता श्रीवास्तव, वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो आशीष मालपानी, प्रो छाया दुबे, प्रो फरहाना खान, डॉ अंशु मिश्रा, डॉ अंजली ठाकुर एवं समीक्षा तिवारी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। अपने उद्बोधन में जस्टिस शक्ति वर्मा ने छात्राओं को महिला एवं बाल अधिकारों, कानूनी सहायता, घरेलू हिंसा से संरक्षण, बाल विवाह निषेध तथा नि:शुल्क विधिक सहायता के प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं को समाज में जागरूकता फैलाने तथा अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने का संदेश दिया। हाउस मास्टर अनुज शर्मा ने छात्राओं को व्यक्तित्व विकास, अनुशासन एवं सामाजिक जिम्मेदारियों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इंटर्नशिप के व्यावहारिक पक्षों की जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि महिला सशक्तिकरण के लिए शिक्षा और कानूनी जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य डॉ. नीलश पांडेय ने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे व्याख्यान छात्राओं के सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होते हैं। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। यह व्याख्यान छात्राओं के लिए अत्यंत प्रेरणादायक एवं ज्ञानवर्धक रहा।

शिवमय हुआ सैम सीनियर सिटिजन क्लब

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जय जय शिवशंकर, आरती उतारू मैं शंकर जी की जैसे शिवभक्ति गीत और तांडव नृत्य तथा पार्वती जी के निवास पर जब शंकर जी पहुंचते हैं जैसे सजीव दृश्यों के साथ 3 घंटे तक सैम सीनियर सिटिजन क्लब के कलाकारों ने साउथ एवेन्यू माल में अपनी प्रस्तुतियां दी। विंग कमांडर चंदन शर्मा ने साक्षात शिव के वेश में तांडव नृत्य किया, वहीं प्रभा बच्चन श्रीवास्तव, राजकुमारी रैकवार ने शिवजी की बारात आगमन पर बधाई गीत गाकर बारात का स्वागत किया। प्रसिद्ध गायक मधुसूदन एवं ग्रुप ने शंकर मेरे, कब होंगे दर्शन तेरे गीत में माहौल तालियों से गुंजायमान हो गया। इसी अवसर पर सदस्यों ने वेलेंटाइन डे की भी प्रस्तुतियां दी। रश्मि विजय श्रीवास्तव ने आ लग जा गले दिलरुबा, सुनीता चौहान, अभिनेता लक्ष्मण सिंग चौहान ने ओ मेरी जौहरा जबीं, पुष्पा अजय श्रीवास्तव, अमरजीत सिंग ने भी अपनी प्रस्तुतियां दी। 80 वर्षीया उर्मिला श्रीवास्तव, 75 वर्षीया माया गुप्ता, आरती जायसवाल, सुनीता मेंहदीरत्ता, रचना सक्सेना ने भी शानदार नृत्य किया। संचालन नीरज शुक्ला, बच्चन श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम के संयोजक जादूगर एसके निगम, जसबीर चोपड़ा रहे। इस अवसर पर रिटायर्ड पुलिस अधीक्षक गोपाल खाण्डे, समाज सेवी अनूप खरे, अधिवक्ता समैया जी, सेवानिवृत्त डिप्टी कमिश्नर दिनेश स्थापक उपस्थित रहे।

थकान उतार देते हैं मधुर गीत

गुंजन गीत माला में श्रोता हुए भावविभोर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

गीत-संगीत हमारी मानसिक और शारीरिक थकान उतार कर हमें स्फूर्ति प्रदान करते हैं। उपरोक्त आशय के विचार गुंजन कला सदन द्वारा दत्त मंदिर प्रेक्षागृह में आयोजित गीत माला कार्यक्रम में मोहम्मद रफी और किशोर कुमार के मनभावन गीतों के आयोजन अवसर पर मुख्य अतिथि अति. पुलिस अधीक्षक सूर्यकांत शर्मा ने व्यक्त किए, इन्होंने एक गीत भी गाया। रंग-रंग के फूल खिले हैं..। तुम तो प्यार हो..। मेरे नैना सावन भादों..। चला भी आ आज रसिया.. जैसे 30 से अधिक गीतों को सुनकर दर्शक-श्रोता वाह वाह कर उठे। संध्या जैन के संयोजन में गायक मोहित मिश्रा, गौरव सहगल, राज कौर मल्होत्रा, जूली राठौर, आयशा मजूमदार, राजा हराले, नम्रता जैन, आनंद साहू, थॉमस डिकूज, किशोर ताम्हने, विपिन, मनीष जैन, विजय बैन, गंगा बावरिया, पुरुषोत्तम, मृदुला शर्मा, मदन मराडवार, सुशील श्रीवास्तव, नीरज शुक्ला आदि ने मधुर गायन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रतुल श्रीवास्तव, विजय जायसवाल, लायन नरेंद्र जैन, राजेश पाठक 'प्रवीण', हिमांशु तिवारी, विमला श्रीवास्तव ने दीप प्रज्वलित करते हुए अतिथियों के स्वागत से किया। संचालन डॉ. मंजू गोरे ने आभार शिल्पा ताम्हने ने किया।

एडवोकेट्स प्रोटेक्शन एक्ट को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए

न्यायालीन कार्य से विरत रहकर अधिवक्ताओं ने सौंपा ज्ञापन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मध्य प्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद ने सोमवार को प्रतिवाद दिवस मनाया। इस दौरान अधिवक्ता न्यायालीन कार्य से विरत रहे। शिवपुरी जिले के करैरा में अधिवक्ता संजय सक्सेना की गोली मारकर की गई हत्या के विरोध में वकील आक्रोशित हैं। मप्र स्टेट बार कॉउंसिल ने इसके विरोध में पहले ही निर्णय लिया था। सोमवार को नारेबाजी करते हुए अधिवक्ता कलेक्ट्रेट पहुंचे जहां मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। गौरतलब है कि करैरा थाना पुलिस ने इस सनसनीखेज हत्याकांड के मामले में 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें से एक आरोपी को पुलिस ने शॉर्ट एनकाउंटर कर पकड़ा। पता चला कि जमीन विवाद में सुपारी देकर वकील संजय सक्सेना की हत्या कराई गई है। इसके विरोध स्वरूप आज अधिवक्ता न्यायलयीन कार्य से अलग होकर शांतिपूर्ण ढंग से ज्ञापन दिया। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राधेलाल गुप्ता एवं उपाध्यक्ष आर. के. सिंह सेनी ने चीफ जस्टिस को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि वकीलों की अनुपस्थिति के कारण लिस्टेड मामलों को खारिज न किया जाए और न ही कोई विपरीत आदेश पारित किए जाएं। स्टेट बार काउंसिल ने स्पष्ट किया है कि हमारा विरोध प्रदर्शन पूर्ण रूप से शांतिपूर्ण है। जिला स्तर पर कलेक्टर और तहसील स्तर पर तहसीलदार को प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपे गए।

सरकार को 7 दिन का अल्टीमेटम - अधिवक्ताओं की सुरक्षा को लेकर बार काउंसिल वकीलों ने सरकार को 7 दिन का अल्टीमेटम देते हुए मांग की है कि एडवोकेट्स प्रोटेक्शन एक्ट को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए। इस दौरान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष धन्य कुमार जैन ने दिवंगत अधिवक्ता संजय सक्सेना के परिवार के लिए 1 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता, आश्रितों को सरकारी नौकरी और दोषियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की मांग की।

ई-केवायसी नहीं कराने वालों के निरस्त होंगे पंजीयन

जबलपुर। मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के लिए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। जिसके तारतम्यग में सहायक श्रमायुक्त ने कहा कि जिन पंजीकृत निर्माण श्रमिकों ने ई-केवायसी नहीं कराया है, उन्हें एक माह की समय-सीमा के भीतर अनिवार्य रूप से ई-केवायसी पूर्ण कराना होगा। सहायक श्रमायुक्त ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समयावधि में ई-केवायसी पूर्ण न कराने की स्थिति में संबंधित निर्माण श्रमिकों का पंजीयन निरस्त किया जाना सुनिश्चित किया जाएगा।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**